■ समान प्रावधानों को रद्द करने के बाद वही सुधार कानून कैसे लागू हुआ : न्यायालय
- 12

■ चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7 प्रतिशत बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये
- 12

■ इस्लामाबाद में अदालत के बाहर आत्मघाती विस्फोट में 12 की मौत
- 13

■ दिल्ली की टीम रणजी में 65 साल में पहली बार जम्मू कश्मीर से हारी
- 14

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.33

सूर्यास्त 05.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी 10:58 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 12 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 262, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

धमाके में पुलवामा का डॉ. उमर शामिल

फरीदाबाद की अल फला मेडिकल कॉलेज में था डॉक्टर, आतंकवादी मॉड्यूल से थे संबंध | उमर की मां के डीएनए नमूने लिए, दोस्त सज्जाद गिरफ्तार, भाई-पिता हिरासत में

नई दिल्ली/श्रीनगर, एजेंसी

पुलिस ने मंगलवार को लाल किला विस्फोट मामले की जांच आतंकवादी हमले के रूप में शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस की प्राथमिकी में 'बम विस्फोट' करार दे इस घटना में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी हमले की साजिश व सजा से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने बताया कि विस्फोट में इस्तेमाल आई 20 कार को पुलवामा का डॉक्टर मोहम्मद उमर नबी लेकर पहुंचा था।

उमर, फरीदाबाद की अल फला मेडिकल कॉलेज में था डॉक्टर, जो आंतकवादी मॉड्यूल से जुड़ा था। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए धमाके को पुलिस फरीदाबाद से बरामद 360 किग्रा विस्फोट सामग्री से जोड़कर देख रही है। माना जा रहा है कि सोमवार शाम हुए विस्फोट में डॉ. उमर नबी की मौत हो गई है। इस विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे।

मंगलवार को जम्मू कश्मीर पुलिस ने उमर की मां का डीएनए नमूना लिए, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके। वहीं मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डॉ. उमर के दोस्त डॉ. सज्जाद गिरफ्तार कर लिया है, साथ ही पुलवामा से उमर के भाई और मां-बाप को हिरासत में लिया है। लाल किले पर सोमवार शाम को हुए विस्फोट से कुछ ही घंटे पहले जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ था, जिसमें तीन डॉक्टर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया गया था। सोमवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शाहीन सईद भी शामिल थे जो फरीदाबाद स्थित अल फला विश्वविद्यालय से जुड़े थे, जहां से 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विस्फोट की जांच मंगलवार को एनआईए को सौंप दी। उमर की भाभी मुजम्मिल ने बताया कि वह बचपन से ही अंतर्मुखी था। फरीदाबाद के कॉलेज में संकाय सदस्य के रूप में काम कर रहा था।

दिल्ली ब्लास्ट

नई दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी।

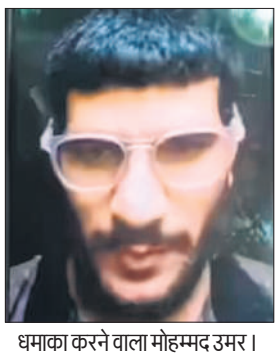

धमाका करने वाला मोहम्मद उमर।

धमाके में मरने वालों में यूपी के 5 लोग, अमरोहा में दो की मौत से कोहराम

लखनऊ/अमरोहा। धमाके में जान गंवाने वालों में से पांच लोग यूपी के रहने वाले थे। अमरोहा में हसनपुर तहसील के गांव मंगरोला निवासी डीटीसी के संविदा कर्मी अशोक और हसनपुर नगर निवासी खाद विक्रेता लोकेश अग्रवाल के शव पहुंचे तो कोहराम मच गया। लोकेश अस्पताल में अपनी समधन को देखने गए थे। उन्होंने दोस्त अशोक से मिलने को फोन किया। जब दोनों मिले तभी विस्फोट हो गया।

विस्फोट के साजिशकर्ताओं को नहीं बख्शेंगे : मोदी

थिंपू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की जांच कर रही एजेंसियां मामले की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के शिकंजे में लाया जाएगा। मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की घटना के मद्देनजर वह भारी मन से थिंपू आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सोमवार को पूरी रात विस्फोट की जांच कर रही एजेंसियों के संपर्क में रहे। मोदी ने कहा, भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। इसलिए, इस खास मौके का हिस्सा बनना भारत और मेरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने कहा, लेकिन आज मैं भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत दुखी किया है। मैं प्रभावित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

एजेंसियां विस्फोट में संलिप्त हर दोषी की करेंगी तलाश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली विस्फोट मामले में संलिप्त प्रत्येक दोषी की तलाश करें। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट में संलिप्त सभी लोगों को सुरक्षा एजेंसियों के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। शाह ने यह निर्देश राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक सोमवार शाम हुए विस्फोट के मद्देनजर आयोजित दो सुरक्षा समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करने के बाद दिये। सूत्रों ने बताया कि पहली बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल, कश्मीर में 4 हिरासत में

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से यह संकेत मिलता है कि लाल किले के पास हुए विस्फोट में संभवतः अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया है। विस्फोट और आतंकी मॉड्यूल की जांच जारी रहने के बीच अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के एक व्यक्ति तारिक को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसने उमर मोहम्मद को हुंदै आई20 कार दी थी। कश्मीर में छापेमारी के दौरान चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन चारों में से दो को दिल्ली विस्फोट और अंतर्राज्यीय आतंकी मॉड्यूल में उनकी भूमिका के आरोप में संयुक्त पूछताछ के लिए ले जाया गया है।

जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की प्रमुख थी लखनऊ की डॉ. शाहीन

जांच अधिकारियों के अनुसार, फरीदाबाद से गिरफ्तार शाहीन भारत में जैश-ए-मोहम्मद की महिला भर्ती शाखा का नेतृत्व कर रही थी। वह समूह की महिला शाखा जमात-उल-मोमिनात की प्रमुख थी। उमर भी अल फला से भी जुड़ा है तो आई20 कार चला रहा था जिसमें यह शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने शाहीन की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी जुटाने के लिए दस्तावेज एकत्र किये और परिवार के सदस्यों तथा पड़ोसियों से पूछताछ की।

लखनऊ समेत चार जिलों में छापेमारी, 7 हिरासत में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ, सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर में हुई कार्रवाई

अमृत विचार: दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार धमाके के बाद यूपी एटीएस ने मंगलवार सुबह राजधानी समेत चार जिलों में छापेमारी शुरू की।

देर शाम तक हुई कार्रवाई में सात संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे अलग-अलग स्थानों पर पूछताछ की जा रही है। छापेमारी लखनऊ, सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर में हुई। वहीं, पूरे प्रदेश में धमाके के बाद हाई अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस व एटीएस की टीमें संदिग्धों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस मुख्यालय के अधिकारी के मुताबिक सहारनपुर में एटीएस ने डा. अदील अहमद के करीबी बताए जा रहे तीन लोगों को हिरासत में लिया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। वहीं, दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है। वहीं, लखनऊ के मड़ियांव स्थित आईआईएम रोड में डॉ. परवेज अहमद अंसारी के घर पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, एटीएस व कमिश्नरेट पुलिस ने छापा मारा। मौके से डॉ. परवेज नहीं मिला।

बिलाल से कनेक्शन की पुष्टि के बाद छापेमारी

एटीएस व सुरक्षा एजेंसियों ने फरीदाबाद आतंकी माड्यूल में शामिल आदिल को गिरफ्तार किया। आदिल के करीबियों से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान एटीएस के हाथ बिलाल खान भी लगा। बिलाल का सीधा कनेक्शन पाकिस्तानी हैंडलर से मिला। उसके मोबाइल की जांच की गई तो 4000 से अधिक संदिग्ध नंबर मिले। जिनसे वह लगातार संपर्क में था। एटीएस की टीम इन नंबरों की जांच कर रही है।

गिरफ्तार डॉ. शाहीन डाक्टर का भाई है परवेज

एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लखनऊ के मड़ियांव इलाके में डा. परवेज के यहां छापेमारी की है। फरीदाबाद माड्यूल में एक दिन पहले ही गिरफ्तार डा. शाहीन शाहिद का डॉ. परवेज भाई बताया जा रहा है। घर छापेमारी के दौरान कोई मिला तो नहीं है लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने यहां के कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक साक्ष्य कब्जे में लिए हैं। डाक्टर के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है। एजेंसियों ने बताया कि फिलहाल डॉ. परवेज की तलाश जारी है।

ब्रीफ न्यूज

मुंबई के व्यवसायी को डिजिटल अरेस्ट कर 53 लाख रुपये ठगे

मुंबई। दक्षिण मुंबई के 60 वर्षीय एक व्यवसायी को साइबर ठगों ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों का वरिष्ठ अधिकारी होने का दावा करते हुए रात भर 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा और कथित तौर पर उससे 53 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ठगों ने व्यवसायी पर धनशोधन के एक मामले में संलिप्त होने का आरोप लगाया और यह कहते हुए उसे पूरी रात वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया कि अगले दिन अदालत में उसकी ऑनलाइन जमानत पर सुनवाई है तथा उसे उच्चतम न्यायालय का एक फर्जी नोटिस भी जारी किया।

सबरीमला मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष एन वासु गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की छानबीन कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एन वासु को गिरफ्तार कर लिया। वावासु टीडीबी के अध्यक्ष नियुक्त होने से पहले दो बार इसके आयुक्त भी रह चुके थे। राज्य सरकार के शीर्ष नेतृत्व के कथित करीबी वासु की गिरफ्तारी इस मामले की सबसे चर्चित गिरफ्तारियों में से एक है। केरल उच्च न्यायालय एसआईटी जांच की निगरानी कर रहा है।

जनशिकायत निस्तारण कर मजबूत करें फीडबैक व्यवस्था : मुख्यमंत्री

मुख्य सेवक सदन में फरियादी से समस्या की जानकारी लेते मुख्यमंत्री धामी।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सीएम धामी ने सुनी जनसमस्याएं अफसरों को दिए निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राज्य के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से प्राप्त शिकायतों एवं मांगों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के साथ ही नियमित फीडबैक की व्यवस्था को मजबूत किया जाए। इस अवसर को हमें प्रशासन को जनता के करीब ले जाने के रूप में इस्तेमाल करना होगा।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। कहा कि सरकार का लक्ष्य जन समस्याओं का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण करना है इसके लिए प्रत्येक विभाग को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करते हुए जन अपेक्षाओं के अनुरूप सक्रिय और संवेदनशील व्यवहार अपनाना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए और शिकायत निवारण की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी व तकनीकी माध्यमों से सुलभ बनाया जाए। धामी ने कहा कि राज्य की रजत जयंती वर्ष जनभागीदारी और संवाद का अवसर है। सरकार का प्रयास है कि राज्य के हर नागरिक को विकास योजनाओं का सीधा लाभ जनता को जल्दी मिले। उन्होंने जनता से भी राज्यहित में रचनात्मक सुझाव देने और जनसेवा के प्रयासों में सहभागी बनने का आह्वान किया है। कहा कि सरकार की प्रत्येक नीति और निर्णय का मूल उद्देश्य जनता का हित और प्रदेश का समग्र विकास है।

भारत पर शुल्क घटाएंगे ट्रंप, कहा-ट्रेड डील जल्द

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- कहा- भारत के साथ व्यापार समझौता करने के बेहद करीब है अमेरिका
- प्रेसिडेंट बोले- भारतीयों को मुझसे अभी प्यार नहीं, लेकिन फिर से करने लगेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ न्यायसंगत व्यापार समझौते पर पहुंचने के काफी करीब है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) को एक समय कम कर देंगे।

यह दो हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर मुहर लगने की उम्मीद जताई है। ट्रंप ने कहा, हम भारत के साथ एक समझौता कर रहे हैं, यह पहले की तुलना में बहुत अलग है। इसलिए अभी वे मुझे पसंद नहीं करते लेकिन वे हमें फिर से पसंद करेंगे। उन्होंने ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उपराष्ट्रपति वेंस ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के न राजदूत के रूप में शपथ दिलाई। ट्रंप ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार बताते हुए कहा कि मोदी के साथ अमेरिका के शानदार संबंध हैं।

आरोपी वन अधिकारियों के खिलाफ सीएम ने दिया अनुमोदन

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वन विभाग के आरोपी अधिकारियों के खिलाफ पुनः जांच और अभियोजन का अनुमोदन दे दिया है।

आरोपित अधिकारी एचके सिंह (भावसेसेनि) को राजाजी राष्ट्रीय पार्क में वन आरक्षी (सामयिक मजदूरों से भर्ती) परीक्षा-2013 में हुई अनियमितताओं की पुनः जांच के दृष्टिगत रंजन कुमार मिश्र, प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखंड को जांच अधिकारी और वैभव कुमार उप वन संरक्षक, चकराता वन प्रभाग को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नामित किए जाने का अनुमोदन किया है। साथ ही, धन शोधन संबंधित मामले में आरोपी लोक सेवकों के संबंध में कार्यवाही के क्रम में अखिलेश तिवारी (अप्रा.-आईएफएस) तत्कालीन उप-वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी, कालागढ़ रिजर्व, लैन्सडाउन के विरुद्ध अभियोजन का अनुमोदन किया है।

बिहार चुनाव | मैट्रिज के सर्वेक्षण के अनुसार राजग को 147 से 167 सीटें, महागठबंधन को 70 से 90 सीटें

एग्जिट पोल में राजग को प्रचंड बहुमत, महागठबंधन पिछड़ा

- पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकता है राजग : चाणक्या स्ट्रेटजीज

नई दिल्ली, एजेंसी

दूसरे चरण में रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। इस चुनाव को राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो छह नवंबर को पहले चरण में हुए 'रिकॉर्ड' 65.09 प्रतिशत मतदान से लगभग दो फीसदी अधिक है।

बिहार विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में संभावना जताई गई है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रचंड बहुमत के साथ एक बार फिर सरकार बना सकता है।

यदि असल नतीजे भी चुनाव बाद आए इन सर्वेक्षणों के आंकड़ों की तरह रहते हैं तो एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के 'महागठबंधन' के लिए सत्ता दूर की कौड़ी साबित होगी। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राजग में जदयू, भाजपा, रामविलास, हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) शामिल हैं। बिहार में मतदान संपन्न होने के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षण एजेंसियों के एग्जिट पोल में राजग को बड़ी जीत मिलने की भविष्यवाणी की गई है। 'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, राजग 147 से 167 सीटों के साथ दो तिहाई बहुमत का आंकड़ा हासिल कर सकता है। इसके एग्जिट पोल में कहा गया है कि महागठबंधन को 70 से 90 सीटें मिल सकती हैं तथा जन सुराज को शून्य से दो सीट ही मिलने के आसार हैं। एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र के सर्वेक्षण में कहा गया है कि राजग को 145 से 160 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 73 से 91 सीटें ही मिलने का अनुमान है। 'पीपुल्स पल्स' के एग्जिट पोल में भी राजग के एक बार फिर से चुनाव जीतने की संभावना जताई गई है।

इस सर्वेक्षण के अनुसार राजग को 133 से 159 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 75 से 101 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है। इस सर्वेक्षण ने जनसुराज को शून्य से पांच सीट मिलने की संभावना जताई है। 'चाणक्या स्ट्रेटजीज' के एग्जिट पोल में कहा गया है कि राजग 130 से 138 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकता है, जबकि महागठबंधन को 100 से 108 सीटों के साथ एक बार विपक्ष में बैठना पड़ सकता है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,12 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने दी महंगाई भत्ते की स्वीकृति

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य सरकार और राज्य के स्वायत्तशासी निकायों/उपक्रमों के कर्मचारियों जो पांचवें एवं छठवें वेतनमान में वेतन आहरित कर रहे हैं, को महंगाई भत्ते की दर 1 जुलाई, 2025 से क्रमश : पांचवें वेतनमान में 466 प्रतिशत से बढ़ाकर 474 प्रतिशत एवं छठवें वेतनमान में 252 प्रतिशत से बढ़ाकर 257 प्रतिशत किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। वहीं, सीएम ने राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने हेतु प्रथम चरण में नगर निगम पिथौरागढ़, नगर पालिका परिषद बाड़ाहाट, उत्तरकाशी (पर्यटक स्थल) तथा नगर पंचायत गैरसैंण (ग्रीष्मकालीन राजधानी) को अनुमोदन प्रदान किया है। वहीं, सीएम ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 39 .68 करोड़ स्वीकृत किए हैं।

केमिकल विक्रेताओं के ठिकानों पर छापे

देहरादून : दिल्ली धमाके के बाद हाई अलर्ट जारी होने के बाद उत्तराखंड पुलिस ने मंगलवार को देहरादून में विभिन्न केमिकल्स विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। पुलिस ने सोडियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट व सल्फर की बिक्री करने वाली दुकानों तथा गोदामों पर मौजूद स्टॉक को चेक किया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि राजधानी में विभिन्न केमिकल्स के सभी थोक विक्रेताओं के स्टॉक रजिस्टरों को चैक कर उक्त कैमिकल पदार्थों को खरीदने वालो के सम्बंध में एहतियात के तौर पर जानकारी एकत्र की गई है। उन्होंने बताया कि सभी दुकानदारों को बिना परिचय पत्र व बिल के उक्त केमिकल पदार्थों को विक्रय न करने की हिदायत दी गयी।

बदरीनाथ में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

देहरादून : दिल्ली में हुए बम विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के मद्देनजर श्री बदरीनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के निर्देश पर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। बीकेटीसी अध्यक्ष ने एसपी चमोली सुरजीत सिंह पंवार से बातचीत की तथा तीर्थयात्रियों की फुलप्रूफ सुरक्षा के लिए कहा। द्विवेदी ने बताया कि मंदिर समिति एवं चमोली पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में तलाशी अभियान सुबह से शाम तक जारी रहा। श्रद्धालुओं के सामान, वाहनों तथा आवासीय परिसरों की गहन जांच की गई। सुरक्षाकर्मियों को मंदिर परिसर, बाजार क्षेत्र तथा पार्किंग स्थलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

लद्दाख, कश्मीर, नेपाल से हजारों किमी का सफर तय करके रामनगर पहुंचते हैं सुर्खाब पक्षी

मेहमान परिंदे सुर्खाब से गुलजार हुए रामगंगा और कोसी बैराज

विनोद पपनै, रामनगर

अमृत विचार: 'सुर्खाब के पर' कहावत हमने बचपन से किस्से-कहानियों और कविताओं में सुनी है। यह कहावत भी प्रचलित है कि 'तुझ पर ही कौन से सुर्खाब के पर लगे हैं' तो सुनने वाले के मन में जिज्ञासा होती थी कि सुर्खाब के पर कैसे होते हैं।

अगर आपके मन में भी ऐसी कोई जिज्ञासा है और हकीकत में सुर्खाब पक्षी की सुंदरता को नजदीक से निहारना चाहते हैं तो कोसी बैराज तथा कॉर्बेट पार्क चले आइए। आजकल यह क्षेत्र इन मेहमान परिंदों से गुलज़ार है, जहां ये पक्षी कौतूहल और आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। ये प्रवासी पक्षी हर साल कोसी बैराज व कॉर्बेट पार्क की रामगंगा नदी को अपना आवास बनाते हैं। इन्हें तुमड़िया डैम, नानकमत्ता सागर के अलावा अन्य स्थानों पर नदियों, तालाबों और पोखरों में भी देखा जा सकता है। सुर्खाब के शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध है। उन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1973 (संशोधित 2003) के तहत संरक्षण प्राप्त है।

कोसी बैराज में जलक्रीड़ा करते सुर्खाब। फोटो सौजन्य : दीप रजवार

सुर्खाब के कई नाम: वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर दीप रजवार बताते हैं कि सुर्खाब को चकवा-चकवी, लालो, कोक, नग, लोहित, चक्रवात, केसर पंडिया, बगरी आदि नामों से भी जाना जाता है। पक्षी प्रेमी इसे ब्राह्मणी डक और पक्षी विशेषज्ञ रेडी शैल्डेक के नाम से पुकारते हैं। यह वही चकवा-चकवी जलपक्षी है, जिसका उल्लेख कविताओं में किया जाता है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के किष्किंधा कांड में इसका वर्णन 'चक्रवात' के रूप में किया है। देखने में अत्यंत खूबसूरत सुर्खाब देश का प्रवासी पक्षी है। शीतकाल के प्रारंभ में यह कश्मीर की झीलों, नेपाल व लद्दाख की घाटियों से होते हुए, उत्तर भारत की नदियों और झीलों तक हजारों किलोमीटर का फासला तय करके पहुंचते हैं।

छोटे तालाब इन्हें पसंद नहीं

तालाबों और नदियों में इन्हें जल क्रीड़ा करते देखा जा सकता है। प्रदेश के नानकसागर बांध, तुमड़िया डैम, भीमगौड़ा बैराज, कॉर्बेट नेशनल पार्क और कोसी बैराज में भी वे आजकल डेरा जमाए हुए हैं। सुर्खाब को छोटे तालाब पसंद नहीं हैं। वे झुंड में बड़े तालों और नदियों के रेतीले व कंकड़ीले स्थानों पर पाए जाते हैं। इनकी बोली कौवे की तरह कर्कश होती है। खास बात यह है कि ये दिनभर जोड़े में साथ रहते हैं, लेकिन रात को बिछुड़ जाया करते हैं। रात के समय सुरक्षा की दृष्टि से ये पेड़ों या ऊंची झाड़ियों में विश्राम किया करते हैं। पक्षी विशेषज्ञ संजय छिम्वाल बताते हैं कि इन मेहमान परिंदों की सुरक्षा करना हम सबका दायित्व है। इनकी सुरक्षा के लिए जनमानस को जागरूक करना बेहद जरूरी है।

मुख्य भोजन सुर्खाब पक्षी अपने मुख्य भोजन के रूप में दाने, घास-फूस के साथ ही जड़ व काई आदि। ये मेहमान परिंदे छोटे मेढक और मछलियां को भी खाते हैं।

एसआईआर : सीईओ ने की मैदानी जिलों की समीक्षा

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने मंगलवार को सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में माध्यम से चार मैदानी जिलों देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों, बीएलए की नियुक्ति एवं निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

डॉ. पुरुषोत्तम ने सभी जिलों को एसआईआर की तैयारियों के दृष्टिगत 2003 की वोटर लिस्ट में शामिल मतदाताओं का वर्तमान मतदाता सूची में शत-प्रतिशत मिलान के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। कहा कि

जो मतदाता वर्तमान में दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित हो गए हैं उनसे बीएलओ व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उनकी निर्धारित वर्ग में प्रतिचित्रण करें।

बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा को ईसीआई-नेट ऐप पर 'बुक ए कॉल बिद बीएलओ' की सुविधा दी गई है, जिसके जरिए मतदाता अपने बीएलओ के साथ कॉल बुक कर सकते हैं।

हाईकोर्ट में खेल उत्सव के साथ रजत जयंती समारोह आयोजित

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुहानाथन नरेंदर ने किया उद्घाटन, खेले गए मैत्री मैच

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: राज्य में न्याय के प्रति समर्पित 25 वर्षों की सेवा को दर्शाते हुए उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अपने रजत जयंती समारोह का मंगलवार को शानदार शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुहानाथन नरेंदर ने अन्य न्यायाधीशों के साथ दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने यादगार आयोजनों की श्रृंखला में भव्य खेल समारोह का शुभारंभ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी, न्यायमूर्ति रविंद्र मैठाणी, न्यायमूर्ति आशीष नैथाणी के साथ मैत्रीपूर्ण टेबल टेनिस युगल मैच खेलकर किया। इन खेल प्रतियोगिताओं (टेबल टेनिस, बेडमिंटन, कैरम व शतरंज) से न्यायिक विभाग, अधिवक्ताओं और न्यायालय के कर्मचारियों के बीच सौहार्दपूर्ण व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा।

महानिबंधक योगेश कुमार गुप्ता के अनुसार, सामुदायिक जुड़ाव और सार्वजनिक समारोह को समर्पित समारोह में स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित पौधरोपण और अन्य कार्यक्रम होंगे। छात्रों के बीच कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, हाईकोर्ट परिसर की समृद्ध विरासत और प्रतिभा का जश्न मनाने के लिए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। रजत जयंती वर्ष न्यायालय की उपलब्धियों और विधि के शासन को कायम रखने तथा उत्तराखंड के नागरिकों के लिए सुलभ न्याय सुनिश्चित करने की नई प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी, न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी, न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा, न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित, न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशीष नैथाणी, अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय, उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा सिंह मेहता एवं सभी सदस्य, हाईकोर्ट रजिस्ट्री के सदस्य और हाईकोर्ट के कार्मिक मौजूद रहे।

उत्तराखंड हाईकोर्ट में रजत जयंती समारोह में मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंदर ने टेबल टेनिस का मैत्री मैच खेला।

सीएम ने क्रिकेटर स्नेह राणा का उत्साह बढ़ाया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की सदस्य एवं उत्तराखंड की गौरव, क्रिकेटर स्नेह राणा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री ने स्नेह राणा को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे देश और उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है। स्नेह ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और संघर्षशीलता से देश और प्रदेश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। कहा कि स्नेह राणा जैसी खिलाड़ी उत्तराखंड की बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। प्रदेश सरकार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। खेल नीति के माध्यम से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, नौकरी और आर्थिक सहायता जैसी सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। स्नेह ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को जो सहयोग मिल रहा है, उससे राज्य में खेलों का वातावरण और अधिक सशक्त हुआ है। वे भविष्य में भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगी।

वहीं, सीएम से मई 2025 में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले 16 वर्षीय बालक सचिन कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने सचिन को बधाई देते कहा कि, इतनी कम उम्र में एवरेस्ट जैसी विश्व की सबसे ऊंची चोटी को फतह करना साहस, दृढ़ निश्चय और परिश्रम का अद्भुत उदाहरण है। सचिन ने अपने परिवार और प्रदेश का नाम रोशन करने के साथ देश के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा स्थापित की है।

मुख्य सचिव के एजेंडा तैयार करने के निर्देश

देहरादून: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने ऐसे सभी विभागों, जिनका अभी तक मध्य क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रकरणों का एजेंडा अप्राप्त हैं, को निर्देशित किया कि राज्य की ओर से विभागों द्वारा मध्य क्षेत्रीय परिषद समिति की आगामी बैठक में प्रस्तुत किए जाने वाले एजेंडे को तत्काल तैयार कर प्रस्तुत करें। सीएस ने समाज कल्याण विभाग को जौनसारी, जेनसारी शब्द विषयक प्रकरण के संबंध में निर्देश दिए कि उक्त प्रकरण को अनुसूचित जनजाति मंत्रालय को उनके पोर्टल में शब्द की स्पेलिंग को संशोधन करने का अनुरोध तैयार करें। इस संबंध में यदि विधायिका स्तर का संशोधन भी अपेक्षित हो तो उसका भी विधिक मार्गदर्शन प्राप्त कर लें।

वहीं, सीएस ने राज्य में परिसंपत्तियों यथा भूमि के क्रय-विक्रय का वर्चुअल रजिस्ट्रेशन करने के संबंध में समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों से वर्चुअल रजिस्ट्रेशन के कार्यों की प्रगति का स्टेटस लेते हुए निर्धारित टाइम लाइन में इसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएस ने कहा कि भूमि के क्रय-विक्रय का वर्चुअल रजिस्ट्रेशन पूर्ण करने के लिए सभी संबंधित हितधारकों से समन्वय स्थापित किया जाए।

अलर्ट मोड पर रहें: एडीजी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ. वी मुरुगेशन ने मंगलवार को गढ़वाल एवं कुमाऊं रेंज सहित एसटीएफ एवं समस्त जनपदों के पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उच्चस्तरीय कानून एवं व्यवस्था पर केंद्रित समीक्षा बैठक ली।

डॉ. मुरुगेशन ने सभी अधिकारियों को समन्वित एवं संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने दिल्ली बम धमाके के दृष्टिगत सघन तलाशी अभियान चलाने तथा पुलिस बल को पूर्णतः अलर्ट मोड पर रखने, लम्बित विवेचनाओं की जनपद प्रभारियों द्वारा स्वयं समीक्षा कर शीघ्र नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने डायल 112 रिस्पॉन्स टाइम अधिक होने वाले जनपदों में संसाधनों का पुनर्संरचना कर राज्य के औसत रिस्पॉन्स टाइम के बराबर करने के भी निर्देश दिए।

राज्य को पांच श्रेणियों में टॉप अचीवर्स पुरस्कार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड को व्यापार सुधार कार्य योजना के अंतर्गत पांच प्रमुख सुधार श्रेणियों में टॉप अचीवर्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो देश में किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा प्राप्त सर्वोच्च संख्या है।

मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित उद्योग समागम 2025 में व्यापार सुधार कार्य योजना-2024 के अंतर्गत उत्तराखंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देते हुए इस पुरस्कार की घोषणा की गई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा उत्तराखंड सरकार के उद्योग सचिव विनय शंकर पांडे और महानिदेशक एवं आयुक्त उद्योग डॉ. सौरभ गहरवार को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद रहे। उत्तराखंड को देश में व्यवसाय प्रवेश, निर्माण परमिट सक्षमकर्ता, पर्यावरण पंजीकरण, निवेश सक्षमकर्ता एवं श्रम विनियमन सक्षमकर्ता जैसे पांच सुधार क्षेत्रों में सर्वोच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाला राज्य माना गया है जो उत्तराखंड की व्यवसाय सुगमता (ईओडीबी) यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, हमारा लक्ष्य राज्य को औद्योगिक निवेश के लिए देश का अग्रणी गंतव्य बनाना है। बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान 2024 में सर्वोच्च पुरस्कार मिलना हमारी नीतिगत पारदर्शिता, उद्योग-अनुकूल वातावरण और निवेशकों के विश्वास का प्रमाण है। औद्योगिक विकास प्रदेश की समृद्धि और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का माध्यम बन रहा है। बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान 2024 में देश के शीर्ष राज्यों में स्थान पाना निवेशकों को उत्तराखंड की ओर आकर्षित करेगा और राज्य की आर्थिक ग्रोथ को नई गति देगा।

उद्योग सचिव विनय शंकर पांडे को सम्मानित करते केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

दून के बैंकों में 210 करोड़ की जमा राशि है निष्क्रिय

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राजधानी देहरादून के विभिन्न बैंकों से लगभग 5 लाख खातों की करीब 210 करोड़ की जमा राशि निष्क्रिय है और ऐसा होने के कारण ये धनराशि भारतीय रिजर्व बैंक के विशिष्ट फंड में भेजी जा चुकी है।

लोगों का जो पैसा बैंकों, बीमा कंपनी, पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड में अनक्लेम्ड पड़ा है, उसे उनके वास्तविक स्वामी दावाकर्ताओं तक पहुंचाने को वित्तीय विभागों द्वारा 31 दिसंबर 2025 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा 14 एवं 15 नवंबर को देशभर के 100 जिलों में 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' विषय पर जागरुकता शिविर आयोजित कर रहा है। अग्रणी जिला प्रबंधक देहरादून संजय भाटिया ने बताया 14 नवंबर को प्रातः 11 बजे से देहरादून में सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी प्रेक्षागृह में होने वाले कार्यक्रम में जिला प्रशासन, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न बैंक, आईआरडीए, सेबी, पीएफआरडीए के अधिकारी प्रतिभाग करेंगे।

ग्रामीण पर झपटा गुलदार, बाल-बाल बचा

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: गदगदिया रेंज से सटे रतनपुर और देवीपुरा क्षेत्रों में गुलदार का आतंक बना है। गुलदार मवेशियों व कुत्तों को निवाला बनाने के बाद अब ग्रामीणों पर भी जानलेवा हमला करने लगा है।

ताजा मामला सोमवार रात करीब 11 बजे का है। रतनपुर निवासी जगदीश चंद्र आर्या शादी से बाइक लौट रहे थे। चकलुवा का देवीपुरा चौराहे पार करते ही अचानक बगीचे से निकले गुलदार ने जगदीश पर हमला कर दिया और दाहिने पैर पर अपना मुंह गड़ा दिया। जगदीश ने साहस का परिचय देते हुए बाइक दौड़ा दी, जिससे गुलदार ने उनका पीछा नहीं किया। घर पहुंचने पर परिजनों ने उनका उपचार कराया। मंगलवार सुबह ग्राम प्रधान पति घनश्याम मेहरा की सूचना पर वन विभाग ने उनका सीएचसी में इलाज कराया। गुलदार ने उनके पैर में चार दांत गड़ा दिए थे। ग्रामीण भीम, महेंद्र बिष्ट, इंद्र व हरीश अटवाल, धर्मेंद्र जलाल, विपिन चंद्र, विक्की मेहरा और पंकज नेगी ने कहा कि अब तो बच्चों को स्कूल जाने में डर लग रहा है। शाम होते ही लोग घरों में कैद होने को मजबूर हैं। वहीं, रेंजर जगदीश जोशी ने बताया कि क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं और गुलदार पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

चकलुवा में घर की दीवार पर बैठा गुलदार

बाघ के सामने से गुजरता वन गुर्जर।

बाघ के सामने से बाइक लेकर निकला वन गुज्जर

रामनगर : कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के तराई पश्चिमी क्षेत्र के प्रसिद्ध फाटो पर्यटन जोन से एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसमें बाघ के बिल्कुल सामने से एक वन गुज्जर बाइक लेकर निकलता दिखाई दे रहा है। यह वीडियो कॉर्बेट के नेचर गाइड कपिल नेगी द्वारा शूट किया गया है जो कुछ दिन पूर्व का है और अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, वन विभाग के नियमों के अनुसार सफारी जोन में केवल निर्धारित वाहन और अधिकृत स्टाफ को ही प्रवेश की अनुमति होती है, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गणेश गोदियाल को फिर मिली उत्तराखंड कांग्रेस की कमान

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: कांग्रेस ने मंगलवार को अपनी उत्तराखंड इकाई में बड़ा बदलाव करते हुए गणेश गोदियाल को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाने के साथ ही पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत को चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन नियुक्तियों को स्वीकृति प्रदान की। गोदियाल ने करण महारा का स्थान लिया है।

महारा को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से मुक्त किए जाने के बाद कांग्रेस कार्य समिति का विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है। गोदियाल दो बार उत्तराखंड विधानसभा के सदस्य रहे हैं। वह 2012 के विधानसभा चुनाव में पौड़ी गढ़वाल जिले की श्रीनगर विधानसभा सीट से चुनाव जीते थे। वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में वह हार गए थे।

जुलाई 2021 में भी वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने थे, लेकिन 2022 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था और महारा को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

- पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम होंगे चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष, हरक को भी मिला जिम्मा

त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव 20 को, अधिसूचना जारी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतों के उपचुनाव की अधिसूचना मंगलवार को जारी करने के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव आचार संहिता लागू कर दी गई है।

सदस्य ग्राम पंचायत, प्रधान ग्राम पंचायत, सदस्य क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्य के रिक्त हुए पदों पर उप चुनाव (हरिद्वार को छोड़कर) 20 नवंबर को होंगे जबकि मतगणना 22 नवंबर को होगी। प्रदेश में ग्राम पंचायतों के रिक्त 33114 पदों पर उप चुनाव के बाद 4843 ग्राम पंचायत गठित होंगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव के लिए नामांकन जमा करने की प्रक्रिया 13 और 14 नवंबर को प्रातः 10 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी।

- 13-14 नवंबर को नामांकन होंगे, 22 को होगी मतगणना

15 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 16 नवंबर को दोपहर तीन बजे तक नाम वापसी का दिन होगा और इसी दिन चुनाव चिन्ह का आवंटन होगा। 20 नवंबर को सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक मतदान होगा जबकि 22 नवंबर को सुबह 8:00 बजे से मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी। आयोग के मुताबिक पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रत्याशियों के नामांकन पत्र संबंधित विकासखंड मुख्यालय और जिला पंचायत सदस्यों के नामांकन पत्र जिला मुख्यालय से मिलेंगे। आयोग के अनुसार, प्रदेश में हरिद्वार को छोड़ पंचायत सदस्यों के 33114, प्रधान के 22, जिला पंचायत सदस्य का एक और क्षेत्र पंचायत सदस्य के दो पद रिक्त चल रहे हैं।

सिटी ब्रीफ

दुर्लभ प्रजाति का उल्लू घायल हालत में मिला

कालाढूंगी। कालाढूंगी बंदोबस्ती में मंगलवार को ग्रामीणों ने सड़क पर सात किलो वजनी दुर्लभ प्रजाति का उल्लू घायल अवस्था में देखा। दीपक बनौला व ग्रामीणों ने घायल उल्लू को रेंज कार्यालय ले जाकर वन कर्मचारियों को सुपुर्द किया। डिप्टी रेंजर भूपेन्द्र बिष्ट ने बताया कि घायल उल्लू को रानीबाग रेसक्यू सेंटर भेजा गया है। जहां उसका उपचार चल रहा है।

वृद्धा को टक्कर मारने वाले चालक पर मुकदमा

हल्द्वानी : मुखानी थानाक्षेत्र में वृद्धा को टक्कर मारने वाले अज्ञात बस चालक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी तहरीर में गंगा विहार हरिनगर कुसुमखेड़ा निवासी डॉ. ललित मोहन पंत ने लिखा है कि बीते 6 अक्टूबर को उनकी 73 वर्षीय मां तारा पंत हनुमान मंदिर के पास सड़क पार कर रही थीं। तभी हल्द्वानी से कोटाबाग रूट पर प्राइवेट बस संख्या यूके 04 5545 ने उन्हें टक्कर मार दी और वह घायल हो गईं। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बाइक की टक्कर से मौत, मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी : बाइक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी तहरीर में बजवालपुर हल्द्वानी निवासी अजय पाल पुत्र स्व. परशुराम ने लिखा, उनके पिता परशुराम बीते 5 नवंबर को धनपुरी, साप्ताहिक बुध बाजार से अपने किराये के निवास बजवालपुर को साइकिल से जा रहे थे। तभी धनपुरी पंचायत घर के पास बाइक संख्या यूपी 25 ईसी के चालक ने साइकिल में टक्कर मार दी और अस्पताल में दो घंटे बाद उनकी मौत हो गई। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मोटर साइकिल सवार की तलाश की जा रही है।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुताबिक, 10 नवंबर को लामाचौड़ चौकी के एसआई राजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल पूरन सिंह और अचला गड़िया ने लामाचौड़ चौराहे के पास मोहित मौर्या पुत्र प्रमोद मौर्या निवासी भट्ट कालोनी तल्ली बमौरी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से 64 पाउच कच्ची शराब बरामद की। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि आरोपी को कोर्ट ने जेल भेज दिया।

केरल के नेता से 20 लाख की ठगी, सौंपी तहरीर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- मेडिकल में दाखिले के लिए नेता से लिए थे रुपए, नहीं हुआ एडमिशन

अमृत विचार : मेडिकल सीट दिलाने के नाम पर केरल के एक नेता के साथ 20 लाख रुपये की ठगी हो गई। रकम हड़पने वाला नैनीताल जिले का ही बताया जा रहा है। मामले में पीड़ित ने एसपी सिटी को शिकायत सौंपी है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

मंगलवार को केरल से शिकायत लेकर एसपी सिटी मनोज कत्याल के पास पहुंचे केरल के जिला अलेप्पी निवासी मुलाइथरा गोपालन राधाकृष्णन ने बताया कि वह एक राजनीतिक पार्टी से संबंध रखता है। आरोप लगाया कि वह अपने भतीजे का मेडिकल में दाखिला कराना चाहते थे। इस संबंध में उनकी मुलाकात नैनीताल जिले में रहने वाले एक व्यक्ति से हुई। इस व्यक्ति ने दावा किया कि वह मेडिकल सीट दिला सकता है, लेकिन इसके एवज में उन्हें 20 लाख रुपये खर्च करने होंगे। दोनों में सहमति बन गई है और पीड़ित ने सारी रकम आरोपी के बताए तीन बैंक खातों में डाल दी। इधर, दाखिले की तिथि गुजर गई, लेकिन पीड़ित का काम नहीं हुआ। ऐसे में पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी उन्हें टरकाने लगा। जब उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ फ्रॉड हो गया है तो मंगलवार को वह अपने एक साथी के साथ एसपी सिटी के कार्यालय पहुंचे।

नियोक्ता 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 तक के कर्मियों का करा सकेंगे पंजीयन

ईपीएफओ ने शुरू की कर्मचारी नामांकन योजना

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गैर संगठित व संगठित क्षेत्र के वंचित कर्मियों को कर्मचारी भविष्य निधि का लाभ देने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कर्मचारी नामांकन योजना-2025 शुरू की है। इसमें नियोक्ता को पंजीयन कराने पर कर्मियों पर उनका अंश भुगतान का दवाब नहीं होगा लेकिन नियोक्ता को अपना अंश ब्याज समेत देना होगा।

ईपीएफओ अधिकारियों के अनुसार, यह योजना नियोक्ताओं में स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने और सभी पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान की विशेष पहल है। इसमें नियोक्ता

1 जुलाई 2017 और 31 अक्टूबर 2025 के बीच ईपीएफ कवरेज से छूटे हुए कर्मचारियों को स्वेच्छा से नामांकन कर सकते हैं। इसके लिए नियोक्ताओं को 1 नवंबर से 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक नामांकन कर सकते हैं। इसमें यह फायदा होगा कि नियोक्ता जिस अवधि का भी नामांकन कराएंगे तो कर्मचारी अंश देने के लिए बाध्य नहीं होंगे। नियोक्ता को सिर्फ अपना अंश, ब्याज समेत देना होगा जबकि उन पर कोई जुर्माना या कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। हालांकि नियोक्ता 100 रुपये का हर्जाना देना होगा। यह जुर्माना तीनों ईपीएफ योजनाओं में मान्य होगा। ईपीएफओ की ओर से भी नियोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी।

कर्मचारी नामांकन योजना-2025 के तहत नियोक्ता एक जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 तक नियुक्त कर्मियों का ईपीएफ में नामांकन करा सकता है। इसमें कर्मियों का अंश देने में रियायत मिलेगी, साथ ही कोई जुर्माना भी नहीं लगेगा। नियोक्ता को सिर्फ अपना अंश ब्याज समेत देना होगा। यह योजना 1 नवंबर से 30 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगी। इसका मकसद कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा देना है। -**आकाश वर्मा**, सहायक आयुक्त ईपीएफओ हल्द्वानी

बेरोजगार युवक ने जहर खाकर जान दी

हल्द्वानी: बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवक ने सोमवार को जहर खाकर जान दे दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धमोला कालाढूंगी निवासी लोकेश पांडे (35 वर्ष) पुत्र स्व. खष्टी बल्लभ पांडेय अपने छोटे भाइयों के साथ रहता था। उसके माता-पिता की काफी समय पहले मौत हो चुकी है और तभी से लोकेश बेरोजगारी से परेशान था। सोमवार शाम वह घर पहुंचा और कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। भाइयों के पूछने पर बताया कि उसने सल्फास खा लिया है। परिजन उसे कालाढूंगी के अस्पताल ले गए। हालात नाजुक होने पर उसे डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय रेफर किया गया। यहां शाम पौने आठ बजे चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सोनू कटर बना तस्कर, रिश्तेदार के साथ खड़ा किया चरस का कारोबार

एसओजी और भीमताल पुलिस ने 1 किलो से अधिक चरस के साथ पकड़े दो युवक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : चोरी के धंधे में हाथ नहीं चला तो शातिर सोनू कटर रिश्तेदार के साथ चरस के धंधे में कूद गया। गांव-गांव से चरस जुटाकर हल्द्वानी में खपाने वाले दोनों युवा रिश्तेदार इस बार पुलिस के हत्थे चढ़ गए। एसओजी के इनपुट पर काठगोदाम पुलिस की कार्रवाई में दोनों आरोपियों को एक किलोग्राम से अधिक चरस के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद चरस की कीमत दो लाख रुपए के करीब आंकी गई है। एसएसपी ने गुडवर्क करने वाली टीम को डेढ़ हजार रुपए नगद ईनाम की घोषणा की है।

पुलिस बहुउद्देशीय भवन में मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी मंजू नाथ टीसी ने बताया कि एसओजी के साथ चरस तस्करी का इनपुट था। इसी इनपुट के आधार पर 10 नवंबर की रात करीब 8 बजे एसआई रविन्द्र सिंह राणा, कांस्टेबल योगेश कुमार, कांस्टेबल भूपेंद्र जेष्ठा, एसओजी के कांस्टेबल संतोष सिंह बिष्ट ने पनचक्की के पास से दो लोगों को धर दबोचा। इनके पास मौजूद थैले की तलाशी ली तो 1133 ग्राम चरस बरामद की।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम सोनू साहू उर्फ सोनू कटर (25 वर्ष) पुत्र रमेश चन्द्र साहू निवासी साहू धर्मशाला इन्द्रानगर बनभूलपुरा और कैलाश चन्द्र (21 वर्ष) पुत्र राजू राम निवासी निवासी पिनरौ छोटा कैलाश भीमताल बताए। साथ ही बताया कि दोनों आपस में रिश्तेदार हैं और छोटा कैलाश से चरस लेकर आ रहे थे। बरामद चरस को उन्होंने गांव-गांव जाकर जुटाया था और हल्द्वानी में बेचने के लिए निकले थे। बताया जा रहा है कि सोनू पेशेवर चोर है और वह दोस्तों में सोनू कटर के नाम से जाना जाता है।

चरस तस्करी का खुलासा करते एसएसपी मंजूनाथ टीसी, पीछे मास्क में खड़े आरोपी और साथ में एसओजी व काठगोदाम पुलिस।

- गिरफ्तार तस्करों में एक की उम्र 25, दूसरे की महज 21 साल
- गांव-गांव जाकर जुटाई गई चरस को बेचने निकले थे हल्द्वानी में

अब थाना और चौकियों पर गिरेगी गाज : एसएसपी

हल्द्वानी : एसएसपी ने कहा, उनके आने के बाद यह अभी तक की सबसे बड़ी बरामदगी है, लेकिन यह अभी शुरुआत है। आगे वह और भी बड़ी कार्रवाई करेंगे। इसके अलावा उन्होंने थाना और पुलिस चौकियों में तैनात कर्मियों को भी चेतावनी दी। कहा, नशे के खिलाफ जंग में यदि किसी पुलिस कर्मी का मिलीभगत सामने आई तो वह कार्रवाई के लिए तैयार रहे। सिर्फ मिलीभगत नहीं बल्कि आंख बंद करके काम करने वाले भी कार्रवाई को तैयार रहें।

हल्द्वानी में छठा वित्त आयोग की बैठक लेते अध्यक्ष एन रविशंकर।

नगर निकायों ने राज्य वित्त आयोग से बढ़ते क्षेत्रफल के अनुरूप मांगा बजट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : छठें राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष एन रविशंकर, सदस्य पीएस जंगपांगी व डॉ एमसी जोशी ने मंगलवार को काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस में नगर निकायों, त्रिस्तरीय पंचायत के निर्वाचित सदस्यों, राजनैनिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जनसुनवाई की और सुझाव लिए।

बैठक में अध्यक्ष रविशंकर ने कहा कि टीम जिला स्तर पर नवनिर्वाचित सदस्यों, मेयर, नगर पालिका/पंचायत अध्यक्षों एवं राजनैनिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुन रही हैं, साथ ही सुझाव भी ले रही है। इनके आधार पर जनवरी 2026 में राज्य सरकार को रिपोर्ट दी जाएगी।

हल्द्वानी मेयर गजराज बिष्ट ने नगर निगम में बढ़े हुए वार्डों की संख्या के अनुपात में बजट एवं मानव संसाधन देने, भवन निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, आय के स्रोत बढ़ाने के लिए बजट में बढ़ोत्तरी की मांग की। इस अवसर पर नगर निकायों की वर्तमान कुल आय एवं व्यय का ब्योरा दिया व नजूल भूमि की समस्याओं को उठाया। नगर निकायों के लगातार बढ़ रहे क्षेत्रफल के मद्देनजर मूलभूत सुविधाओं व अवस्थापना विकास के लिए इसी अनुरूप बजट देने की मांग की। जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, क्षेत्र व ग्राम पंचायत सदस्यों ने बजट बढ़ाने की मांग की। साथ ही गांवों की प्रमुख समस्याएं वन्यजीवों से जान-माल के बचाव को तारबाड़ एवं सोलर फेंसिंग व आपदा प्रबंधन के लिए पंचायतों को अतिरिक्त बजट का प्रावधान की मांग की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, बसपा जिलाध्यक्ष शिव गणेश ने समस्याएं उठाईं। इस दौरान जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट, पालिकाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, सुरेंद्र सिंह लोटनी, रेखा कत्यूरा, सरस्वती खेतवाल एवं पंकज आर्या, ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट आदि रहे।

एसआईटी करेगी रामनगर कालाढूंगी मामलों की जांच

संवाददाता, हल्द्वानी

- 12 सदस्यीय जांच टीम में एसपी सिटी मनोज कत्याल प्रभारी

अमृत विचार: रामनगर में कुछ दिन पहले प्रकाश में आये मीट प्रकरण की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दी गयी है। एसपी सिटी हल्द्वानी मनोज कत्याल को एसआईटी का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने मंगलवार को बताया कि विगत 23 अक्टूबर को रामनगर और कालाढूंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत भीड़ ने मांस परिवहन करने वाले दो वाहनों पर अलग-अलग हमला किया था। इन दोनों प्रकरणों में भीड़ पर चालक की पिटायी के साथ ही वाहन को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। दोनों प्रकरणों की जांच एसआईटी को सौंप दी गयी है। 12 सदस्यीय टीम में एसओजी के अधिकारी भी शामिल हैं। टीम पूरे प्रकरण की जांच करेगी और अग्रिम कार्रवाई करेगी। टीम में सीओ सुमित पांडे के साथ ही कालाढूंगी और रामनगर के थाना प्रभारियों अरुण सैनी और सुशील कुमार को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि रामनगर प्रकरण में 16 हमलावरों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 11 की गिरफ्तारी की जा चुकी है। एक के खिलाफ गैर जमानती वारंट प्राप्त करने के साथ ही तीन के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की जा रही है।

कालाढूंगी प्रकरण में सीसीटीवी और वैज्ञानिक सुबूतों के आधार पर 29 आरोपियों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 15 की गिरफ्तारी हो चुकी हैं। बाकी के खिलाफ कार्रवाई अमल में लायी जा रही है। इनमें से चार के खिलाफ गैर जमानती वारंट के बाद कुर्की की कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। गौरतलब है कि, पीड़ित पक्षों की ओर से इन दोनों प्रकरणों को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने आरोपी हिंदूवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद एसएसपी ने यह सख्त कदम उठाया है।

रामनगर में नोटिस चस्पा करती पुलिस।

आरोपियों के घर चस्पा हुए नोटिस

रामनगर : उत्तराखंड हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस अब पूरी तरह हरकत में आ गई है, मांस विवाद मामले में घिरे भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मदन जोशी सहित तीन आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने इन सभी को नोटिस जारी कर अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। पुलिस ने भाजपा नेता मदन जोशी, राजू रावत, जतिन के घरों पर नोटिस चस्पा किए हैं, जिनमें चेतावनी दी गई है कि वे 10 दिसंबर को कोर्ट रामनगर में पेश होकर अपने खिलाफ लगे आरोपों का जवाब दें। यह कार्रवाई तब की गई। बता दें कि हाल ही में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने इस पूरे प्रकरण को लेकर एसएसपी और रामनगर कोतवाल को तलब किया था। अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए पूछा था कि अब तक आरोपियों के खिलाफ क्या कदम उठाए गए हैं।

दिल्ली में धमाके के बाद नैनीताल जिले में चप्पे-चप्पे पर चौकसी

संवाददाता, हल्द्वानी/ नैनीताल

अमृत विचार : दिल्ली में धमाके के बाद देश के कई राज्यों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। उत्तराखंड में भी 24 घंटे से पुलिस अलर्ट मोड पर है। नैनीताल जिले में पुलिस सघन चेकिंग अभियान चला रही है। हर संदिग्ध का डाटा खंगाला जा रहा है। धमाके के तुरंत बाद सोमवार रात ही पुलिस ने जिले में सर्च अभियान शुरू कर दिया था। मंगलवार को भी पूरे जिले में सघन चेकिंग की गई। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने बताया कि जिले के हर चेक पोस्ट पर एक उप निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम को तैनात किया गया है। शहर के साथ जिले की सीमाओं पर लगे सीसीटीवी का कंट्रोल पुलिस बहुउद्देशीय भवन में बने हाईटेक कंट्रोल रूम में हैं और यहां से 24 घंटे सीमाओं पर निगरानी हो रही है।

रामपुर रोड स्थित बेलबाबा मंदिर के सामने बार्डर पर नहीं हो रही वाहनों की चेकिंग।

इसके अलावा सभी बस अड्डों, रेलवे स्टेशन, मॉल, बाजार और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर डॉग स्क्वाड, बम डिस्पोजल स्क्वाड, दमकल के साथ पुलिस की टीमें लगातार चेकिंग कर रही हैं। मंगलवार को एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र ने दोगांव में संदिग्ध वाहनों की अपनी मौजूदगी में चेकिंग कराई।

वहीं, रामनगर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए हैं। कॉर्बेट टाइगर पार्क को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि दिल्ली में धमाके के बाद किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रमुख एंट्री प्वाइंट्स पर शहर में प्रवेश करने वाले हर वाहन और व्यक्ति की पुलिस टीमों द्वारा गहनता से जांच की जा रही है।

लालकुआं रेलवे स्टेशन की चेकिंग

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: दिल्ली में लाल किले के समीप कल हुए विस्फोट मामले में पूरे उत्तराखंड में हाई अलर्ट को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने आज देर शाम लालकुआं रेलवे स्टेशन एवं स्टेशन तिराहे पर चेकिंग अभियान चलाया, इस दौरान बाहर से आने वाले यात्रियों एवं वाहनों की जांच करने के साथ-साथ रेल पटरियों एवं प्लेटफार्म में भी चेकिंग अभियान चलाया।

लालकुआं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन सिंह राणा के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल ने लालकुआं रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्म रेल पटरी व ट्रेन के समय यात्रियों की जांच की, इसके अलावा उन्होंने स्टेशन तिराहे पर चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें कई वाहनों की भी जांच की गई, तथा बाहर से आने वाले लोगों की भी जांच की गई।

लालकुआं रेलवे स्टेशन पर जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन सिंह राणा ने बताया कि पुलिस की ओर से लगातार क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है जो कि भविष्य में भी जारी रहेगा।

विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: भगत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: विधायक बंशीधर भगत ने मंगलवार को अपने आवास पर लामाचौड़ मंडल के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं जनसुविधा से जुड़ी समस्याओं की समीक्षा बैठक की।

बैठक में लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान एवं जल निगम के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता सहित विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में चल रहे पेयजल आपूर्ति कार्यों, पाइपलाइन बिछाने, नलकूप निर्माण, सड़कों की खोदाई व पुनर्निर्माण से उत्पन्न समस्याओं और इन कार्यों की गति एवं गुणवत्ता की समीक्षा करना था।

विधायक ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध, पारदर्शी एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल पाइपलाइन बिछाना नहीं है, बल्कि हर घर तक सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में जनता को जलापूर्ति से संबंधित कठिनाइयां आ रही हैं, वहां तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। कार्यों की नियमित निगरानी, स्थल निरीक्षण एवं गुणवत्ता परीक्षण किया जाए ताकि जनता को दी जा रही सुविधाओं में पूर्ण पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, जिला उपाध्यक्ष प्रताप बोरा, मंडल अध्यक्ष संदीप सनवाल, मंडल महामंत्री दिगंबर भोजक, कमल नयन जोशी, रवि कुरिया, कमल पडलिया, प्रधान विनोद निगल्टिया, जसवंत सिंह, महेश भगत, दिनेश जोशी, गणेश शाह आदि मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा करते विधायक बंशीधर भगत।

नाले का कार्य शीघ्र पूरा कराने को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वार्ड 37 (जवाहर ज्योति क्षेत्र) में वन चौकी से चौफुला चौराहे तक बरसाती नाले का कार्य सिंचाई विभाग द्वारा अधूरा छोड़ देने से लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

ग्रामीणों ने नगर आयुक्त परितोष वर्मा को ज्ञापन सौंपकर बरसाती नाले का कार्य शीघ्र पूरा करने और सभी कॉलोनियों के रास्ते खोलने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि मित्रपुरम, कृष्ण कुंज, कृष्ण धाम, हरिपुर गांगू, उत्तरांचल कॉलोनी, हरिपुरशील फेस 1 व 2, रौतेला कॉलोनी से लेकर बैंक्वट हॉल तक जाने वाले रास्ते को खोदकर छोड़ दिया गया है, जिससे आवागमन बाधित हो गया है। सड़क किनारे की दुकानों को भी नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात में अधूरे नाले से पानी भर जाने के कारण कई घरों में नुकसान हुआ है। लोगों ने विभाग पर बिना योजना के खोदाई कर कार्य अधूरा छोड़ने का आरोप लगाया। ज्ञापन देने वालों में मन्नू गोस्वामी, बच्ची सिंह बोरा, ललित मेर, धना बिष्ट, महेंद्र बोरा, चंदन सिंह बोरा, गंगा लटवाल रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 12 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

भीमताल नगर पालिका बोर्ड की बैठक आज

भीमताल : नगर पालिका बोर्ड की बैठक आज नगर पालिका सभागार में नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में आगामी पर्यटन सीजन के दौरान यातायात जाम की समस्या से निजात दिलाने को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके लिए दोपहर दो बजे थानाध्यक्ष (भीमताल) को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी सभासद रामपाल सिंह गंगोला ने दी।

शक्ति केन्द्र प्रभारियों की घोषणा की

भीमताल : जिला अध्यक्ष प्रताप बिष्ट और मंडल प्रभारी जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश की संस्कृति के बाद मंडल अध्यक्ष नीरज बिष्ट ने मंडल गरमपानी मंडल के शक्तिकेन्द्र प्रभारियों की घोषणा की। रातीघाट प्रथम नरेंद्र सिंह बिष्ट, रातीघाट द्वितीय उमेश बर्गली, गरमपानी प्रथम दीवान सिंह, गरमपानी द्वितीय योगेश ढोंडियाल, गरमपानी तृतीय अनिल बुढलाकोटी, सुयालबाड़ी भुवन चंद्र, पाथरी आनंद सिंह नेगी, प्यूड़ा हरेंद्र सिंह नेगी, सिमलखा में विनोद जलाल को शक्ति केन्द्र प्रभारी का दायित्व सौंपा है।

रामनगर में प्राधिकरण के विरोध में भड़के लोगों का धरना-प्रदर्शन

ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी बोले-जिला विकास प्राधिकरण भ्रष्टाचार का अड्डा बना

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में एसडीएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला विकास प्राधिकरण के खिलाफ विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। मंगलवार को ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी के नेतृत्व में विकास खंड के कई जनप्रतिनिधियों ने एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया और प्राधिकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भेजकर ग्रामीण इलाकों से जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त किए जाने की मांग की।

ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने कहा कि रामनगर विधानसभा क्षेत्र के लगभग 25 ग्रामीण इलाकों में जिला विकास प्राधिकरण लागू कर ग्रामीण जनता को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राधिकरण अब भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है, जहां खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि कोई ग्रामीण अपने घर की मरम्मत या नए निर्माण का काम करता है, तो प्राधिकरण के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर रकम के लिए दबाव बनाते हैं। रकम न देने पर ग्रामीणों के घरों और निर्माणाधीन भवनों को सील करने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस संबंध में पूछताछ के लिए फोन करने पर अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन तक नहीं उठाते हैं। संजय नेगी ने कहा कि रामनगर के कई गांव पहले से ही फॉरेस्ट लैंड और फलपट्टी क्षेत्र में आते हैं, जिससे ग्रामीणों को जमीन पर लोन या धारा 143 की अनुमति नहीं मिल पा रही है। ऐसे में, प्राधिकरण के नियमों ने ग्रामीणों की परेशानियां और बढ़ा दी हैं। नेगी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ग्रामीण क्षेत्रों से जिला विकास प्राधिकरण को खत्म नहीं किया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा और विभाग में लिप्त भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा।

उधर, जिला विकास प्राधिकरण के सचिव विजयनाथ शुक्ला ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब तक किसी भी सिंगल आवासीय कॉलोनी का चालान नहीं किया गया है और विभाग पूरी तरह से नियमों के तहत कार्य कर रहा है। उन्होंने मामले की जांच करने की बात भी कही है।

बीडीसी बैठक में नाराजगी जताते लोग ● अमृत विचार

अधिकारी गायब, बीडीसी बैठक का हो गया बहिष्कार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: क्षेत्र की पहली बीडीसी बैठक में जिले के किसी भी सक्षम अधिकारी के नहीं आने के नाराज ब्लॉक प्रमुख सहित सभी ग्राम प्रधानों और बीडीसी मेंबरों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया।

ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी ने बताया कि इस सत्र की यह पहली बीडीसी बैठक थी जिसके लिए पहले से ही जिलाधिकारी को अवगत करा दिया गया था। ब्लॉक प्रमुख नेगी ने कहा कि सभी बीडीसी और ग्राम प्रधान अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं लेकर आए थे।

लेकिन सक्षम अधिकारियों के वहां मौजूद नहीं होने से सभी को निराशा हाथ लगी। जिससे गुस्साए सभी बीडीसी और ग्राम प्रधानों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी के साथ ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, महावीर रावत, नवीन सती सहित अनेकों लोग मौजूद थे।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

नैनीताल: राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, काशीपुर के एमएससी वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत डीएसबी परिसर, नैनीताल स्थित वनस्पति विज्ञान विभाग का दौरा किया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एलएसएल आईडी तिवारी ने विद्यार्थियों को हर्बेरियम की संरचना, निर्माण विधि और उसके ऐतिहासिक विकास की जानकारी दी।

डॉ. नवीन पांडे ने विद्यार्थियों को हर्बेरियम तकनीक, पौधों के संरक्षण की विधि और विशेष प्रजातियों जैसे पटवा और उस्मानथस के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने इस दौरान पौधों की विविधता और वर्गीकरण के विषय में गहन अध्ययन किया। भ्रमण दल ने हिमालयन बॉटनिकल गार्डन, नारायण नगर का भी भ्रमण किया, जहां डॉ. रजनी रावत ने फर्नेटम, ऑर्किडेरियम और औषधीय पौधों के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। भ्रमण दल में प्रोफेसर नीलू, प्रोफेसर स्नेहलता, प्रोफेसर केडिया, डॉ. रेणु रानी, डॉ. परिहार, दिशा, वसुंधरा सहित कुल 13 विद्यार्थी शामिल रहे।

आंदोलनकारियों और वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

संवाददाता, भीमताल

बेलवाखानमें सम्मानदेने के लिए आयोजित कार्यक्रम। ● अमृत विचार

अमृत विचार: राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती की अवसर पर ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट व ग्राम प्रधान डॉ. बबीता मनराल ने वरिष्ठ नागरिक अभिनंदन करने के साथ बेलुवाखान ग्राम सभा के राज्य आंदोलनकारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया मुख्य अतिथि डॉ. हरीश बिष्ट ने अपने संबोधन में कहा कि ग्राम प्रधान डॉ. बबीता मनराल द्वारा ग्राम सभा बेलुवाखान के विकास के लिए विशेष रूप से फोकस कर लोगों को जोड़ने का काम किया जा रहा है जो सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा किसी भी गांव का विकास तब तक संभव नहीं है जब तक लोगों से सीधा संवाद स्थापित न किया जाए। मात्र फोन पर संपर्क कर लेने से किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा, लिखित समस्या प्रधान को दी जाए और प्रधानों को लिखित समस्या को ब्लॉक कार्यालय में लेकर आएं जिससे समस्याओं का निराकरण करने में सरलता आ सके। पूर्व जिला पंचायत सदस्य हरीश भट्ट ने जंगली जानवरों के आतंक पर चिंता व्यक्त की। इस मौके पर राज्य आंदोलनकारी इंद्र नेगी, हरीश भट्ट, प्रकाश आर्य के साथ ही दुग्ध रोजगार से जुड़ी महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर ज्योलीकोट ग्राम सभा प्रधान नवल आर्य, गेठिया प्रधान रिंकू देवी, सड़ियाताल प्रधान हरगोविंद रावत, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य हरेंद्र सिंह बिष्ट, हीरा देवी पूरन सिंह मनराल, आनंद बिष्ट, गोपाल बिष्ट, उमेद सिंह, संजय बिष्ट, बीना चम्याल, वीरेंद्र मेहरा, योगेश बोरा, रतन सिंह, बसंती देवी, सुशीला बिष्ट, देवेंद्र सिंह, धनानंद, राजेंद्र मनराल, विनोद मनराल व नंदन सिंह थे।

आदि कैलाश (छोटा कैलाश) मंदिर समिति की नई कार्यकारिणी।

आदि कैलाश मंदिर समिति का पुनर्गठन

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: आदि कैलाश (छोटा कैलाश) मंदिर समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक महिपाल सिंह संभल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि अध्यक्ष पद को छोड़कर, समिति के अन्य सभी पदों पर नए सिरे से चुनाव कराया जाए। इसके बाद संपन्न हुए चुनाव में निम्नलिखित पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया:

उपाध्यक्ष पद पर महेंद्र सिंह मेहता, कोषाध्यक्ष पर पूरन सिंह संभल, सचिव राघवेंद्र सिंह संबल, उप सचिव जीवन सिंह मेहता व संरक्षक पद पर हरीश सिंह बिष्ट को चुना गया। बैठक में कई अन्य सदस्यों को भी महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए। नंदन सिंह, चंदन सिंह, उत्तम सिंह, प्रमोद सिंह, दीपक सिंह, तारा दत्त, गोपाल सिंह, मनोहर पलाडिया, महेंद्र सिंह, नारायण सिंह, देवेंद्र सिंह मौजूद थे।

मांस प्रकरण की निष्पक्ष जांच को भाजपाइयों ने दिया ज्ञापन

संवाददाता, रामनगर

एसडीएम को ज्ञापन देते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रामनगर के छोई और बैलपड़ाव में हिंदूवादी संगठनों और ग्रामीणों द्वारा गोमांस की तस्करी के शक में पकड़े गए एक वाहन के चालक के साथ हुई मारपीट के बाद पांच नामजद और 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा के मामले को लेकर भाजपाइयों ने एसडीएम से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच की मांग की।

उन्होंने कहा कि इसमें कई युवा ऐसे हैं, जो अभी स्कूली छात्र, कॉलेज में पढ़ाई करने वाले है। इसी को लेकर मंगलवार को भाजपा नगर अध्यक्ष भाजपा भूपेंद्र खाती के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिला अधिकारी को भेजा हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीच की कोई ऐसी कड़ी है, जिसने गोमांस की गलत सूचना हिंदूवादी नेताओं तक पहुंचाई और वो आक्रमक हो कर वहां पहुंच गए और वहां पर बवाल हो गया। उन्होंने कहा कि इस झूठी सूचना देने वालों को चिह्नित कर निष्पक्ष जांच करनी है। उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति द्वारा मांस की झूठी सूचना दी गई और माहौल खराब किया गया है।

कहा कि उनकी टीम इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच को लेकर पार्टी हाईकमान से संपर्क कर रही है। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र खाती, भाजपा नेता चंदन बिष्ट, सभासद परस गोला, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष यतिन रौतेला, छात्र संघ उपाध्यक्ष मनोज पांडे, छात्र नेता ऋषभ, रोहित, राजेंद्र कुमार मित्तल मौजूद रहें।

वाद-विवाद में कुमाऊं विवि की टीम तीसरे स्थान पर रही

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती के उपलक्ष्य में श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुमाऊं विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व नकुल साह देव और नंदिनी ने किया। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 11,000 का नकद पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रेम चंद्र अग्रवाल रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं में संवाद, तर्कशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता को सशक्त करती हैं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव दिनेश चंद्र सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीएस रावत ने नकुल और नंदिनी को शुभकामनाए देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है और इससे अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। इसके साथ ही कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर प्रो. ललित तिवारी, प्रो. नीलू, प्रो. सुषमा टम्टा, डॉ. दीपिका पंत, प्रो. दीपिका गोस्वामी, डॉ. हिमांशु लोहनी और डॉ. दिव्या पांगती ने भी विजेता टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने राज्य के विकास और युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल ने कुमाऊं विश्वविद्यालय की टीम के तर्कपूर्ण और संतुलित विचारों की सराहना की।

शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग, सीईओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, भीमताल

शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देते ओखलकांडा के जनप्रतिनिधि।

● ब्लॉक प्रमुख ने मुख्य शिक्षा अधिकारी व जिला शिक्षा अधिकारी से की मुलाकात

अमृत विचार: विकासखंड ओखलकांडा में शिक्षकों की कमी के चलते बाधित हो रही शिक्षा के समाधान की मांग को लेकर ब्लॉक प्रमुख ओखलकांडा केडी रुबाली ने जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्य विकास अधिकारी गोविंद राम जयसवाल और जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) हर्ष बहादुर चंद्र से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि ओखलकांडा में शिक्षकों की भारी कमी के चलते छात्र-छात्राओं की शिक्षा बाधित हो रही है। उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को शिक्षकों की तत्काल नियुक्ति किए जाने के संबंध में एक ज्ञापन दिया। ब्लॉक प्रमुख रुबाली ने बताया कि विकासखंड ओखलकांडा के कई विद्यालयों में मानकों के अनुरूप शिक्षक नहीं होने के कारण विद्यार्थी कई विषयों को पढ़ने से वंचित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी के चलते पूरे विद्यालय का भार कुछ ही शिक्षकों के ऊपर है।

शिक्षा अधिकारियों ने व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आश्वासन दिया कि प्राथमिक विद्यालयों में 50 शिक्षकों की नियुक्ति 15 दिसंबर तक कर दी जाएगी, साथ ही जूनियर हाई स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति अन्य स्रोतों के माध्यम से शीघ्र कराई जाएगी। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य मुकेश परगाई, मदन नालियां, जितेंद्र जोशी, दिनेश बिष्ट, पूर्व प्रधान खीम सिंह बिष्ट आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दिल्ली विस्फोट में कड़ी कार्रवाई हो

नैनीताल: उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी क्रांतिकारी मोर्चा ने देश की राजधानी दिल्ली में हुए बम विस्फोटों में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। संगठन के सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। मोर्चा ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इस जघन्य कांड के दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए तथा आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

इस अवसर पर शोक व्यक्त करने वालों में राज्य आंदोलनकारी मोर्चा के जिलाध्यक्ष गणेश सिंह बिष्ट, नगर अध्यक्ष शाकिर अली, डॉ. अखिलेश भट्ट, इंदर सिंह नेगी, कंचन चंदोला, मुकेश कांडपाल, महेश जोशी, मुनीर आलम सिद्दीकी, वीरेंद्र जोशी, मनमोहन सिंह कनवाल, पान सिंह सिजवाली, लीला बोरा, मुकेश जोशी, मंटू और विजय पंत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृतपुर में ग्रामीणों की बैठक का दृश्य। ● अमृत विचार

जमरानी बांध के लिए प्रस्तावित विद्युत लाइन पर ग्रामीणों ने जताया विरोध

भीमताल, अमृत विचार : ग्राम सभा अमृतपुर में ग्राम प्रधान प्रेम शर्मा की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान ने जानकारी दी कि जमरानी बांध निर्माण के लिए 11 केवी और 33 केवी की दो विद्युत लाइनें प्रस्तावित हैं, जिनका निर्माण किया जाना है। बैठक में विभाग द्वारा यह अवगत कराया गया कि इन लाइनों को सड़क के दोनों ओर पोल लगाकर ले जाया जाएगा, जिस पर उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि यदि विद्युत लाइनों को सड़क की केवल एक तरफ एक ही पोल पर दोनों लाइनों को साथ ले जाया जाता है, तो समस्त ग्राम वासियों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को कोई आपत्ति नहीं होगी। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट किया कि यदि विभाग द्वारा जोर-जबरदस्ती की जाती है और उनकी मांग नहीं मानी जाती है, तो वे इसका कड़ा विरोध करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। बैठक में ग्राम प्रधान डेहरा मनोज चनौतियां, क्षेत्र पंचायत अमिया हरिश्चंद्र, ग्राम प्रधान पंकज सिंह, किशोर पांडे, रितेश सक्सेना थे।

बुजुर्ग यात्रियों का दूसरा दल बद्रीनाथ धाम के लिए रवाना

संवाददाता, नैनीताल

मंगलवार को बद्रीनाथ धाम के लिए रवाना होने से पूर्व बुजुर्ग श्रद्धालुओं का दल।

अमृत विचार: दीन दयाल उपाध्याय मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत जनपद नैनीताल से 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग श्रद्धालुओं का द्वितीय दल मंगलवार को बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस दल में कुल 33 तीर्थयात्री शामिल हैं, जिनमें 18 महिलाएं और 15 पुरुष हैं। यात्रा का शुभारंभ पर्यटक आवास गृह सूखाताल से किया गया, जहां यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यात्रा का मार्ग नैनीताल से रानीखेत, कर्णप्रयाग, जोशीमठ होते हुए श्री बद्रीनाथ धाम तक रहेगा। श्रद्धालु चार दिवसीय यात्रा के बाद नैनीताल वापस लौटेंगे। तीर्थयात्रा पर जाने वाले बुजुर्गों ने कहा कि यह योजना उनके लिए जीवन का एक अनमोल अवसर है, क्योंकि आर्थिक स्थिति या उम्र के कारण वे पहले ऐसे दर्शन नहीं कर पाए थे।

पर्यटन विभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि यात्रा के दौरान बुजुर्गों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूरी व्यवस्था की गई है यात्रा में चिकित्सा दल, भोजन, आवास और परिवहन की समुचित तैयारी की गई है। भूपेंद्र क्वीरा आदि मौजूद रहे।

कैंची धाम पहुंचे क्रिकेटर भुवनेश्वर

नैनीताल: भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार मंगलवार को प्रसिद्ध कैंची धाम पहुंचे, जहां उन्होंने नीब करौरी बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर समिति के प्रबंधक प्रदीप साह सहित समिति सदस्यों ने उनका स्वागत किया। भुवनेश्वर कुमार ने बाबा नीब करौरी महाराज की शिला के दर्शन किए। उन्होंने धाम में कुछ समय ध्यान और प्रार्थना में भी बिताया। यहां महेंद्र सिंह बिष्ट और एमपी सिंह सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। भुवनेश्वर कुमार के आगमन से धाम परिसर में श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। कई भक्तों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। बताया जा रहा है कि क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार इन दिनों उत्तराखंड प्रवास पर हैं।

ग्रासलैंड प्रबंधन पर हुआ गहन मंथन

संवाददाता, रामनगर

कार्यशाला के दौरान मौजूद अधिकारी एवं विश्व प्राकृतिक निधि के सदस्य।

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) के डायरेक्टर डॉ. साकेत बडोला के निर्देशन में सोमवार और मंगलवार को दो दिवसीय ग्रासलैंड प्रबंधन (घास भूमि प्रबंधन) को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कॉर्बेट डायरेक्टर ने बताया कि कॉर्बेट वन्यजीव प्रशिक्षण केंद्र, कालागढ़ में वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर के सहयोग से चौड़ प्रबंधन कार्यशाला विषय पर यह आयोजन किया गया। कालागढ़ के एसडीओ बिंदर पाल ने कार्यशाला में आए अतिथियों एवं स्टाफ का स्वागत किया और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में चौड़ प्रबंधन कार्यों पर प्रकाश डाला।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के समन्वयक डॉ. गजानन मुरातकर और डॉ. मिराज अनवर ने ग्रासलैंड के विकास और इसके प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में कालागढ़ रेंज में स्थित वर्कचार्ज चौड़ और कच्चा प्लाट चौड़ में प्रतिभागियों को घास की विभिन्न प्रजातियों, चौड़ में आ रहे खरपतवारों और इसके प्रबंधन पर फील्ड में प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे चरण में, सभी प्रतिभागियों को धारा चौड़, कोठिरौ चौड़ व लालढांग चौड़ का स्थलीय भ्रमण कराया गया। यहां कालागढ़ एसडीओ बिंदर पाल, रेंजर भानु प्रकाश हरबोला, रेंजर नवीन पांडे, रेंजर नंदकिशोर रूबाली, इंद्र सिंह बिष्ट, नवीन पपनै, महेश जोशी, भारत रावत व सुनील कुमार रहे।

अरुणोदय को सर्वोच्च होम स्टे का सम्मान

नैनीताल: राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती कार्यक्रम में भीमताल के जंगलिया गांव स्थित अरुणोदय होम स्टे को राज्य के सर्वोच्च होम स्टे का पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अरुणोदय होम स्टे के संचालक उमंग वासुदेवा को मोमेंटो और 21,000 का चेक देकर सम्मानित किया। यह सम्मान पर्यटन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया। पर्यटन विभाग की जिला स्तर पर चयन प्रक्रिया के बाद अरुणोदय होम स्टे को चुना गया।

सिटी ब्रीफ

टैक्स बार एसोसिएशन ने सीएम से की मुलाकात

हल्द्वानी : टैक्स बार एसोसिएशन हल्द्वानी के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। एसोसिएशन अध्यक्ष एनके जोशी ने सीएम धामी से बार संबंधित मांगों को उठाया। साथ ही व्यापारियों व अधिवक्ताओं की सहूलियत के लिए जरूरी विषयों पर चर्चा की। इस पर सीएम ने आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। यहां एसोसिएशन सचिव हिमांशु कोठारी, पूर्व अध्यक्ष संजय पांडे एवं सुमित गुप्ता तथा विधिक सलाहकार अक्षय अग्रवाल मौजूद रहे।

प्राकृतिक-मानव जनित आपदाओं के प्रभाव व उपायों की दी जानकारी

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज के डीपीआर एवं कॅरियर काउंसलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में "उत्तराखंड में आपदा परिदृश्य : कारण एवं निवारण" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता यूओयू के अर्थ एंड एनवायरमेंटल साइंस के निदेशक और भूगर्भ विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. पीडी पंत रहे। कार्यशाला में डॉ. पीडी पंत ने उत्तराखंड में घटित होने वाली प्राकृतिक आपदाओं भूकंप, भूस्खलन, बादल फटना, फ्लैश फ्लड और मानव जनित आपदाओं के कारण, प्रभाव और निवारण उपायों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपदाओं से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर जागरुकता, पूर्व-तैयारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपदा की परिस्थितियों में व्यावहारिक रूप से कार्य करने की जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यशाला की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने की। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. बीआर पंत ने डीपीआर क्लब की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए किया और मुख्य वक्ता का परिचय दिया। इस मौके पर डीपीआर की प्रभारी डॉ. ममता मिश्रा, तनुजा पोखरिया, कॅरियर काउंसलिंग सेल के संयोजक डॉ. नवल लोहनी, डॉ. जीएस सत्याल, डॉ. पुष्पा पंत, डॉ. ममता अधिकारी सहित कॉलेज के समस्त प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं रहे।

भारत को जानो प्रतियोगिता आज

हल्द्वानी : भारत विकास परिषद की ओर से भारत को जानो प्रतियोगिता आज क्वींस पब्लिक स्कूल दमुवाढूंगा में होगी। सुबह नौ बजे से पंजीयन शुरू होगा। फिर प्रतियोगिता होगी। यह जानकारी काठगोदाम शाखा के सहसचिव व मीडिया संयोजक आलोक सक्सेना ने दी है।

जोधपुरी लहंगा, लांचा से लेकर शेरवानी, इंडो वेस्टर्न, थ्री पीस सूट आदि की है खासी डिमांड, इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में भी उमड़ रही खरीदारों की भीड़

सहालग व सर्दी के साथ बाजार में लौटी गर्माहट, बिक्री बढ़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

ठंड के आते ही बाजार में गर्म कपड़ों की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

बाजार में लगे शेरवानी और कोट।

बिजली की दुकानों में आ गए हीटर।

अमृत विचार : सर्दियों का सीजन और सहालग का दौर शुरू होते ही बाजार में रौनक लौट आई है। शहर के चौक बाजार, मीरा मार्ग, सदर बाजार, मटर गली, पटेल चौक, कारखाना बाजार सहित अन्य जगह स्थित कपड़ों की दुकानों पर इन दिनों बड़ी संख्या में खरीदार पहुंच रहे हैं। खासकर शादी-विवाह के मौसम को लेकर खरीदारी जोरों पर हो रही है।

दुल्हनें अपने खास दिन को यादगार बनाने के लिए नए डिजाइन और लेटेस्ट ट्रेंड के लहंगे, साड़ियां और फैशन ड्रेस की खरीदारी कर रही हैं। इस बार रजवाड़ी सिल्क और वेलवेट लहंगे सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। व्यवसायियों का कहना है कि इस सीजन में रजवाड़ी सिल्क, वेलवेट और जोधपुरी लहंगों की मांग सबसे ज्यादा है। इसके अलावा सर्दियों को ध्यान में रखते हुए महिलाएं गर्म कपड़े खरीद रही हैं। मॉर्डन ड्रेसिंग सेंस को ध्यान में रखते हुए टाइट फिटिंग ट्राउजर और बैगी टॉप, टाइट फिटिंग वाला टॉप और ऊनी स्कर्ट ट्रेंडिंग में चल रहा है। इसके साथ ही ऊनी स्वेटर और जैकेट की खरीदारी भी हो रही है। बाजार में एक आम आदमी के बजट से लेकर महंगी कीमतों पर लहंगे उपलब्ध हैं। इसके साथ ही शरारा-गरारा, प्लाजो सेट और स्कर्ट-टॉप की बिक्री भी हो रही है।

वहीं, वधू पक्ष की महिलाएं गोटा वर्क और प्रिंटिंग वाली सिल्क साड़ियों को खास पसंद कर रही हैं। सिर्फ महिलाएं ही नहीं, बल्कि युवा वर्ग भी फैशन की दौड़ में पीछे नहीं है। युवाओं में भी इंडो वेस्टर्न, थ्री पीस सूट, 4 पॉकेट ब्लेजर का ट्रेंड खूब चलन में है। कारोबारियों का कहना है कि सहालग का यह सीजन इस बार बेहतर रहने की उम्मीद है। बताया कि दिवाली के बाद शुरू हुई ग्राहकों की भीड़ से बाजारों में चहल-पहल शुरू हुई थी, जिसमें बरसात के दौरान ठंडे पड़े बाजार में सहालग और सर्दी के चलते फिर से गर्माहट आई है। इधर, इलेक्ट्रॉनिक बाजार की बात करें तो सर्दियों का सीजन शुरू होते ही ऑयल हीटर की मांग बढ़ने लगी है। इसके अलावा रूम हीटर, ब्लोअर और गीजर आदि की खरीदारी करने ग्राहक बाजार में पहुंच रहे हैं। कारोबारियों ने ठंड बढ़ने पर इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है।

सहालग सीजन के साथ ही सर्दियों को लेकर ग्राहक खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं। महिलाएं लहंगा, लांचा, साड़ी के साथ ही सूट, कुर्ती प्लाजो, फैंसी सूट आदि की बढ़-चढ़कर खरीदारी कर रहे हैं। आने वाले दिनों में अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। -**विशाल ठाकुर**, व्यापारी

शादियों के सीजन में शेरवानी के साथ ही ब्लेजर, इंडो वेस्टर्न, सूट, थ्री पीस, कुर्ता-पायजामा और चिकन कुर्ता की बिक्री हो रही है। दिवाली के बाद बाजार में रौनक लौटी थी, जिसमें सहालग और सर्दी के सीजन के बाद और बढ़ोत्तरी हो रही है। - **कुलदीप सक्सेना**, व्यापारी

बाजार में खरीदारी करने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक है। सीजन शुरू होते ही बाजार में रौनक लौटी है और अच्छा कारोबार हो रहा है। आने वाले दिनों में लहंगे, लांचा, लेडीज सूट आदि की बिक्री और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। जिससे कारोबारियों को राहत मिलेगी। -**आशीष जैन**, व्यापारी

सर्दियों का सीजन शुरू होते ही ऑयल हीटर, रूम हीटर, ब्लोअर और गीजर की मांग बढ़ चुकी है। ग्राहक खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं, जहां सर्दियों के लि इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीद रहे हैं। गैस गीजर भी लोगों को पसंद आ रहा है। - **अमित दुआ**, इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापारी, मटर गली

ठंड के साथ बढ़ी बीमारियां, अस्पतालों में भीड़

अस्पतालों में वायरल बुखार और खांसी से लोग बेहाल, छोटे बच्चों में तेजी से फैल रहा वायरल का संक्रमण

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बदलते मौसम ने लोगों के स्वास्थ्य पर गहरा असर डालना शुरू कर दिया है। शहर के सरकारी और निजी अस्पताल वायरल बुखार, खांसी और गले के दर्द से परेशान मरीज अस्पताल पहुंच रहे । पिछले एक सप्ताह से ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव साफ देखा जा सकता है। तापमान में हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है।

सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में रोजाना एक हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। सोमवार को अस्पताल की ओपीडी में रिकॉर्ड 1336 मरीज दर्ज किए गए, जिनमें सबसे अधिक संख्या वायरल, तेज बुखार, खांसी और गले के दर्द के मरीजों की थी। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र भट्ट ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण वायरल के मरीजों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। गंभीर रूप से तेज बुखार वाले कुछ मरीजों को अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ रहा है। डॉ. भट्ट ने बताया कि बदलता मौसम लोगों को बीमार कर रहा है। वहीं बेस अस्पताल में दवा काउंटर पर भी बुखार और वायरल की दवाओं के लिए लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

बेस अस्पताल में मरीजों को देखते वरिष्ठ फिजिशियन जितेंद्र भट्ट।

01 हजार से अधिक मरीज पहुंच रहे रोजाना बेस अस्पताल

बच्चों में भी तेजी से फैल रहा संक्रमण

बड़ों के साथ-साथ बच्चे भी इस बदलते मौसम की चपेट में आ रहे हैं। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएस भट्ट ने बताया कि प्रतिदिन ओपीडी में सौ से अधिक बीमार बच्चे पहुंच रहे हैं। बदलते मौसम में छोटे बच्चों में वायरल फीवर तेजी से फैल रहा है, जिसके चलते अभिभावकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

चिकित्सकों की सलाह: इन बातों का रखें ध्यान

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएस भट्ट ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सावधानी बरतें और अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएं। संक्रमण से बचाव के लिए सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है, डॉ. भट्ट का ने बताया कि दो दिन से अधिक बुखार रहने पर तत्काल डॉक्टर से परामर्श लें। साथ ही फास्ट फूड का सेवन बिल्कुल न करें। गले में दर्द होने पर गुनगुने पानी का नियमित रूप से सेवन करें। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए हेल्दी और संतुलित भोजन का सेवन करें, साथ ही पर्याप्त नींद लें और शरीर को आराम दें। साथ ही कि बिना डॉक्टर की सलाह के दवा लेना हानिकारक हो सकता है।

बेस अस्पताल की ओपीडी का आकड़ा

दिन	मरीज संख्या
सोमवार	1283
मंगलवार	1174
गुरुवार	1202
शुक्रवार	1020
शनिवार	1071
सोमवार	1336

बच्चे को देखते वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सीएस भट्ट।

क्रियाशाला की कार्यकारिणी भंग, तहसीलदार रिसीवर बने

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- विपिन चंद्र बिष्ट व पांच अन्य सदस्यों ने पिछले वर्ष हुए चुनाव में लगाए थे धांधली के आरोप

अमृत विचार : क्रियाशाला सेवा समिति मुखानी में कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर हुए विवाद के बाद एसडीएम ने समिति की वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। हल्द्वानी तहसीलदार को समिति का रिसीवर नियुक्त किया है। साथ ही एक माह के भीतर कार्यकारिणी के चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं।

विपिन चंद्र बिष्ट निवासी शिव-पार्वती विहार तल्ली बमौरी व अन्य पांच सदस्यों ने उप निबंधक फर्म्स सोसायटीज एवं चिट्स के यहां शिकायती पत्र सौंप कर आरोप लगाया कि समिति के 23 फरवरी 2024 को हुए द्विवार्षिक चुनाव में धांधली की गई। इन आरोपों के बाद चुनाव प्रक्रिया में विवाद हो गया। सोसायटी ने उक्त प्रकरण को एसडीएम कोर्ट में हस्तांतरित कर दिया। एसडीएम राहुल शाह ने फर्म्स एवं सोसायटीज के उपनिबंधक, दोनों पक्षों की सुनवाई की। पाया कि नियमानुसार आम सभा वर्ष में दो बार व विशेष बैठक प्रबंधक कार्यकारिणी के दो तिहाई सदस्यों के अनुमोदन पर कभी भी बुलाई जा सकती है। साधारण सभा में दो तिहाई से पूरा हो जाएगा। इसकी सूचना पांच दिन व विशेष बैठक की सूचना एक दिन पूर्व दी जानी चाहिए। साधारण सभा के विशेष वार्षिक अधिवेशन में प्रबंध कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों के चुनाव बहुमत के आधार पर होगा। प्रबंध कार्यकारिणी 11 सदस्यों की होनी चाहिए। चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद इसकी सूचना क्षेत्रीय निबंधक कार्यालय को देनी चाहिए। इन नियमों का कोई भी साक्ष्य में एसडीएम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रस्तुत नहीं किया गया।

सभी दलीलों व पक्षों को सुनने के बाद एसडीएम ने 23 फरवरी 2024 को हुए चुनाव के बाद बनी प्रबंध कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया और चुनाव प्रक्रिया को निरस्त कर दिया। तहसीलदार को नई कार्यकारिणी के चुनाव के लिए विशेष/वार्षिक अधिवेशन की सूचना एक माह में जारी करने के निर्देश दिए।

शीशमहल में मंदिर के निर्माण के लिए चेक सौंपते समिति के लोग। ● अमृत विचार

26 नवंबर से होगा शीशमहल शिव मंदिर का निर्माण

हल्द्वानी, अमृत विचार : कई सालों से निर्माण की राह देख रहा शीशमहल रामलीला मैदान के पास स्थित शिव मंदिर का पुनर्निर्माण 26 नवंबर से शुरू होगा। इसके निर्माण की जिम्मेदारी युवा समजिक एवं सास्कृतिक समिति शीशमहल ने ली है। इसके लिए दान दाताओ ने मंगलवार को चंदे के रूप में चेक रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों को सौपा। मंदिर निर्माण के कार्यों को लेकर पदाधिकारियों ने बैठक कर सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी देकर मंदिर निर्माण को पूरा करने की अपील की। बैठक में 33 सदस्यों में से 27 सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार तिवारी, मुख्य व्यवस्थापक गिरीश चंद तिवारी, सचिव विक्रम डंगवाल, उपाध्यक्ष दिनेश फुलारा, कोषाध्यक्ष मनोज तिवारी, सदस्य ईश्वरी दत्त तिवारी मौजूद रहे।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

संवाददाता, हल्द्वानी

बागजाला में मांगों को लेकर धरना देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बागजाला गांव को राजस्व गांव का दर्जा देने और ग्रामीणों को मालिकाना हक दिए जाने की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन मंगलवार को 86वें दिन भी जारी रहा। गांव के निवासियों ने अपनी 8 प्रमुख मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

मांगों में मालिकाना हक देना, बागजाला को राजस्व गांव घोषित करना, निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाना, बिजली-पानी के नए कनेक्शनों पर लगी रोक हटाना, गांव को पंचायत चुनावों में सम्मिलित करना, बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से बेदखल करने वाली अमानवीय रोक को हटाने की मांग शामिल है। मंगलवार को प्रदर्शन को समर्थन देने पहुंचे अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द सिंह नेगी ने ग्रामीणों की शक्ति को सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन वन भूमि, नजूल और सरकारी जमीनों पर जीवन यापन कर रहे किसान-मजदूरों का भी है। नेगी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं करती है, तो आंदोलन के 100 दिन पूरे होने पर अखिल भारतीय किसान महासभा ग्रामीणों को लेकर प्रशासनिक इकाइयों पर ''''डेरा डालो, घेरा डालो'''' कार्यक्रम के साथ आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने सरकार से जनहित में जल्द से जल्द समाधान करने की अपील की। धरना प्रदर्शन में आनन्द सिंह नेगी, हरी गिरी, भगवती गोस्वामी, दौलत सिंह, वेद प्रकाश, हामिद, मीना भट्ट, हेमा देवी आदि रहे।

हल्द्वानी में 15 से होगी राष्ट्रीय योग चैंपियनशिप

संवाददाता, हल्द्वानी

- देशभर से पहुंचेंगे योग विशेषज्ञ करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन

अमृत विचार: शांति योगधाम व फिटनस जोन की ओर से राष्ट्रीय योग चैंपियनशिप का आयोजन 15 व 16 नवम्बर को ऊंचापुल में किया जाएगा। यह आयोजन उत्तराखण्ड स्थापना माह के पावन अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य योग, संस्कृति व स्वास्थ्य को जोड़ते हुए समाज में अनुशासन व जागरूकता का संदेश देना है।

इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागी पारंपरिक, आर्टिस्टिक व रिदमिक योग की विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 1.35 हजार के नगद पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि सभी प्रतिभागियों को पदक व प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। 15 नवम्बर की शाम को उत्तराखण्ड संस्कृति संध्या एवं आभार समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उत्तराखण्ड की समृद्ध परंपराओं, लोक नृत्य और लोक संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। इस अवसर पर उत्तराखण्ड की संस्कृति, समाज सेवा और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 10 व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

नई पेयजल लाइन का सफल परीक्षण

हल्द्वानी, अमृत विचार : पेयजल आपूर्ति को सुचारु बनाने के उद्देश्य से यूयूएसडीए की ओर से बिछाई जा रही नई पेयजल लाइन का वार्ड 43 के सत्या विहार क्षेत्र में सफल परीक्षण किया। इस नई लाइन से लगभग 1 हजार की आबादी को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी।

सत्या विहार क्षेत्र में लगभग 45 किलोमीटर लंबा नया पेयजल नेटवर्क बिछाया गया है, जिससे सभी घरों को जोड़ा गया है और परीक्षण के दौरान आपूर्ति सफल रही। यूयूएसडीए की ओर से शीघ्र ही वार्ड 34, 39, 41 और 55 में भी पेयजल आपूर्ति शुरू करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस दौरान सहायक अभियंता देवेंद्र प्रसाद गोनियाल, मनोज बर्गली, कनिष्ठ अभियंता अंकुश खेड़ा और कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खेल-खिलाड़ी

हल्द्वानी कोल्ट्स क्लब के मैदान में अंडर-14 स्वर्गीय पूरन चन्द्र बलूटिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट जारी

देवांश के शतक से एकलव्य अकादमी ने ड्रॉ किया मैच

संवाददाता, हल्द्वानी

विजेता टीम के खिलाड़ी पुरस्कार प्रदान करतीं अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचारः हल्द्वानी कोल्ट्स क्लब के मैदान में कराई जा रही अंडर-14 स्वर्गीय पूरन चन्द्र बलूटिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के नवें मैच में एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

पहले दिन अपनी पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए एकलव्य क्रिकेट अकादमी की टीम 162 रनों पर आल आउट हो गयी। गजेंद्र ने 71, भावेश ने 33, और सार्थक ने 24 रनों का योगदान दिया। जीएनजी क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज आराध्य रावत ने 5, वेदांत और नितिन ने 2-2 विकेट लिए। जीएनजी क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम अपनी पहली पारी में 128 रनों पर आल आउट हो गई। ईशान जोशी ने 37, कृष्णम पाण्डे ने 20 और आदित्य ने 17 रनों का योगदान दिया। एकलव्य क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज विवेक, देवांश, लव और विभाकर ने 2-2 विकेट लिए।

एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने अपनी दूसरी पारी में देवांश के 129, विवेक के 64, और गजेंद्र के 63 रनों की मदद से 285 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। जीएनजी क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज वेदांत ने 3 और तनय ने 2 विकेट लिए। अपनी दूसरी पारी में 319 रनों का लक्ष्य पूरा करने उतरी जीएनजी क्रिकेट अकादमी की टीम विहान बवारी के 71, ईशान जोशी के 57 और प्रज्वल के 40 रनों बदौलत 199 रन बनाकर मैच ड्रा कराने में सफल रही। ड्रा मैच से दोनों टीमों को बराबर अंक से संतोष करना पड़ा । एकलव्य क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज देवांश और विभाकर ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उत्तराखंड सीनियर महिला टीम की खिलाडी दिव्या बोहरा ने एकलव्य क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी देवांश को दिया गया।

मैच के अंपायर गौरव नेगी और हरप्रीत सिंह कम्बोज रहे जबकि स्कोरर की भूमिका रवि सिंह ने निभाई। इससे पूर्व मैच का उद्घाटन वरिष्ठ क्रिकेटर और अधिवक्ता सचिन बेलवाल ने दोनों ही टीमों से परिचय प्राप्त कर किया। इस मौके पर नीरज बलूटिया, आनंद बिष्ट, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट,नरेंद्र अधिकारी,पंकज गुरुरानी, योगेश चौहान ,संजय चौधरी , विक्रम बोरा, धर्मेंद्र पाल , प्रशांत भंडारी, विजय आर्या,सोनू आर्या, प्रकाश भगत आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आयोजक सचिव निश्चल जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता का अगला मैच आज (गुरुवार) से डीके स्पोर्ट्स अकादमी और काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी के बीच सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा।

गढ़-कुमु महोत्सव की तैयारी जोरों पर

लालकुआं: बिंदुखत्ता में झांझर सांस्कृतिक कला समिति द्वारा आगामी 21 से 25 दिसंबर तक प्रस्तावित गढ़ कुमु महोत्सव की तैयारियां जोर-जोर से चल रही है, जिसमें कुमाऊं और गढ़वाल के प्रसिद्ध गायक कलाकार शिरकत करेंगे।

कार्यक्रम के संयोजक कुमाऊं के लोक गायक जीवन पांडे ने बताया कि झांझर सांस्कृतिक कला समिति द्वारा हाटकालिका इंटर कॉलेज बिंदुखत्ता में 21 दिसंबर से 25 तक गढ़-कुमु महोत्सव का भव्य आयोजन करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें कुमाऊं एवं गढ़वाल के प्रसिद्ध लोक कलाकार आमंत्रित हैं। बताया कि कार्यक्रम में शगुन आख़र, जागर घटेली, झोंड़ा चाचरी, छोलिया, और बैर भागनोल सहित कई पर्वतीय रीति रिवाज एवं परंपराओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

जल्द मिलेगी मोरा गांव को सड़क की सौगात

फॉलोअप

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः विकास के दावों के बीच, शहर से महज 10 किमी दूर स्थित मोरा गांव, जहां वर्षों से सड़क एक सपना था, अब वहां उम्मीद की एक नई किरण जगी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस सड़क के निर्माण का रास्ता साफ होता दिख रहा है।

करीब 500 की आबादी वाला मोरा गांव के 40 परिवार आज भी सड़क सुविधा व अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। बीमारों को अस्पताल पहुंचाना, गर्भवती महिलाओं की आपात स्थिति और किसानों के उत्पादों को मंडी तक ले जाना यहां के लोगों का दैनिक संघर्ष है। पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता एचएन कापड़ी ने बताया कि मोरा गांव की सड़क का सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में सड़क निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का गठन किया जा रहा है। मोरा गांव की सड़क का सर्वे पूरा हो चुका है और डीपीआर गठन का कार्य चल रहा है। गांव वालों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की संभावना बढ़ गई है। सड़क बनने से न सिर्फ आवाजाही आसान होगी, बल्कि आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं भी समय पर उपलब्ध हो पाएंगी और मोरा गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 12 नवंबर 2025

रुद्रपुर

बाजपुर के चार गन्ना सेंटरों को सितारगंज से जोड़ने से आक्रोश

भारतीय किसान यूनियन ने कड़ा विरोध करने का लिया निर्णय, किसानों ने चेतावनी दी -जो सेंटर सितारगंज दिया जा रहा है उसे चलने नहीं दिया जाएगा

बाजपुर में बैठक कर नाराजगी जताते किसान। ● अमृत विचार

संभागीय खाद्य नियंत्रक से वार्ता करते प्रतिनिधिमंडल में शामिल बाजपुर के किसान।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सहकारिता क्षेत्र की प्रथम चीनी मिल बाजपुर के चार गन्ना सेंटरों को सितारगंज से जोड़ने के निर्णय से किसानों में गहरा रोष है। किसानों का कहना है कि इस कदम के पीछे बाजपुर चीनी मिल को धीरे-धीरे कमजोर कर निजी हाथों में सौंपने की साजिश दिखाई दे रही है। उन्होंने किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देने की बात कही है।

मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा के रामराज रोड स्थित फार्म हाउस में संगठन से जुड़े किसानों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से इस निर्णय का कड़ा विरोध किया गया। इस मौके पर कर्म सिंह पड्डा ने चेतावनी दी कि जो सेंटर सितारगंज दिया जा रहा है किसान नहीं चलने देंगे और जो भी इन कांटों का संचालन करने आएगा उसे भगा देंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह रंधावा ने कहा कि यह बड़ा गंभीर विषय है कि बाजपुर चीनी मिल को प्राइवेट हाथों में देने का एक प्रयास और किया जा रहा है। इस बार गूलरभोज, केलाखेड़ा, महेशपुरा, धानपुर बी आदि सेंटरों को करीब 100 किलोमीटर दूर सितारगंज की फैक्ट्री को दे दिया है। बैठक में भाकियू ने जल्द ही प्रशासन और चीनी मिल प्रबंधन से वार्ता कर निर्णय बदलने की मांग रखने की बात कही है। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह रंधावा, ब्लाक अध्यक्ष प्रताप सिंह संधू, किसान सेवक हरेंद्र हुड्डा, सतवंत सिंह पड्डा आदि मौजूद रहे।

धान खरीद केंद्रों की पोर्टल लिमिट बढ़ाने की मांग

बाजपुर : बाजपुर धान खरीद केंद्रों की पोर्टल लिमिट बढ़ाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन से जुड़े किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को संभागीय खाद्य नियंत्रक, कुमाऊं मंडल हल्द्वानी (आरएफसी) चंद्र सिंह मर्तोलिया से मुलाकात कर उन्हें मांगपत्र सौंपा। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल किसानों ने कहा कि बाजपुर के धान खरीद केंद्रों पर हर वर्ष लगभग 1.5 लाख क्विंटल धान की खरीद होती रही है, लेकिन इस वर्ष के लिए मात्र 30 हजार क्विंटल की पोर्टल लिमिट जारी की गई, जो अब समाप्ति पर है। मांगपत्र में बताया गया कि करीब 50 हजार क्विंटल धान की आमद की संभावना है। वहीं उच्चाधिकारियों, आरएमओ, केंद्र प्रभारी और किसानों की वार्ता के बाद 25 हजार क्विंटल धान मिलों को भेजा जा चुका है, जिसका समायोजन भी पोर्टल पर किया जाना जरूरी है। वर्तमान स्थिति में पोर्टल लिमिट अपर्याप्त साबित हो रही है। मांगपत्र में उन्होंने केंद्र के प्रथम, द्वितीय और तृतीय कांटों के लिए लगभग 60 हजार क्विंटल की अतिरिक्त पोर्टल लिमिट तत्काल प्रभाव से बढ़ाने की मांग की है, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। प्रतिनिधिमंडल में भाकियू के प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा, ब्लाक अध्यक्ष प्रताप सिंह संधू, हरेंद्र हुड्डा, बल्देव सिंह बड़ैच आदि शामिल रहे।

आरएमओ ने किया धान क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण

संवाददाता, किच्छा

किच्छा में किसानों से वार्ता करती आरएमओ लता मिश्रा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धान तोल केंद्रों पर धान खरीद की लिमिट बढ़ाए जाने की लगातार उठ रही मांग के बाद कुमाऊं मंडल की आरएमओ लता मिश्रा द्वारा नगर क्षेत्र के कई धान क्रय केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान मौके पर मौजूद किसानों ने आरएमओ को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए जल्द समाधान की मांग की।

कुमाऊं मंडल आरएमओ लता मिश्रा एवं एसडीएम गौरव पांडे ने नवीन मंडी स्थित क्रय केंद्रों एवं ग्राम दरऊ के धान क्रय केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। क्रय केंद्र पर मौजूद किसानों ने आरोप लगाया कि कई दिन बीतने के बाद भी किसानों का धान नहीं तुल पाया है तथा कई तरह केंद्रों पर खरीद की लिमिट समाप्त होने के चलते छोटे किसान धान तुलाई से वंचित रह गए हैं। मंडी में निरीक्षण के बाद आरएमओ मिश्रा ने ग्राम दरऊ स्थित तोल केंद्र पर पहुंचकर निरीक्षण किया और विगत दिवस ग्राम निवासी किसान द्वारा धान की ढेर में आग लगाने के प्रकरण का संज्ञान लेकर तोल केंद्र पर पड़े सभी धान को तोलने के केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर पड़े धान के अलावा अब कोई भी धान का ढेर केंद्र पर नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर निर्देशों की अवहेलना कर किसी व्यक्ति द्वारा तोल केंद्र पर जबरन धान डालने का प्रयास किया गया तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। आरएमओ लता मिश्रा ने खरीद की लिमिट बढ़ाते हुए किच्छा मंडी में खुले में पड़े करीब 10 हजार कुंतल धान को तोलने के निर्देश दिए। मौके पर एसडीएम गौरव पांडे, मार्केटिंग इंस्पेक्टर ज्योति बोरा, क्रय विक्रय समिति प्रभारी नवल किशोर शर्मा, विपणन अधिकारी ओम नारायण मिश्रा, संतोख सिंह मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

कर्मचारी को बंधक बनाकर पीटने का वीडियो वायरल

किच्छा : किच्छा कोतवाली क्षेत्र के लालपुर में एक मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। लालपुर स्थित शिव टेंट हाउस के मालिक दीपक कुमार ने अपने कर्मचारी गुरप्रीत सिंह को खंभे से बांधकर अर्धनग्न किया और खुलेआम बेल्ट से बुरी तरह पीटा। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पीड़ित युवक बार-बार गुहार लगाता नजर आ रहा है। पीड़ित की मां जसवंत कौर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी टेंट हाउस स्वामी के खिलाफ मारपीट और धमकी देने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बाइकों की भिड़ंत में युवक गंभीर रूप से घायल

बाजपुर : नैनीताल स्टेट हाईवे पर बाइकों की भिड़ंत हो गई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्राम हरिपुरा निवासी उत्तम सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका पुत्र मंजीत सिंह अपनी ड्यूटी करने के लिए बाइक से बाजपुर जा रहा था। आरोप है कि इसी बीच नैनीताल-बाजपुर मुख्यमार्ग पर नई सड़क बरहैनी के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने गलत दिशा की ओर से बाइक लाकर मंजीत सिंह की बाइक में टक्कर मार दी जिससे मंजीत गंभीर घायल हो गया।

चाकू लेकर घूम रहे युवक को पकड़ा

सितारगंज : सिडकुल क्षेत्र में चोरी करने के इरादे से चाकू लिए घूम रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया है। सोमवार को जहानाबाद, पीलीभीत निवासी आकाश (21) को पुलिस ने बालाजी कंपनी के स्टॉक के पास से एक अवैध रामपुरी चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है। नशे की पूर्ति करने के लिए छोटी-मोटी चोरियां करता है। बचाव के लिए चाकू पास रखा था। पुलिस उच्च न्यायालय में पेश करने की कार्यवाही कर रही है।

57 उम्मीदवारों ने खरीदे नामांकन फार्म

काशीपुर : विकास खंड में रिक्त पड़े 77 वार्ड सदस्य सीटों के लिए मंगलवार को 57 उम्मीदवारों ने नामांकन फार्म खरीदे हैं। 13 और 14 नवंबर को नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। खंड विकास अधिकारी कमल किशोर पांडे ने बताया कि पंचायत चुनाव के दौरान काशीपुर में 77 वार्ड सदस्यों के पद खाली रह गए थे। इस कारण निर्वाचित प्रधानों को उनके बस्ते नहीं मिल पाए हैं। मंगलवार को तीनों न्याय पंचायत खड़कपुर देवीपुरा, कुंडेश्वरी, बांसखेड़ा खुर्द में वार्ड सदस्य सीट के लिए 57 नामांकन पत्र बिके। बुधवार को भी नामांकन पत्र बिकेंगे।

शार्ट सर्किट से ढाई एकड़ गन्ने की फसल में लगी आग

सितारगंज : ग्राम रसोईयापुर में शार्ट सर्किट से दो किसानों की करीब ढाई एकड़ गन्ने की फसल में आग लग गई। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर से खेत जोतकर किसी तरह आग पर काबू पाया। मंगलवार की दोपहर गांव रसोईयापुर में गन्ने के खेत में अचानक आग लग गई। ग्राम प्रधान हरेंद्र सिंह ने बताया कि बिजली के तार टकराने से निकली चिंगारी से गन्ने के खेत में आग लग गई। जिसमें उसकी और शरदूल सिंह के सवा-सवा एकड़ में लगी गन्ने की फसल जल कर राख हो गई। किसानों ने ग्रामीणों की मदद से खेत जोतकर आग को फैलने से रोका। लेकिन तब तक ढाई एकड़ फसल जल चुकी थी।

रासलीला में हुए झगड़े के मामले में आरोपी दबोचा

दिनेशपुर : थाना गदरपुर क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर नंबर-एक में 7 नवंबर को रासलीला देखने के दौरान हुए झगड़े के मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वादिनी शिवानी मिस्त्री ने 10 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गांव के कन्हई उर्फ राकेश और अर्जुन उर्फ छोटू ने उनके बेटे के सिर पर जान से मारने की नीयत से वार कर घायल किया।

सितारगंज में प्रधान को सम्मानित करते एसडीएम। ● अमृत विचार

सर्वाधिक विवाह पंजीकरण कराने वाले गांव सम्मानित

सितारगंज : एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने यूसीसी के तहत सर्वाधिक विवाह पंजीकरण करने वाले 16 गांवों को सम्मानित किया है। मंगलवार को तहसील परिसर में पंचायती राज विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सर्वाधिक विवाह पंजीकरण कराने वाले गांव के प्रधानों और ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एडीओ (पंचायत) केसी बहुगुणा ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायतों को 2010 के बाद हुए विवाह के पंजीकरण कराने का लक्ष्य दिया गया था। इसमें सितारगंज के कुल 76 ग्राम पंचायत में से 16 ग्राम पंचायत अग्रणी रहें। जिन्हें एसडीएम ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले गांवों में सितारगंज के गांव सिसौना, पंडरी, नकुलिया, गोठा, कल्याणपुर प्रथम, गौरीखेड़ा, बिडौरा, डोहरा, पिपलिया पिस्तौर, सुनखरीकलां, खमरिया, बलखेड़ा, सिद्धानवदिया, सरकड़ा, सिसैया, नगला शामिल हैं।

आज से प्रारंभ होगा गन्ना पेराई सत्र

संवाददाता, रुद्रपुर

अधीनस्थों के साथ बैठक करते डीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने कहा कि चीनी मिलों में गन्ना पेराई सत्र 12 नवंबर से प्रारंभ हो जाएगा। इससे पहले संबंधित विभाग अपनी तैयारी पूर्ण कर लें। उन्होंने हिदायत दी कि घटतौली की शिकायत मिलने पर संबंधित कर्मी के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी की जाएगी।

मंगलवार को बैठक के दौरान डीएम ने बताया कि नादेही चीनी मिल में बुधवार से पेराई सत्र प्रारंभ होगा। 16 नवंबर से किच्छा चीनी मिल और 17 नवंबर को बाजपुर चीनी मिल में पेराई प्रारंभ होगी। डीएम ने सभी अधिशासी निदेशकों को गन्ना पेराई के लिए चीनी मिलों में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का आदेश दिया। बताया कि सभी क्रय केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो। इसके लिए क्रय केंद्रों पर शिकायत निवारण डेस्क भी बनायी जाए। डीएम ने आदेश दिया कि केंद्रों पर घटतौली की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच और कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। इसके अलावा सभी एसडीएम नियमित औचक निरीक्षण कर निगरानी भी करेंगे। आदेश दिया कि ठंड होने पर केंद्रों पर अलाव की समुचित व्यवस्था भी होनी चाहिए। इस मौके पर सीडीओ दिवेश शाशनी, आयुक्त गन्ना टीएस मर्तोलिया, अधिशासी निदेशक सीएम इम लाल ,एपी बाजपेई, डॉ अमृता शर्मा, सहायक आयुक्त गन्ना शैलेंद्र सिंह, एआरटीओ संदीप वर्मा, नवीन सिंह आदि मौजूद रहे।

923 ग्राम पंचायत चुनाव की अधिसूचना हुई जारी

संवाददाता, रुद्रपुर

- डीएम ने जारी किया उपचुनाव का रोस्टर, 13 नवंबर से निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ

अमृत विचार : जिले के सात ब्लॉक में होने वाले ग्राम पंचायत चुनाव की अधिसूचना जिला प्रशासन ने जारी कर दी है। जिलाधिकारी ने उप चुनाव को लेकर रोस्टर भी जारी कर दिया है।

निकाय चुनाव होने के बाद जिले के सात ब्लॉक में 923 रिक्त पदों पर उपचुनाव होना था। जिसको लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन जारी होने के बाद डीएम नितिन भदौरिया ने चुनाव प्रक्रिया की अधिसूचना पत्र जारी कर दिया और बताया कि 13 नवंबर से 14 नवंबर की सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक नाम निर्देशन पत्र जमा किए जाएंगे। इसी प्रकार 15 नवंबर की सुबह दस बजे कार्य समाप्ति तक क्रय निर्देशन पत्रों की जांच, 16 नवंबर को सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक नाम वापस प्रक्रिया और तीन बजे के बाद से चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। 20 नवंबर की सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान प्रक्रिया और 22 नवंबर की सुबह आठ बजे मतगणना प्रारंभ होगी। बताया कि सभी निर्वाचन संबंधित कार्य क्षेत्र पंचायत मुख्यालय पर होंगे। निर्देशन पत्रों की बिक्री खंड विकास कार्यालयों से 11 नवंबर से 14 नवंबर दोपहर तीन बजे होगी।

पटेल की जयंती पर पदयात्रा के लिए दायित्व सौंपे

- 13 को मेलाघाट और 20 को श्रीपुर बिछुआ से निकलेगी पदयात्रा

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में भाजपा की बैठक में पदयात्राओं पर विचार विमर्श करते कार्यकर्ता।

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक में सरदार बल्लभ भाई पटेल के 150वें जयंती वर्ष के अवसर पर निकाली जाने वाली पदयात्राओं और बिरसा मुंडा जयंती समारोह को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और दायित्व सौंपे गए।

लोनिवि में पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पद यात्राओं पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष अमित कुमार पांडे ने बताया कि पदयात्रा के प्रथम चरण में 13 नवंबर को मेलाघाट से झनकईया तक पदयात्रा निकाली जाएगी। जिसके लिए संसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा और प्रकाश आर्य को समन्वयक बनाया गया है। जबकि दूसरे चरण में पद यात्रा 20 नवंबर को श्रीपुर बिछुआ से बगियाघाट तक निकाली जाएगी। जिसके लिए चंद्रशेखर मुंडेला और सतीश भट्ट को समन्वयक बनाया गया है। बैठक में 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती पर आयोजित कार्यक्रम पर भी चर्चा की गई। संचालन नगर महामंत्री विवेक रस्तोगी ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री रमेश जोशी, चंपावत जिला सह प्रभारी हिमांशु बिष्ट, जिला मंत्री गोविंद मेहता, मनोज शाही, गंगा सिंह, राम समूझ , प्रियांशु बंसल, संतोष गौरव, राहुल सक्सेना, किशन चंद, रोहन चंद, ईश्वरी दत्त आदि मौजूद रहे।

जयंती पर निकाली जाएगी पदयात्रा

काशीपुर : सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूरे प्रदेश में भाजपा की ओर से पद यात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारी के लिए भाजपा जिला कार्यालय में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष विनय कुमार रूहेला ने एक बैठक की। भाजपा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष विनय कुमार रूहेला ने कहा कि 16 नवंबर से प्रदेश में पद यात्रा शुरू होंगी। यात्राएं एक मंडल से दूसरे मंडल में जुड़ती जाएंगी। पूरे प्रदेश में यात्रा निकाली जानी है। इस यात्रा में भाजपा के सदस्यों के अलावा अन्य प्रबुद्धजन भी शामिल हों। कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को यात्रा में शामिल करना है। यात्रा का स्वरूप बड़ा होना चाहिए।

केबीसी की हॉट सीट पर बैठने वाली मीनल उप्रेती का स्वागत

- लिटिल किंगडम स्कूल की रह चुकी है छात्रा

संवाददाता, रुद्रपुर

केबीसी की प्रतिभागी मीनल को स्मृति चिन्ह देते स्कूल प्रबंधन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर बैठने वाली मीनल उप्रेती का शहर आगमन पर जोरदार स्वागत हुआ। जहां विद्यालय प्रबंधन ने भी सम्मान समारोह का आयोजन किया और मेधावी छात्रा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

रुद्रपुर की रहने वाली मीनल उप्रेती का चयन कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट के लिए हुआ और सदी के नायक अमिताभ बच्चन द्वारा पूछे गए सवालों को बुद्धिमता से जवाब भी दिया। जिसके आधार पर मीनल ने पांच लाख रुपये जीते। मंगलवार की सुबह रुद्रपुर आगमन पर मनील का लिटिल किंगडम स्कूल में जोरदार स्वागत हुआ और विद्यालय प्रबंधन ने स्मृति चिन्ह देकर स्वागत भी किया। इस दौरान विद्यालय की प्रशासिका परविंदर पुरी, प्रधानाचार्य गायत्री खन्ना, उपप्रधानाचार्य सिमरनपुरी, संचालक लक्ष्य शर्मा ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गदरपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक अरविंद पांडे। ● अमृत विचार

भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा

गदरपुर : भारतीय जनता पार्टी का महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेत्री अंजू भुड्डी के संयोजन में भारतीय जनता पार्टी का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडेय ने "आत्मनिर्भर भारत" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। कार्यक्रम में रुद्रपुर के मेयर विकास शर्मा ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी भूमिका मजबूती से निभा रही हैं और समाज के विकास में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन चंद्रिका फौगाट ने किया।

खराब सड़कों पर नाराज हुए बेहड़

संवाददाता, किच्छा

किच्छा में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते विधायक बेहड़।

अमृत विचार: विधायक तिलक राज बेहड़ ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने विधानसभा क्षेत्र की विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

विधायक ने राज्य योजना के तहत बनी ग्रामीण सड़कों की बेहद खराब गुणवत्ता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गुणवत्ताहीन होने के कारण क्षतिग्रस्त हुई अधिकांश सड़कों की जांच की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क की गुणवत्ता पर ध्यान न देने वाले लापरवाह अवर अभियंताओं के खिलाफ रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजी जाए, ताकि उन पर कड़ी कार्रवाई हो सके। बैठक में ग्राम शिमला और पंतनगर की लंबे समय से अधूरी पड़ी सड़कों का कार्य तत्काल पूरा करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा, आदित्य चौक से दीनदयाल चौक तक सड़क चौड़ीकरण के लिए जल संस्थान और विद्युत विभाग को 2.75 करोड़ से अधिक की राशि जारी किए जाने की जानकारी दी गई, जिसका कार्य जल्द शुरू होगा। विधायक ने पावर हाउस पुलिया चौड़ीकरण की डीपीआर शीघ्र तैयार कर भेजने और गड्ढा युक्त सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर हुई लाखों की ठगी

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: साइबर ठगों ने ऑनलाइन निवेश में मुनाफे का झांसा देकर युवक के साथ लाखों रुपये की ठगी कर दी। ठगी के पीड़ित युवक ने कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत देकर अज्ञात ठगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा धनराशि वापस दिलाने की गुहार लगाई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। किच्छा निवासी संजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि सोशल मीडिया टेलीग्राम के माध्यम से अज्ञात ठगों ने उसके साथ 9 लाख 2 हजार 298 रुपए की ठगी कर दी। पीड़ित के अनुसार विगत 23 अगस्त 2025 से अज्ञात लोगों द्वारा विभिन्न प्रोफाइल के माध्यम से टेलीग्राम पर पीड़ित से संपर्क किया और निवेश के नाम पर कम समय में अधिक मुनाफा प्राप्त करने का लालच दिया गया। पीड़ित ने बताया कि शुरुआत में ठगों द्वारा छोटी रकम भेजने पर लाभ का आश्वासन दिया गया और फिर अगला स्तर खोलने तथा सत्यापन के नाम पर बड़ी धनराशि की डिमांड की गई। पीड़ित ने बताया कि ठगों पर भरोसा कर उसने कई किस्तों में अपने बैंक खाते के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर दिया। पीड़ित संजीव ने बताया कि रकम भेजने के बाद ठगों ने अचानक संपर्क तोड़ दिया और पीड़ित के साथ ठगी कर दी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा ग्राम खाली महुवट परगना बिल्हैरी तहसील खटीमा के खसरा संख्या 48/1 मि. का रजि. बैनामा बही न. 1 इलेक्ट्रोस्टेट जिल्द न. 1907 के पृष्ठ संख्या 355 से 378 में पर क्रमांक 1865 जो कि 28 अप्रैल 2022 को सब रजिस्टार सितारगंज में मेरे नाम हुई है। जिसकी मूल प्रति वास्तव में कहीं खो गई है। - **मिथलेश सिंह पुत्र श्री महेन्द्र सिंह, सिसैया, खटीमा, उधमसिंह नगर।**

ब्रीफ न्यूज

श्री शीतला माता मंदिर में निकली प्राचीन प्रतिमा

काशीपुर : प्राचीन सिद्धपीठ श्री शीतला माता मंदिर में पिंडी के पीछे से अचानक माता शीतला की प्राचीन प्रतिमा निकल आई। खबर सुनते ही तमाम श्रद्धालु मंदिर की ओर माता के दर्शन को दौड़ पड़े। मंदिर के प्रबंधक/पीठाधीश पं. संदीप मिश्रा ने बताया कि उन्हें काफी समय से मंदिर में माता की प्रतिमा होने का आभास हो रहा था। साथ ही मंदिर में पूजा के समय खटखट की आवाजें आ रही थीं, लेकिन उन्होंने कभी इसे गंभीरता से नहीं लिया। माता मंदिर रोड के नाम से प्रसिद्ध मुखर्जी नगर में प्राचीन सिद्धपीठ प्रकृति की देवी शीतला माता का मंदिर है। मान्यता है कि मां की पिंडी स्वयं वहां प्रतिस्थापित हुई हैं। उन्हें नगर कोट देवी भी कहा जाता है। मां शीतला देवी को मां पार्वती का साक्षात रूप भी माना जाता है। माना जाता है कि काशीपुर शहर बसने से पहले की मां शीतला देवी की पिंडी यहां मिली थी। वहीं कई लोगों का कहना है कि यह मंदिर चंद राजाओं के समय का है। हालांकि स्थानीय कथाएं इसकी उत्पत्ति को और भी प्राचीन काल से जोड़ती हैं। मंदिर के पीठाधीश्वर पं. संदीप मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि उन्हें लगभग 15 दिन से देवी स्वरूप स्वप्न में आ रहा था, साथ ही सुबह मंदिर के पट खोलने के दौरान देवी मठ से खट-खट की आवाज सुनाई देती थी। मंगलवार को जब वह मां शीतला देवी पिंडी का श्रृंगार कर रहे थे, इस दौरान अचानक पिंडी का कुछ हिस्सा स्वत: दीवार से अलग होने लगा। कुछ देर बात पिंडी स्वरूप हिस्सा उनके हाथों में आ गया।

दिल्ली बम धमाका : खुफिया तंत्र सक्रिय, बॉर्डर पर बढ़ी चौकसी

भीड़भाड़ वाले इलाकों में तैनात पुलिस, देर रात्रि से शुरू हुआ चेकिंग अभियान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार:-दिल्ली में हुए बम धमाकों के बाद जिले में भी हाई अलर्ट जारी होते ही जनपद पुलिस सक्रिय हो गई। आनन-फानन में सोमवार की देर रात्रि से सभी सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा वार्ड में भी खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया है और हर संदिग्ध पर पुलिस की नजर रहेगी।

बताते चले कि 10 नवंबर की शाम दिल्ली के लाल किला इलाके में हुए बम धमाके ने यहां कई जिंदगी छीन ली। वहीं तमाम लोग घायल हो गए। इसके बाद उत्तराखंड में भी अलर्ट जारी हो गया। देहरादून पुलिस मुख्यालय ने तत्काल आदेश जारी किया और सोमवार की रात्रि ग्यारह बजे से ही शहर के रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की गाड़ियां गश्त करने लगीं। डॉग स्क्वायड हो या फिर बम निरोधक दस्ता, चारों तरफ पुलिस की सजगता दिखाई दी। इस दौरान जनपद पुलिस ने उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की सीमाओं को जोड़ने वाले रास्तों को भी सील कर दिया और बाहरी प्रदेशों से आने वाले वाहनों की सघन चेकिंग भी की। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि दिल्ली बम धमाके के बाद जनपद में अलर्ट जारी कर दिया है। जनपद पुलिस बॉर्डर, सार्वजनिक स्थानों में मुस्तैद है। वहां घनी आबादी वाले वार्ड में खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया है। कोई भी संदिग्ध या बिना सत्यापन के रहने वाले व्यक्ति को चिह्नित कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार की सुबह खुद एसएसपी ने ड्यूटी स्थल का निरीक्षण किया और अधीनस्थों को सजग रहने का आदेश दिया।

बॉर्डर पर वाहनों की चेकिंग करती पुलिस। ● अमृत विचार

अधीनस्थों को आदेशित करते एसएसपी। ● अमृत विचार

गदरपुर का युवक भी बम विस्फोट में घायल

गदरपुर : दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके में गदरपुर क्षेत्र का एक युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन दिल्ली रवाना हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सरदार नगर निवासी संजीव सेतिया का पुत्र हर्षिल सेतिया दिल्ली गया था जो कि वहां कार विस्फोट में घायल हो गया। उसे पुलिस द्वारा उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया गया। जिसकी सूचना परिजनों को दे दी गई थी। परिजन तत्काल दिल्ली के लिए रवाना हो गए, सभी लोगों ने हर्षिल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

नाबालिग की शादी कराने के मामले में दस के खिलाफ केस दर्ज

काशीपुर : कुंडेश्वरी चौकी क्षेत्र में नाबालिग की शादी कराने का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने दोनों पक्षों के 9 लोगों को हिरासत में ले लिया। वहीं पुलिस ने शादी कराने वाले पंडित समेत 10 के खिलाफ केस दर्ज किया है। सोमवार की शाम किसीने डायल 112 सूचना देकर कहा कि ग्राम दोहरी वकील में नाबालिग लड़की का विवाह करवाया जा रहा है। सूचना पर कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी चंदन सिंह बिष्ट टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां शादी समारोह संपन्न हो चुका था। जहां मां से दुल्हन की उम्र पूछी गई तो उन्होंने उसकी उम्र 16 वर्ष बताई। अभिलेखों के आधार पर भी दुल्हन नाबालिग थी। जिसके बाद पुलिस ने दुल्हन की माता समेत चार लोगों व वर पक्ष के दूल्हा सुरेश, वर के चाचा मही, वर का बड़ा भाई विनेश निवासी ग्राम परचई थाना अजीम नगर जिला रामपुर, वर के बहनोई रादेश कुमार, वर की बड़ी बहन कविता देवी निवासी ग्राम नरपत नगर रामपुर व योगेंद्र कुमार के खिलाफ बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को धारा 35 के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का नोटिस देकर छोड़ दिया गया। वहीं पंडित योगेंद्र कुमार के मौके पर न होने पर तलाश की जा रही है। नाबालिग वधू को उसकी माता के सुपुर्द कर दिया गया है। एसआई चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि 112 की सूचना पर टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। जहां उनके आने से पहले ही शादी हो चुकी थी। पंडित समेत 10 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

तालाब में मिला लापता मासूम लाइबा का शव

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बाबरखेड़ा से तीन दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई दो वर्षीय बच्ची लाइबा का शव घर से करीब 50 मीटर दूर डॉग स्क्वायड की मदद से तालाब से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

लाइबा (फाइल फोटो)।

बता दें कि कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम बाबरखेड़ा निवासी अशफाक की दो वर्षीय पुत्री लाइबा बीती नौ नवंबर की दोपहर करीब तीन बजे घर से संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो गई थी। परिजनों द्वारा काफी स्थानों पर तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। जिसके बाद मामले की पिता अशफाक के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। जिससे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मासूम की बरामदगी के लिए कई टीमों को लगा दिया। वहीं इस मामले में बच्ची के खोजबीन के लिए डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम की मदद लेते हुए शांति व्यवस्था के लिए गांव में पुलिस की तैनाती की गई। इसके अलावा तीन अन्य पुलिस टीमों ने भी सीसीटीवी, मुखबिर एवं अन्य संचार माध्यमों से बच्ची की खोजबीन शुरू कर दी थी। इसके बावजूद भी पुलिस को बच्ची के बारे के कोई सुराग हाथ नहीं लग रहा था। मंगलवार की सुबह लगभग 11 बजे बच्ची की खोजबीन को लगाए गए डॉग स्क्वायड और जल पुलिस टीम की मदद से अशफाक के घर से करीब 50 मीटर दूर एक तालाब से बच्ची का शव बरामद कर लिया गया। बच्ची का शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं घटना स्थल पर आसपास के सैकड़ों लोग एकत्र हो गए। पुलिस ने वहां मौजूद लोगों व परिजनों को समझाते हुए बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए काशीपुर भेज दिया था।

● डॉग स्क्वायड की मदद से तालाब से मंगलवार सुबह बरामद हुआ बच्ची का शव

पुलिस को 44 घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी

काशीपुर : लाइबा के 9 नवंबर की दोपहर तीन बजे लापता होने के बाद परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल पाया। जिसके बाद परिजनों ने मामले की सूचना कुंडा पुलिस को दी। सूचना के बाद कुंडा पुलिस सक्रिय हो गई। कुंडा पुलिस ने मामले में फॉरेंसिक टीम, एसओजी, जल पुलिस की मदद से मंगलवार की सुबह लगभग 11 बजे लाइबा का शव गांव के तालाब से बरामद कर लिया।

गैर इरादतन हत्या में दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता, खटीमा

● न्यायालय ने 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

अमृत विचार: अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने साढ़े तीन साल पूर्व हुई गैर इरादातन हत्या के मामले में दो आरोपियों को दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 10-10 हजार का अर्थदंड सुनाया है।

साढ़े तीन साल की सुनवाई के बाद मंगमवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंजू सिंह मुंडे ने आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 10-10 हजार का अर्थदंड लगाया है। 15 मई 2022 को ग्राम कचनाल गाजी काशीपुर निवासी नरेंद्र सिंह थापा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि उसका भाई कैलाश सिंह थापा मंडी समिति में काम करता था। वह 14 मई की रात्रि मंडी समिति के चेक पोस्ट में बैठा था। इसी दौरान दो लोग चैक पोस्ट पर आए और उसके भाई के साथ कहासुनी हुई और दोनों लोगों ने उसके भाई के साथ मारपीट की जिसमें उसके भाई कैलाश थापा की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में 15 मई को अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस विवेचना में अनिल निवासी मुडयानी चंपावत और निर्मल कुंवर निवासी चंदनी बनबसा प्रकाश में आए। 10 अगस्त 2022 को पुलिस ने इस मामले में आरोप पत्र न्यायालय पेश कर दिए थे। इस मामले में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सौरभ ओझा ने सात गवाहों को पेश किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुंडे ने अनिल और निर्मल कुंवर को दोषी मानते हुए धारा 304 आईपीसी में आजीवन कारावास की सजा और 10-10 हजार रुपए के जुर्माने से दंड़ित किया। दोषियों को पुलिस अभिरक्षा में हल्द्वानी उप कारागार भेज दिया गया।

प्लम्बर निकला जेवरात चोरी का आरोपी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके में हुई लाखों की चोरी का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने प्लम्बर को गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही पर लाखों के जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि दो नवंबर को प्रीत विहार पंचवटी कॉलोनी निवासी नरेश कोली ने मुकदमा दर्ज कराया। बताया कि उसके घर पर पड़ोस के रहने वाले मोहम्मद यामीन को टंकी मरम्मत का काम दिया था और कार्य के वक्त वह सामान लेने बाजार गया हुआ था, जबकि पत्नी झाड़ू लगा रही थी। मौका पाकर प्लम्बर ने अलमारी का लॉक खोलकर जेवरात चोरी कर लिए थे। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों और मैनुअल पुलिसिंग के माध्यम से जांच करने के बाद पुलिस ने दस नवंबर की शाम को अभियुक्त मोहम्मद यामीन जुबैरी निवासी प्रीत विहार को गिरफ्तार कर लिया और सोने की तीन अंगूठी, एक पेडल, दो झुमके, एक मंगलसूत्र, एक नथ, एक मांग टीका निशानदेही पर बरामद किया। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

आरोपी के साथ पुलिस टीम। ● अमृत विचार

आपत्तिजनक वीडियो वायरल, एआई का शक

रुद्रपुर : कोतवाली इलाके में एक ऐसा आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें छात्र-छात्रा आपत्तिजनक हालत में दिख रहे हैं। वीडियो एक कॉलेज परिसर की बताई जा रही है हालांकि कॉलेज प्रशासन वीडियो की कोई पुष्टि नहीं कर रहा है। वायरल वीडियो चर्चा का विषय बनी हुई है। मंगलवार की दोपहर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होती है जो कि एक कॉलेज परिसर स्थित झाड़ियों की बताई जा रही है। वीडियो में छात्र-छात्रा आपत्तिजनक स्थिति में हैं और जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। वैसे ही, कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया। शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले कॉलेज में अश्लील वीडियो वायरल होते ही चारों तरफ चर्चा होने लगी। प्राचार्य का कहना था कि कॉलेज प्रशासन इस आपत्तिजनक वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। आशंका जताई है कि एआई निर्मित वीडियो हो सकती है। कॉलेज का नाम लिखकर बदनाम करने का षड्यंत्र भी हो सकता है। कोतवाली पुलिस को प्रकरण की जानकारी दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवकों ने महिला के घर पर किया पथराव

काशीपुर: एक महिला ने आधा दर्जन से अधिक युवकों पर घर पर पथराव व गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

महेशपुरा वाल्मीकि बस्ती निवासी बबीता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह बीती 9 नवंबर की रात करीब 9 बजे अपने घर का काम कर रही थी। तभी उसके घर पर मोहल्ले का ही निवासी हिमांशु, गौरव, अपने साथी कचहरी निवासी रोहित व सूरज, आदर्श, आकाश, अनिकेत व सुमित के साथ हथियारों के साथ आये तथा उसके घर पर ईंट से पथराव करते हुए गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर हिमांशु उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। बताया कि घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। आरोप यह भी है कि जब वह घर के दरवाजे पर आई, तो हिमांशु अपने साथियों के साथ घर में घुसने लगे और उसे, उसके पति व देवरों को गालियां देते हुए जान से मारने की कोशिश करने लगे। उसने बमुश्किल घर का दरवाजा बंद किया। बाद में आरोपी उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राशन में दुर्गंधयुक्त चावल वितरण से ग्रामीणों में रोष

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : गुरुग्राम स्थित सरकारी सरकारी राशन की दुकान पर दुर्गंधयुक्त व फफूंद लगे चावल वितरित किए जा रहे थे। मामले को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। ग्राम प्रधान की शिकायत पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने पूर्ति निरीक्षक को मामले की जांच के आदेश दिये हैं।

मंगलवार को गुरुग्राम स्थित सरकारी राशन की दुकान पर राशन विक्रेता, राशन वितरण करने पंहुचा। चावल की बोरी खोलने पर उसमें से फफूंदी लगा व दुर्गंधयुक्त चावल निकला। इससे राशन लेने पहुंचे लोगों में रोष फैल गया। ग्राम प्रधान वितिका मिस्त्री और उनके पति दिलीप मिस्त्री ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से मामले की शिकायत करते हुए, सड़े चावल को बदलने की मांग की। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए, पूर्ति निरीक्षक डीएस धामी को मौके पर जाकर जांच के निर्देश दिए। निरीक्षक डीएस धामी मौके पर पहुंचे व जांच में चावल में फफूंद और तेज दुर्गंध पाई गई। इसके बाद पूर्ति निरीक्षक ने मार्केटिंग ऑफिसर को खराब चावल बदलने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार सिर्फ गुरुग्राम ही नहीं, बल्कि कई अन्य राशन की दुकानों में भी इस बार सड़ा हुआ चावल सप्लाई किया गया है। नगर के एक कोटा धारक ने 209 बोरी खराब चावल को बदलने की बात कही है। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने पूर्ति विभाग को मामले की पूर्ण जांच कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिया हैं। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को घटिया या सड़ा हुआ अनाज मिलना अस्वीकार्य है। अगर लापरवाही साबित हुई तो संबंधित सप्लायर और विभागीय कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि राशन की गुणवत्ता पर पहले भी सवाल उठ चुके हैं, लेकिन इस बार मामले में कार्रवाई की उम्मीद है।

गुरुग्राम में दुर्गंध युक्त चावल दिखाते प्रधान पति।

HINDUJA HOUSING FINANCE

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

कॉपोरेट कार्यालय नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015
ई–मेल: auction@hindujahousingfinance.com
अश्वनी कॉम्पलेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी – 263139

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी – 9918301885, आरआरएम– तरूण सक्सेना – 7830388088
सीएमएम – श्री रवि दीक्षित – 9794347032, सीआरएम – अनिल कुमार – 9927028507

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी एक्ट) 2002 के अंतर्गत प्रतिभूतिहित नियम 2002 के नियम 13(2) के अन्तर्गत यह सूचना जारी की जाती है।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड से प्राप्त किये गये ऋण जो कि एनपीए हो चुके हैं व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्नवर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्नवर्णित ऋणियों एवं जमानतदारों को वित्तीय आस्तियों के प्रतिभुतिकरण एवं पुनर्गठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांकों को पंजीकृत डाक पावती सहित/ स्पीड पोस्ट/कोरियर द्वारा आप सभी को भेजी गयी थी, जिसकी पावती प्राप्त नही हुई/जो बिना तामील प्राप्त हो गयी। मांग सूचना निम्नांकित दिनांकों में हमने आश्य को स्पष्ट कर दिया था, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शायी राशि 60 दिनों के अन्दर जमा नहीं करायी गयी तो उक्त उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक में बंधक सम्पत्तियाँ जो कि निम्नलिखित ऋणियों /जमानतदारों के नाम है, उनका आधिपत्य ले लिया जायेगा और कब्जा सूचना /ई–नीलामी सूचना में कर्जदार व गारंटरों की फोटो प्रकाशित की जायेगी। बकाया राशि का विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र. सं.	खाता संख्या/कर्जदार का नाम/ सह–कर्जदार/गारंटर और एनपीए की तारीख	मांग सूचना की तिथि / बकाया राशि	सुरक्षित संपत्तियों का विवरण
1.	**UP/ALI/MDBD/A000000667, श्री साकिर पाशा, श्रीमती बेहतरीन जहां, श्री साजिद अली, समीः** ग्राम छितरिया जागीर, 0, ग्राम छितरिया जागीर पोस्ट धनुपुरा रामपुर, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244925 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-11-2025**	06-11-2025 रू 1371982 05-11-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	रामपुर, रामपुर, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244901, दिशा/सीमाएँः उत्तर–भूखंड तौफीक दक्षिण–मकान नाजिम पूर्व–रास्ता 12 फीट चौड़ा पश्चिम–खंड मुकीर
2.	**UP/HDW/KSHP/A000000495, श्री अमरजीत सिंह, श्रीमती कुलविंदर कौर, दोनों स्थानः** श्यामपुरम कॉलोनी, 0, देवीपुरा, , सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-11-2025**	06-11-2025 रू 695706 05-11-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खसरा नंबर 276, श्यामपुरम कॉलोनी, खड़कपुर देवीपुरा, यूएस नगर, ब्राइट वे क्लास के पास, काशीपुर, उत्तराखंड, देवीपुरा, सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713, दिशा/सीमाएँः अन्य दक्षिण–13 फिट सड़क का उत्तर–घर, विजय पाल का पूर्व–घर, पश्चिम–नरेंद्र का घर
3.	**UP/HDW/KTMA/A000000062, श्री प्रणव आचार्य, श्री पुनम आचार्य, दोनों पतेः** रतन नगर नंबर 2 अरविंद नगर बरुआबाग सितारगंज, सितारगंज, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-11-2025**	06-11-2025 रू 1317758 05-11-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	रतन नगर नंबर 2 अरविंद नगर बरौबाग सितारगंज, सितारगंज, , सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड भारत – 262405, दिशा/सीमाएँः उत्तर–लखा सिंह की संपत्ति दक्षिण–20 फीट रोड पूर्व–विक्रेता की संपत्ति पश्चिम–उपाध्याय जी की भूमि
4.	**UP/ALI/MDBD/A000000324, श्री परवेज आलम, श्रीमती रूबी रूबी, श्री असगर अली, सभी का पताः** अगवानपुर मोरादाबाद, 0, अगवानपुर मोरादाबाद, सेमीअर्बन, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244001 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-09-2025**	06-11-2025 रू 2796721 06-11-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	अगवानपुर मोरादाबाद, अगवानपुर मोरादाबाद, , सेमीअर्बन, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244001, दिशा/सीमाएँः उत्तर–तस्लीम सैफी का घर और अन्य दक्षिण–8 फीट चौड़ी गली पूर्व–श्री का घर। निसार हुसैन पश्चिम–श्री का घर। अख्तर एवं अन्य
5.	**UP/ALI/MDBD/A000000481, श्री नूरुल हसन, श्रीमती रूही परवीन, दोनों पतेः** घेर पछैया अमरोहा, 0, घेर पछैया अमरोहा, वासुदेव मंदिर के पास, सेमीअर्बन, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244221 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-09-2025**	06-11-2025 रू 776089 06-11-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	1, ना, वासुदेव रोड, मोहल्ला घेर पचौयान में घर, वासुदेव तीर्थस्थल, मिलन मैरेज हॉल, , अमरोहा, वासुदेव रोड, मोहल्ला घेर पचौयान में घर, वासुदेव तीर्थस्थल मिलन मैरेज हॉल, सेमीअर्बन, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244221, दिशा/सीमाएँः उत्तर–अराजी मोइन अहमद, दक्षिण–अराजी नाजिम और इकबाल अहमद। पूर्व–अराजी मशकूर अहमद और रास्ता 6 फीट चौड़ा पश्चिम–अराजी वसीम अहमद
6.	**UP/HDW/KSHP/A000000168 श्री मोहम्मद नसीम, पताः** चूना गली गंज काशीपुर, काशीपुर, सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713, **श्रीमती नूरजहाँ पताः** वार्ड नंबर 19 चूना गली मोहल्ला गंज काशीपुर, काशीपुर, सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713, **मिस्टर मोहम्मद फईम, पताः** चूना गली गंज वार्ड नंबर 13 काशीपुर, काशीपुर, सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-09-2025**	06-11-2025 रू 1113598 06-11-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	चूना गली गंज वार्ड नंबर 13 काशीपुर, काशीपुर, , सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713 दिशा/सीमाएँः उत्तर–शम्सुद्दीन का घर दक्षिण–मोहम्मद अनीस का घर पूर्व–9 फीट सड़क पश्चिम–मोहम्मद तस्लीम का घर
7.	**UP/UDA/JSHP/A000000111,** श्री प्रमोद कुमार, श्रीमती सुमरती सुमरती, श्री राजू कुमार, सभी : गंगापुर काशीपुर, 00, गंगापुर रकवा, मंदिर, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244713 **ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 06-10-2025**	06-11-2025 रू 502977 06-11-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	गंगापुर रकवा, गंगापुर रकवा, मंदिर, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713, दिशा/सीमाएँः नईम की उत्तर–अराजी, दक्षिण–कच्चा सड़क 15 फीट पूर्व–धरम वती की अराजी, पश्चिम–विक्रेटा की अराजी

दिनांक : 12.11.2025 स्थान : हल्द्वानी — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

कॉपोरेट कार्यालय नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015
अश्वनी कॉम्पलेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी – 263139

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी – 9918301885, आरआरएम– तरूण सक्सेना – 7830388088
सीएमएम – श्री रवि दीक्षित – 9794347032, सीआरएम – अनिल कुमार – 9927028507

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने का कहा गया था।
कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमें नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हें प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा।
उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1.	UP/ALI/RMPR/A000000039 **श्री अय्यूब अली श्रीमती अमरीन अमरीन श्री अकरम अली पताः** 22 ग्राम मतवली रामपुर, रामपुर, रामपुर, मेट्रो, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244901	07/08/2025 11/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 38,92,756.00/- 05/07/2025 तक	खसरा नंबर 183 सदर, रामपुर, शाहबाद रोड, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244901 1, एनए, शाहबाद रोड, ग्राम मतवाली में स्थित घर, तहसील शाहबाद, प्राथमिक विद्यालय मतवाली (150 मीटर), रामपुर, उत्तर प्रदेश, 244901, रामपुर, शाहाबाद रोड, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 24490 सीमाएंः उत्तर–सड़क 20 फीट चौड़ी, दक्षिण–विक्रेता के घर का शेष भाग (जानबरो की नादोरी) पूर्व–महमूद खेत, पश्चिम–विक्रेता की खाली भूमि
2.	UP/HDW/HDWN/A000000371 एवं CO/CPC/CPOF/A000006679 **श्री संजीव कुमार शर्मा, श्रीमती मीनू देवी दोनों स्थानः** वार्ड नंबर 7 सतीश कॉलोनी हल्दवानी, हल्द्वानी, सेमीअर्बन, हलद्वानी, उत्तराखंड, भारत – 263139	07/08/2025 10/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 28,47,288.00/- 05/07/2025 तक	खसरा नंबर 156 का मिन. पीलीकोठी हल्दवानी, हल्दवानी, अर्धशहरी, हल्द्वानी, उत्तराखंड, भारत – 263139 सीमाएँः उत्तर–सड़क दक्षिण–अन्य संपत्ति पूर्व–फरहत अली की संपत्ति पश्चिम–माया भट्ट का प्लॉट
3.	UP/HDW/HDWN/A000000594 एवं CO/CPC/CPOF/A000006687 **सुश्री राजिंदर कौर पताः** जफरपुर रुद्रपुर, 0, रुद्रपुर,, सेमीअर्बन, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263153 **श्री जिगरजीत सिंह दोनों स्थानः** जफरपुर रुद्रपुर, 0, रुद्रपुर,, सेमीअर्बन, किच्छा, उत्तराखंड, भारत – 263153	07/08/2025 08/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 25,23,378.00/- 05/07/2025 तक	जफरपुर रुद्रपुर, रुद्रपुर, अर्धशहरी, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263153 सीमाएँः उत्तर–अन्य दक्षिण का भूखंड–18 फीट पूर्व–संत पाल बत्रा का खेत पश्चिम–पूनम का घर और किशन लाल सैनी का घर
4.	UP/HDW/KSHP/A000000240 **श्री बिजेंद्र कुमार श्रीमती कृष्णा देवी दोनों स्थानः** कुंडेश्वरी काशीपुर, काशीपुर, अर्धशहरी, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713	07/08/2025 08/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 42,79,278.00/- 05/07/2025 तक	कुंडेश्वरी काशीपुर, काशीपुर, सेमीअर्बन, काशीपु, उत्तराखंड, भारत – 244713 सीमाएँः उत्तर–18 फीट सड़क दक्षिण–अंकित अग्रवाल की संपत्ति और 20 फीट सड़क धर्मवीर के पूर्व–एच–रामवीर सिंह के पश्चिम–एच और प्रदीप की एच
5.	UP/HDW/KTMA/A000000099 **श्री बेयंत सिंह श्रीमती मंजीत कौर दोनों स्थानः** कल्याणपुर नानकमत्ता, नानकमत्ता, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262311	07/08/2025 07/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 14,33,403.00/- 05/07/2025 तक	खाता नंबर 33, खसरा नंबर 183/2 मिन, कल्याणपुर नानकमत्ता, नानकमत्ता, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262311 सीमाएंः उत्तर–राणा जी का खेत दक्षिण–दाता की पूर्व की भूमि–दाता की भूमि पश्चिम–12 फीट सड़क
6.	UP/UDA/JSHP/A000000151 एवं UP/UDA/JSHP/A000000328 **श्री राजू राजू श्रीमती कमर जान्हा श्रीमान् शेवश शेवश पताः** वार्डनं 18, राजू, मानपुर रोड, उजाला अस्पताल, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713	07/08/2025 08/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 10,84,039.00/- 05/07/2025 तक	खसरा नंबर 303 मिन, कचनाल गाजी, काशीपुर, काशीपुर, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713 सीमाएंः उत्तर–खाली प्लॉट सादिक के दक्षिण–एच पूर्व–खाली प्लॉट पश्चिम–20 फीट रोड
7.	UP/UDA/RUDR/A000000510 **श्री गौरव कुमार श्रीमती अलका आहूजा दोनों स्थानः** वार्ड नंबर 31 जैन मंदिर रोड, रुद्रपुर, ग्रामीण, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263153	07/08/2025 08/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 30,47,733.00/- 05/07/2025 तक	नंबररू 22/1, सड़क का नामरू 1, मंजिल नंबरः 0 एच/नंबर 3 गांव रामपुरा मलिक कॉलोनी, यूएस नगर, रेनबो स्कूल, रुद्रपुर, उत्तराखंड, 263153 सीमाएंः उत्तर–सड़क 30 फीट दक्षिण–उधारकर्ता परिवार का प्लॉट पूर्व–उधारकर्ता परिवार का प्लॉट पश्चिम–महेश बब्बर का घर
8.	UP/HDW/RDRP/A000000122 **श्री सचिन शर्मा पताः** अहरौला माफी, पोस्ट– अहरौला माफी, धनौरा, अमरोहा, उत्तर प्रदेश 244231, अमरोहा, धनौरा, सेमीअर्बन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत – 244231 **श्री नितिन कुमार शर्मा दोनों स्थानः** अहरौला माफी, अमरोहा यू.पी., अमरोहा, अमरोहा, सेमीअर्बन, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244231 **श्री राधा शर्मा पताः** कशालय इन्क्लेव चरण – 2 गंगापुर रोड रुद्रपुर उत्तराखंड, कशालय इन्क्लेव, रुद्रपुर, सेमीअर्बन, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263153	07/08/2025 11/11/2025 सांकेतिक कब्जा	₹ 14,28,869.00/- 05/07/2025 तक	खेत नं. 55, मकान नं. 17, मौजा कौशलया फेस–2 फुलसुंगा रुद्रपुर, फुलसुंगा, फुलसुंगा, सेमीअर्बन, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263153 सीमाएंः उत्तर–अन्य का प्लॉट नंबर जी18 दक्षिण– अन्य पूर्व का प्लॉट नंबर जी16–अन्य पश्चिम का प्लॉट नंबर 530–30 फीट चौड़ा रोआ

स्थान : हल्द्वानी एवं काशीपुर दिनांक : 12.11.2025 — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 12 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

फिजा का गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस अल्मोड़ा में चयन

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल की छात्रा फिजा अंसारी का शोबन सिंह जीना गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एण्ड रिसर्च अल्मोड़ा में चयन हुआ है। फिजा ने नीट (यूजी) की प्रवेश परीक्षा चार मई को दी थी। जिसका परिणाम 14 जून को घोषित किया गया था। मेरिट के अनुसार बीते दिवस फिजा का चयन शोबन सिंह जीना गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस एंड रिसर्च अल्मोड़ा में हुआ है। वह एमबीबीएस का अध्ययन करेंगी। फिजा ने 98 .06 पर्सेंटाइल प्राप्त की है। फिजा की उपलब्धि पर प्रबन्ध निर्देशिका सुरेंद्र कौर और प्रधानाचार्य आरिज अल्वी ने उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

स्कूली बच्चों को दी गुड टच एंड बैड टच की जानकारी

काशीपुर : क्षेत्र के दो निजी स्कूलों के बच्चों को गुड टच एंड टच की जानकारी दी गई। मंगलवार को अलीगंज रोड स्थित दो निजी विद्यालयों में स्पर्श अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान राजस्थान से आई डॉ. रीना व्यास ने बताया कि हर अभिभावक चाहता है कि उनका बच्चा सुरक्षित रहे। इसके लिए वह तमाम कोशिश भी करता है। जब तक बच्चे छोटे रहते हैं तब तक वह अभिभावकों के सामने रहते हैं।

संस्कार स्कूल में धूमधाम से मनाई गई रजत जयंती

उत्तराखंड स्थापना दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता दिनेशपुर

अमृत विचार: संस्कार पब्लिक स्कूल में उत्तराखंड राज्य गठन के 25 वें रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न विषयों पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

मंगलवार को संस्कार पब्लिक स्कूल कालीनगर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता विद्यालय अध्यक्ष नारायण चंद्र शाह, प्रबंधक तपन सरकार व प्रधानाचार्य संजय शाह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान विद्यालय के अध्यक्ष नारायण चंद्र शाह ने कहा कि बच्चों को शिक्षण के साथ देश और अपने प्रदेश की भौगोलिक व संस्कृति का ज्ञान होना जरूरी है। इस दौरान सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं विद्यालय के मेधावी छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय शाह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक तपन सरकार व संचालन किरन नगरकोटी ने किया। इस मौके पर अतिथियों में मानिक चंद्र शुक्ला, उपानंद सरकार, समीर मंडल, कविता, चंपा जोशी, निर्मला भट्ट, कर्मवीर सिंह, प्रियंका जायसवाल, कमलेश प्रजापति, अमित जोशी, संजना यादव, रामप्रसाद मंडल, प्रीति सरकार, रीना गुप्ता, दया रावत, आनंद सरकार आदि मौजूद रहे।

संस्कार पब्लिक स्कूल कालीनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाया राज्य स्थापना दिवस

खटीमा : राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत-जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य रसायन विज्ञान के प्रवक्ता चंद्रपाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंग्रेजी के प्रवक्ता एवं वरिष्ठ आचार्य प्रकाश चंद्र जोशी द्वारा राज्य स्थापना दिवस पर बच्चों को अपने विचारों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य भगत सिंह बोरा द्वारा राज्य स्थापना दिवस पर बच्चों सहित समस्त विद्यालय परिवार को जानकारी प्रदान कर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कूड़ा निस्तारण के लिए सुजिया में भूमि उपलब्ध हुई

खटीमा: नगर वासियों को अब पुरानी तहसील परिसर में डाले जाने वाले कूड़े से निजात मिलेगी। नगर पालिका को ग्राम सुजिया में ट्रंचिंग ग्राउंड के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध हो चुकी है।

नगर पालिकाध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी रामू ने बताया कि सुजिया में 1.44 हेक्टेयर सरकारी भूमि ट्रंचिंग ग्राउंड के लिए उपलब्ध है। नगर पालिका परिषद की ट्रंचिंग ग्राउंड की समस्या लंबे समय से लाइलाज बनी हुई है। वैकल्पिक तौर पर नगर पालिका द्वारा नगर का कूड़ा नगर से लगे आसपास की वन भूमि चकरपुर तथा नदन्ना, पहेनियां, 17 मील आदि स्थानों पर डाला जाता था। लेकिन इनका सभी स्थानों से विरोध होता रहा।

फिलहाल नगर के पुरानी तहसील कैंपस पर भी कूड़े का अस्थाई ढेर लगाया जाने लगा। इसका नगर पालिका के सभासद सहित पुरानी तहसील कैंपस के आसपास रहने वाले नागरिकों द्वारा भी इसके विरोध में मोर्चा खोला गया था। जिसके चलते फिलहाल सुजिया में वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। पालिकाध्यक्ष जोशी ने बताया कि सुजिया में लगभग चार एकड़ सरकारी भूमि के अलावा नगर पालिका दस एकड़ भूमि की ट्रंचिंग ग्राउंड के लिए और व्यवस्था कर रही है।

खटीमा में मेडल जीतने वाले बच्चों के साथ विद्यालय प्रबंधन। ● अमृत विचार

सरस्वती एकेडमी के छात्रों ने जीते 9 पदक

खटीमा : ओस्मा स्पोर्ट्स एकेडमी द्वारा आयोजित फर्स्ट मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में सरस्वती एकेडमी बिगराबाग के विद्यार्थियों विराज कॉलोनी, हिमेश जोशी, चंचल बोरा, अंजलि भट्ट, स्मृति राणा और खुशबू भारद्वाज ने स्वर्ण और पूजा भारद्वाज, उज्जवल राणा और शिव राणा ने रजत पदक जीतकर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विजेता विद्यार्थियों का चेयरपर्सन ज्योति पाल और प्रधानाचार्य रामयश ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बालाजी कंपनी के कर्मचारियों ने किया रक्तदान

सितारगंज : बालाजी एक्शन बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने हल्द्वानी स्थित ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने करीब 225 यूनिट रक्तदान किया।

शिविर में रक्तदान करते कंपनी अधिकारी।

बालाजी कंपनी ने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया। वहीं सीएसआर टीम के अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार सार्थक कदम उठा रहा है। वहां के पांडे, ऋषभ जैन, उमेश त्यागी, डॉ. जितेंद्र, राहुल, किरण आदि उपस्थित रहे।

गन्ना आयुक्त ने किया प्रजनक बीज पौधशाला का निरीक्षण

काशीपुर: गन्ना आयुक्त ने गन्ना प्रजनक बीज पौधशाला का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मंगलवार को गन्ना अनुसंधान केंद्र के भ्रमण के दौरान गन्ना आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने गन्ना प्रजनक बीज पौधशाला एवं खड़ी प्रजनक गन्ना बीज फसल के विभिन्न प्लॉटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गन्ने की प्रमुख प्रजातियां को. पंत 12226, को. पंत 13224, को. पंत 1221, कोशा 17231, कोशा 18231, कोशा 13235, कोशा 14201, को 15023 एवं को 118 का अवलोकन किया गया। आयुक्त मर्तोलिया ने केंद्र पर उगाई जा रही उत्तम गुणवत्ता की प्रजनक गन्ना बीज फसल की सराहना की। भ्रमण के दौरान प्रभारी अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने आयुक्त मर्तोलिया को केंद्र पर उत्पादित प्रजनक गन्ना बीज के कम उठान की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केंद्र पर लगभग 1000 क्विंटल उच्च गुणवत्ता का प्रजनक गन्ना बीज विभिन्न प्रजातियों में उपलब्ध है, जिसे समयबद्ध रूप से किसानों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर सहायक अभियंता राजीव श्रीवास्तव, सहायक गन्ना आयुक्त आशीष नेगी, वीरेंद्र चौधरी और राकेश कुमार मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन में हास्य का छाया जादू

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के उपलक्ष्य में भारत विकास परिषद द्वारा सोमवार रात श्रीरामलीला मैदान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देशभर से आए ख्याति प्राप्त कवियों ने हास्य, व्यंग्य, वीर रस और श्रृंगार की रचनाओं से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दर्जा राज्यमंत्री मनजीत सिंह राजू, विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर और एसडीएम अमृता शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कवयित्री काव्यश्री जैन ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। वरिष्ठ हास्य कवि प्रताप फौजदार ने व्यंग्य और संवेदना से श्रोताओं को हंसाया, वहीं राजेश चेतन ने बेटियों के सम्मान और पारिवारिक संस्कारों पर गंभीर टिप्पणी की। सुदीप भोला ने विभाजन की त्रासदी को भावुकता से दर्शाया। कवि अमित शर्मा ने सिख समाज के अतुलनीय बलिदानों को नमन करते हुए रचनाएं पढ़ीं। काव्यश्री जैन ने ओजपूर्ण वीर रस की रचनाओं से देशभक्ति का जोश भरा। कार्यक्रम के सफल संचालन की जिम्मेदारी उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य डॉ. सुरेंद्र जैन ने संभाली। इस अवसर पर भारत विकास परिषद ने बाजपुर के उत्तराखंड आंदोलनकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया। श्रोताओं ने इस आयोजन को साहित्य और संस्कृति का अविस्मरणीय संगम बताया।

कवि सम्मेलन में काव्यश्री जैन को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

जिपं अध्यक्ष की पत्नी रंजना मौर्या का निधन

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: वरिष्ठ भाजपा नेता व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या की पत्नी रंजना मौर्या (36) का मंगलवार को दिल्ली के एक अस्पताल में आकस्मिक निधन हो गया। जिनका देर शाम नौसर के घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

रंजना मौर्या (फाइल)।

जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या की पत्नी रंजना मौर्या बीमार चल रही थीं। जिनका इलाज दिल्ली के सनराइज अस्पताल में चल रहा था। इलाज के दौरान मंगलवार को प्रातः दस बजे रंजना मौर्य का निधन हो गया। वहीं इस दुखद समाचार से परिजनों में कोहराम मच गया और उनका रो-रो कर बुरा हाल है। इस दौरान राजपाल सिंह उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण, भवानी भंडारी, सूरज धामी, नीरज धामी, नंदन सिंह खड़ायत, हिमांशु बिष्ट, ग्राम प्रधान नौसर महेंद्र पाल, देवेंद्र सिंह रिंकू, दीपक मौर्य, सतीश मौर्य, अनिल ओली, सत्येंद्र पांडे सहित जिले के आला अधिकारी और राजनेता मौजूद रहे। मृतका का शव दोपहर बाद उनके गांव भगचुरी पहुंचा और नौसर के श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

खटीमा की तर्ज पर चिन्हीकरण की मांग

- वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने महापौर को ज्ञापन सौंपकर खटीमा की तर्ज पर राज्य निर्माण आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की मांग की है।

मंगलवार को वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम संबोधित ज्ञापन महापौर दीपक बाली को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि अविभाजित उत्तर प्रदेश में उत्तरांचल राज्य निर्माण के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर कर सतत संघर्षरत रहे राज्य निर्माण आंदोलनकारी आज भी दर-दर भटक रहे हैं, सक्रिय राज्य निर्माण आंदोलनकारी होने के बावजूद राज्य आंदोलनकारी होने का सम्मान मात्र पाने के लिए संघर्षरत और आंदोलनरत हैं। उन्होंने राज्य निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सूचीबद्ध आंदोलनकारियों का सत्यापन और चिन्हित कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में युगल किशोर सिंघल, अर्चना लोहनी, अनुराग सारस्वत, विनय कुमार विश्नोई, राम कुमार, प्रदीप कुमार, पंकज चावला, भूपेंद्र कुमार, सनद कुमार अग्रवाल, प्रिंस बाली, मीनू गुप्ता आदि शामिल रहे।

काशीपुर में महापौर बाली को ज्ञापन सौंपते वंचित राज्य आंदोलनकारी।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते ग्रामीण।

नेता प्रतिपक्ष ने की विकास कार्यों की घोषणा

बाजपुर : नेता प्रतिपक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक यशपाल आर्य ने मंगलवार को बाजपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गोबरा दाबका पार, टांडा अमीचंद और बांके नगर वार्ड का सघन दौरा किया। ग्रामीणों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और अपनी मूलभूत समस्याएं रखीं। विधायक आर्य ने गोबरा दाबका पार के गुरुद्वारे के लिए 6 लाख और गोबरा राजपूत बस्ती के मंदिर के लिए 7 लाख सहित कई विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने बांके नगर वार्ड-एक में 6 .89 लाख की पाइप लाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास भी किया। आर्य ने मौके पर ही विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर पेयजल, जलभराव और सफाई से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान कराया। ग्रामीणों ने इन घोषणाओं के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया।

केवि में अग्निशमन ने किया मॉकड्रिल

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: अग्निशमन दल द्वारा पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में आपदा के समय जीवन रक्षा के संबंध में शिक्षक शिक्षिकाओं सहित बच्चों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। विद्यालय के प्राचार्य त्रिभुवन प्रकाश आर्य ने अग्निशमन दल के सभी सदस्यों का स्वागत किया।

अग्निशमन दल के सदस्यों ने विद्यार्थियों को ए, बी, सी सिलेंडर से अवगत कराया। साथ ही सूक्ष्म आग बुझाने के संदर्भ में इसकी उपयोगिता को बताया। उन्होंने रसोई गैस सिलेंडर में लगी आग को बुझाने और भीषण आग को बुझाने की मॉक ड्रिल कराई। इस मॉक ड्रिल में अग्निशमन दल में राजेन्द्र सिंह इंचार्ज अग्नि शमन, सुन्दर सिंह, प्रदीम कुमार, त्रिभुवन प्रसाद मनोज कुमार, देवेन्द्र गिरी, दिनेग कापड़ी, चन्द्रकला आर्या, अनीता चंद रजवार मौजूद रहे। संचालन अनिल सिंह बिष्ट ने किया। कार्यक्रम का संयोजन देवेन्द्र सिंह रावत और हरप्रीत कौर ने किया। प्राचार्य त्रिभुवन प्रकाश आर्य द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस दौरान वहां शैलेन्द्र कुमार शर्मा, गोपाल सिंह बिष्ट, संजीव कुमार टांक, अनिल सिंह बिष्ट, सुश्री वर्षा कुमारी, हरप्रीत कौर, देवेन्द्र सिंह रावत, त्रिलोक सिंह, अंजू और कविता डोडियाल आदि उपस्थित रहे।

खटीमा के केंद्रीय विद्यालय में मॉक ड्रिल करते अग्निशमन कर्मी। ● अमृत विचार

सामूहिक विवाह 15 दिसंबर को होंगे

गदरपुर: समाजसेवियों की ओर से विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सामूहिक विवाह के कार्यक्रम किया जाना प्रस्तावित है।

जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 दिसंबर को सामूहिक विवाह कराए जाएंगे। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामूहिक विवाह,आनंद कारज एवं निकाह कार्यक्रम समाजसेवियों द्वारा 15 दिसंबर को आयोजित किए जाने हैं । यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश गरीबदास ने बताया कि 15 दिसंबर दिन सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 74 पर स्थित महतोष के पवित्र बंधन बारात घर में आयोजित किये जा रहे हैं। गदरपुर के हजारीलाल पेट्रोल पंप के कार्यालय में पंजीकरण शुरू है।

कन्वर्जेन्स मॉडल वाली पहली क्षेत्र पंचायत बनी काशीपुर

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: क्षेत्र पंचायत काशीपुर कूड़ा निस्तारण में कन्वर्जेन्स मॉडल लागू करने वाली प्रदेश की पहली क्षेत्र पंचायत बनी है। अभी तक राज्य की सभी क्षेत्र पंचायतों में एक कूड़ा वाहन सभी ग्राम पंचायतों से प्लास्टिक कचरा उठाता है। लेकिन अब क्षेत्र पंचायत काशीपुर अपने वित्तीय संसाधनों से तीन नए कूड़ा वाहन किराए पर लेगी और इनका संचालन करेगी।

बीडीओ कमल किशोर पांडे ने बताया कि इसमें अभिनव पहल यह है कि यह कूड़ा वाहन स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हायर किए जाएंगे और इसका मासिक किराया स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के संगठनों को जाएगा। इससे समूह की आजीविका बढ़ेगी। एसएचजी समूह संगठनों द्वारा ग्राम्य विकास विभाग की ग्रामोत्थान परियोजना से कूड़ा वाहन खरीदे जाएंगे। इस पहल से ग्राम प्रधानों तथा एसएचजी महिलाओं में भी उत्साह है। वाहन खरीद के लिये 6 लाख रुपये का अनुदान ग्रामोत्थान परियोजना द्वारा एसएचजी संगठनों को दिया जाएगा। शेष 3 लाख बैंक से लोन मिलेगा और 1 लाख समूह संगठनों को देना होगा। अभी तक 3 समूह संगठनों ने प्रस्ताव दे दिए हैं। बताया कि यह कूड़ा वाहन प्लास्टिक बोतल, पन्नी, रैपर आदि प्लास्टिक वेस्ट उठाएगा।

पहल महापौर दीपक बाली ने किया एनिमल बर्थ कंट्रोल केंद्र का निरीक्षण

अब आवारा कुत्ते नहीं करेंगे परेशान : बाली

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: महापौर दीपक बाली ने पशु चिकित्सालय कैंपस में बने एनिमल बर्थ कंट्रोल केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। यह सेंटर अगस्त में शुरू हो गया था और अब तक इसमें काशीपुर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से पकड़ कर लाए गए करीब 700 कुत्तों का बधियाकरण कर उन्हें रेबीज के इंजेक्शन लगाकर उन्हीं स्थानों पर छोड़ा जा चुका है जहां से उन्हें पकड़ा गया था।

काशीपुर नगर निगम क्षेत्र में लगभग 8 से 10 हजार आवारा कुत्ते सड़कों पर घूमते हैं जो जनता के लिये एक बहुत बड़ी समस्या बने हुए हैं। जिसकी शिकायत कई बार लोग महापौर दीपक बाली से कर चुके हैं। महापौर बाली ने मंगलवार को पशु चिकित्सालय पहुंचकर एनिमल बर्थ सेंटर का निरीक्षण किया और इस दौरान यहां तैनात पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शिव कुमार ने उन्हें जिन-जिन समस्याओं के बारे में अवगत कराया उनका निदान शीघ्र कराने का महापौर ने आश्वासन दिया। आठ विद्युत लाइटों की उन्होंने तत्काल व्यवस्था करा दी। महापौर ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार शीघ्र ही इस कैंपस में कुत्तों के आश्रय स्थल का भी निर्माण कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि निरंतर इस केंद्र की टीम कैचिंग वाहन के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाती है और वहां से आवारा कुत्तों को लाकर उनका यहां बधियाकरण किया जा रहा है। एक दिन में लगभग 15 कुत्तों का बधियाकरण होता है और उन्हें 5 दिन रखने के बाद उन्हीं जगहों पर छोड़ दिया जाता है जहां से उन्हें पकड़ा गया था। केंद्र में तैनात डॉक्टर शिव कुमार ने बताया कि अभी तक इस केंद्र में केवल 85 कुत्तों के रखने की क्षमता है यह केंद्र अगस्त माह में शुरू हुआ था और 8 अगस्त को तीन कुत्तों का बधियाकरण किया गया था।

काशीपुर में एबीसी सेंटर के निरीक्षण के दौरान डॉक्टर से जानकारी जुटाते महापौर।

बिना तलाक दूसरे विवाह का आरोप

काशीपुर: एक महिला ने पति पर बिना तलाक दिये दूसरी महिला से विवाह करने व विरोध करने पर पति व अन्य ससुरालियों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। निर्मलपुर ठाकुरद्वारा निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने पति अशोक के साथ मंगल बाजार, बाजपुर रोड में रहती है। कहा कि उसका 12 वर्षीय बेटा व 15 वर्षीय एक बेटी भी है। आरोप लगाया कि उसके पति के एक महिला से संबंध हैं तथा उसके तलाक दिये बिना नाजायज तरीके से रह रहे हैं। कहा कि बीती 27 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे महिला ने उसके साथ मारपीट की।

किल्मोड़ा, बुरांश के बारे में जाना

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, काशीपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

इस भ्रमण में एमएससी (वनस्पति विज्ञान) प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने विभागीय प्राध्यापकों के साथ हिमालयन बॉटनिकल गार्डन, स्मानोरा रेंज, वनस्पति विज्ञान विभाग, डीएसबी परिसर कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल का भ्रमण किया। हिमालयन गार्डन में रेंजर आनंद लाल आर्या तथा डॉ. रजनी रावत बोटैनिस्ट के मार्गदर्शन में विभिन्न औषधीय पौधे टैक्सस, जिंकगो बायलोबा, जुनिपेरस, किल्मोड़ा, बुरांश, सफेद मूसली, तिमूर के साथ आर्किड हाउस, कैक्टस हाउस एवं अन्य जैव विविधता का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। छात्र-छात्राओं ने पाठ्यक्रमानुसार हरबेरियम निर्माण के लिये पर्वतीय क्षेत्रों से वानस्पतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों के नमूने भी संकलित किए। वनस्पति विज्ञान विभाग में डॉ. (प्रो.) ललित तिवारी ने विभाग में कई दशकों से एकत्र किए गए पौधों के हरबेरियम और ग्लास हाउस के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

भ्रमण के दौरान विभाग के पांच प्राध्यापक डॉ. स्नेह लता डॉ. विवेक कुमार केडिया, डॉ. रेनू, डॉ. अवनीन्द्र सिंह रावत, डॉ. राजेंद्र परिहार के नेतृत्व में मोहम्मद समीर, आर्जव रतूड़ी, साक्षी यादव, लता नेगी आदि शामिल रहे।

भ्रमण के दौरान छात्रों को जानकारी देते विषय विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

फंदे से लटका मिला अधेड़ का शव

चम्पावत : निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्र नघान में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीण का शव फंदे पर लटका मिला। मौत की वजह स्पष्ट नहीं है लेकिन प्रथम दृष्ट्या खुदकुशी का अंदेशा है। नघान गांव के मनोहर जोशी (38) पुत्र ईश्वरी दत्त जोशी का शव पास के ही एक पेड़ से लटका मिला। मनोहर जोशी राजमिस्त्री का कार्य करता था और दो बच्चे हैं। चम्पावत के कोतवाल बीएस बिष्ट ने बताया कि पंचनामा भरने और पोस्टमार्टम के बाद शव मंगलवार को परिजनों को सौंप दिया गया।

शारदा बैराज की मरम्मत के लिए मुख्य नहर की बंद

बनबसा : यूपी सिंचाई विभाग के द्वारा बैराज और नहर की मरम्मत के लिए मंगलवार से पूर्ण रुप से नहर बंद कर दी गई है। इस दौरान शारदा बैराज के सभी गेट पूरी तरह से खोल दिये गये है। यूपी सिंचाई विभाग के एसडीओ प्रशांत कुमार वर्मा ने बताया की शारदा बैराज के सभी गेट खुलने से जलस्तर बढ जायेगा उन्होंने जनसामान्य एवं कृषकों से अनुरोध किया है की शारदा नदी के किनारे, घाटों, पुलों तथा निचले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाए और सावधानी बरतें।

अग्निशमन उपकरणों के संचालन की दी जानकारी

अल्मोड़ा : एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर अग्निशमन केंद्र अल्मोड़ा की टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया। इस दौरान प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों के संचालन की जानकारी दी गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर एवं प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में चले अभियान के दौरान लोगों को जागरूक किया। लीडिंग फायरमैन ओम प्रकाश द्वारा लोगों को आग के प्रकार के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। घरों में प्रयोग होने वाले एलपीजी सिलेंडर में लगी आग को बुझाने के तरीकों की जानकारी दी गई।

पशु चिकित्साधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

अल्मोड़ा : मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा की अध्यक्षता में खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान को लेकर समीक्षा बैठक हुई। सीडीओ ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को बैठक में अनुपस्थित वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए। सीडीओ ने कहा कि टीकाकरण लक्ष्य को समय से पूरा किया जाए। अभियान को शत-प्रतिशत पूरा कर भारत पशुधन एप में दर्ज करने के निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. योगेश अग्रवाल ने बताया कि अभियान के तहत बड़े पशुओं में 62 व छोटे पशुओं में 70 फीसदी टीकाकरण कर लिया गया है।

दिल्ली ब्लास्ट की घटना के बाद हाई अलर्ट पर पुलिस

एंट्री व एग्जिट प्वाइंटों पर हो रही सघन चेकिंग, संदिग्धों पर नजर

पुलिस टीमों की ओर से जिले भर में तेज किया गया चेकिंग अभियान। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: दिल्ली में हुए ब्लास्ट की घटना के बाद जनपद अल्मोड़ा में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस सतर्क हो गई है। जिले भर में पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मुख्य बाजारों, बस अड्डों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है।

पुलिस महानिदेशक व पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं परिक्षेत्र के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा द्वारा समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष को दिल्ली में हुए ब्लास्ट की घटना के पश्चात जनपद में वृहद चेकिंग, सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए है। इसी क्रम में मंगलवार को 'अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह व सीओ गोपाल दत्त जोशी व सीओ विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्षों के नेतृत्व में पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में बाहरी राज्यों व जनपदों से आने वाले मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही होटलों, बाहरी राज्यों से निवासरत लोगों का सत्यापन, फड़, फेड़ी व कबाड़ की दुकानों की सघन चेकिंग की जा रही है। होटल संचालकों व लोगों को संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना पुलिस को देने के लिए जागरुक किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

13 को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

टनकपुर, अमृत विचार : राज्य के उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशन में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोगों तथा पारिवारिक न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अपर जिलाधिकारी कृष्णा नाथ गोस्वामी ने जानकारी दी कि 13 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक जनपद चम्पावत में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस दौरान विशेष रूप से निम्न प्रकार के मामलों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद,भरण-पोषण संबंधी वाद,बैंक वसूली एवं एन.आई. एक्ट धारा-138 से संबंधित प्रकरण,पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद,श्रम संबंधी वाद,भूमि अर्जन से जुड़े प्रकरण,दीवानी, राजस्व एवं अन्य सहायक वाद,वेतन, भत्ते एवं सेवानिवृत्ति से संबंधित मामले,विद्युत एवं जलकर बिल विवाद,उपभोक्ता मामले, मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सामान्य यातायात चालान शामिल है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस मौके का अधिकतम लाभ उठाएं और लंबित मामलों का निस्तारण आपसी सहमति से कर न्याय, समय एवं धन की बचत सुनिश्चित करें।

स्निग्धा और जनमेजय तिवारी ब्राजील रवाना

संवाददाता, अल्मोड़ा

स्निग्धा तिवारी और जनमेजय तिवारी।

- बेलम शहर में होगा संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन
- सीओपी 30 जलवायु न्याय की दिशा में एक अहम पड़ाव

अमृत विचार: ब्राजील के बेलम शहर में 10 से 21 नवंबर 2025 तक संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी 30) आयोजित हो रहा है। इस वैश्विक सम्मेलन में अल्मोड़ा, उत्तराखंड से भी दो भाई बहन स्निग्धा तिवारी और जनमेजय तिवारी हिस्सा ले रहे हैं। दोनों मंगलवार ब्राजील के लिए रवाना हुए।

स्निग्धा तिवारी पर्यावरण कानून विशेषज्ञ और ग्रीन क्लाइमेट सलाहकार हैं। वे ग्लोबल ग्रीन्स की क्लाइमेट वर्किंग ग्रुप की सचिव हैं और सम्मेलन के दूसरे सप्ताह में एशिया-प्रशांत क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्हें ब्राजीलियन पवेलियन में "प्रोटेक्टिंग राइट्स इन स्पेस ऑफ़ एनर्जी ट्रांजिशन" विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया है। स्निग्धा इससे पहले भी सीओपी 26, सीओपी 27 और सीओपी 28 में ग्लोबल ग्रीन्स का नेतृत्व कर चुकी हैं। इस बार वे क्लाइमेट एक्शन, मानवाधिकार, जलवायु वित्त और न्यायपूर्ण ऊर्जा परिवर्तन जैसे मुद्दों पर बात रखेंगी। जनमेजय तिवारी पिछले एक दशक से जलवायु परिवर्तन, नुकसान-हर्जाना, अनुकूलन और ग्लोबल साउथ के युवाओं से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं। वे इस बार सीओपी 30 में "क्लाइमेट नियो कॉलोनियलिज्म" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। साथ ही वे युवाओं की भागीदारी, ऊर्जा संक्रमण के दौरान न्याय और वंचित समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा पर भी चर्चा करेंगे। जनमेजय वर्तमान में संस्कृति विभाग, उत्तराखंड में कार्यरत हैं। सीओपी (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टिज) संयुक्त राष्ट्र की वह शीर्ष बैठक है, जिसमें दुनिया भर के देश जलवायु संकट से निपटने के लिए नीतियां तय करते हैं। सीओपी 30 को जलवायु न्याय और सतत् भविष्य की दिशा में एक अहम पड़ाव माना जा रहा है।

गोष्ठी में उत्तराखंड राज्य की चुनौतियों पर किया गया मंथन

बनबसा, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय में उत्तराखंड राज्य के गठन के 25 वर्षों की सामाजिक यात्रा उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, बनबसा, विश्याणी (यमकेश्वर) के संयुक्त तत्वावधान में समाजशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का प्रारम्भ प्रोफेसर डीएस नेगी, प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार ने किया। प्रो. एएन सिंह प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर एवं प्रो. प्रशान्त कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष-समाजशास्त्र, श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय ने भी संगोष्ठी में विचार रखे। संगोष्ठी सचिव डॉ. राजीव कुमार सक्सेना, असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र राजकीय महाविद्यालय बनबसा, मुख्य वक्ता प्रो. भगवान सिंह बिष्ट, पूर्व विभागाध्यक्ष-कुमाऊं विवि ने संगोष्ठी के विषय ''उत्तराखंड के गठन के 25 वर्षों की सामाजिक यात्रा उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर विचार रखे। संगोष्ठी में महाविद्यालय के लगभग 75 विद्यार्थियों एवं वर्तमान छात्रसंघ पदाधिकारियों ने भाग लिया।

पूर्व विधायक पूरन सिंह माहरा की जयंती पर मौजूद कांग्रेसी। ● अमृत विचार

पूर्व विधायक स्व. पूरन माहरा की जयंती मनाई

रानीखेत, अमृत विचार : कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में पूर्व विधायक स्वर्गीय पूरन माहरा की 78वीं जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्व. माहरा को एक दूरदर्शी, कर्मठ और जनता से जुड़े हुए नेता के रूप में याद किया। कार्यक्रम में स्व. पूरन माहरा के जीवन, उनके जनसेवा कार्यों और कांग्रेस पार्टी के प्रति उनके समर्पण को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड राज्य के रजत जयंती पखवाड़े के अंतर्गत एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें वक्ताओं ने राज्य के विकास, जनभागीदारी और कांग्रेस की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट ने की। यहां पीसीसी सदस्य कैलाश पांडेय, चिलियानौला कांग्रेस नगर अध्यक्ष कमलेश बोरा, महिला जिलाध्यक्ष गीता पवार, विश्व विजय सिंह माहरा, महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, यूथ विधानसभा अध्यक्ष अंकिता पंत, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी, कुसुम जोशी, पंकज गुरुरानी, ग्राम प्रधान सुमित कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रमोद कुमार रहे।

नशा उन्मूलन अभियान को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर तहसील सभागार में बैठक लेते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तहसील सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में नशा समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक का उद्देश्य जनपद में नशा उन्मूलन अभियान की प्रगति की समीक्षा करना, पूर्व में दिए गए निर्देशों पर की गई कार्यवाही का मूल्यांकन करना तथा मादक पदार्थों के विरुद्ध चल रहे प्रयासों को और अधिक प्रभावी एवं समन्वित बनाना था।

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2025 में अब तक जनपद में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के अंतर्गत 1.244 किग्रा स्मैक, हेरोइन, 22.337 किग्रा चरस, 0.99 किग्रा अफीम, 83 इंजेक्शन और 5.788 ग्राम एमडीएमए बरामद की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि नशे के खिलाफ जंग पूरे समाज और प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस विभाग को सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने, नियमित छापेमारी करने और मादक पदार्थों की तस्करी व अवैध बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों पर कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभागों को निर्देशित किया कि वे नशा मुक्ति से संबंधित पोस्टर अभियान, नुक्कड़ नाटक, रैली व कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, एसडीएम आकाश जोशी, सीओ वंदना वर्मा, सीईओ मेहरबान सिंह बिष्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी आरएस सामंत रहे।

मेले के बाद मैदान बदहाल निगम ने किया नोटिस जारी

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: खेलों के आयोजन के लिए देवसिंह मैदान के सुधारकीरण में 30 लाख रुपये से अधिक खर्च हुए। सहकारिता मेले में मैदान बदहाल हुआ तो नगर निगम ने सिर्फ 1.32 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर जिम्मेदारी निभा दी। निगम ने सहकारिता विभाग को नोटिस जारी किया है।

दरअसल, तीन महीने पूर्व देवसिंह मैदान का 32 लाख रुपये खर्च कर समतलीकरण किया गया। इस मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन तो निरस्त कर दिया गया। बीते दिनों यहां सहकारिता मेले का आयोजन किया गया। मेले में दुकानें, झूले, स्टॉल लगाने के साथ ही भीड़ अधिक होने से कुछ दिन पूर्व बिछाई मिट्टी उखड़ गई। मेले के बाद सहकारिता विभाग को मैदान का समतलीकरण करना था। विभाग ने ऐसा न कर मैदान को बदहाल हालत में छोड़ दिया, जिस नगर निगम ने सुधारीकरण के लिए लाखों रुपये खर्च किए उसने सहकारिता विभाग पर सिर्फ 1.312 लाख का जुर्माना लगाकर जिम्मेदारी निभा दी। नगर निगम ने मैदान को खराब करने के एवज में सहकारिता विभाग को जुर्माना अदा करने का नोटिस जारी किया है। यह मामला चर्चाओं में है। वहीं, नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त राजदेव जायसी ने कहा कि सहकारिता मेले के बाद मैदान की सफाई नहीं की गई। मैदान को बदहाल हालत में छोड़ दिया गया। ऐसे में सहकारिता विभाग पर जुर्माना लगाया है। इसका नोटिस विभाग को जारी कर दिया है।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर किया शिविरों का आयोजन

संवाददाता, अल्मोड़ा

जागरुकता शिविर में प्रतिभाग करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सोमेश्वर में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पच्चीसी, हुकुम सिंह बोरा राजकीय महाविद्यालय सोमेश्वर और ग्राम पंचायत धौलाड़ सोमेश्वर में हुए कार्यक्रमों में ग्रामीणों को विविध जानकारी दी गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव शचि शर्मा ने ग्रामीणों को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, 13 दिसंबर 2025 को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत, मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, गुणवत्तापूर्ण, वैज्ञानिक व तकनीकी शिक्षा का महत्व और महिला शिक्षा व सशक्तिकरण आदि की जानकारी दी। वहीं राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पच्चीसी में शिक्षा का अधिकार और सशक्तिकरण व शिक्षा के माध्यम से उज्जवल कल का निमार्ण विषयों पर निबंध, भाषण, वाद-विवाद व पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने शिक्षा का महत्व व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषयों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इधर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने थाना सोमेश्वर व तहसील सोमेश्वर में संचालित लीगल एड क्लिनिकों का निरीक्षण किया। अधिकार मित्रों के कार्यों की समीक्षा की।

नकली भारतीय मुद्रा की पहचान की जानकारी दी

रानीखेत, अमृत विचार : महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय, रानीखेत के दिशा-निर्देशन में नकली भारतीय मुद्रा एफआईसीएन के विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न इकाइयों एवं क्षेत्रक मुख्यालयों से कुल 16 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में नकली भारतीय मुद्रा के प्रसार, उसकी पहचान, तथा इसके राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन परिक्षित बेहेरा,उप महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने प्रतिभागियों को इस विषय की गंभीरता से अवगत कराते हुए सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय सतर्कता एवं समन्वय के महत्व पर बल दिया। तीन दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ अधिकारियों, भारतीय रिज़र्व बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तथा स्थानीय पुलिस के प्रतिनिधि द्वारा विभिन्न सत्रों में नकली मुद्रा की पहचान, उसका स्रोत, तस्करी के तरीकों तथा इससे निपटने के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

रानीखेत में सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय में कार्यशाला में मौजूद अधिकारी।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में कृष्णा और पोस्टर में हिमानी रही विजेता

संवाददाता, अल्मोड़ा

प्रतियोगिता के दौरान मौजूद प्रतिभागी छात्र-छात्राएं और अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: हरीदत्त पेटशाली इंटर कालेज में राष्ट्रीय चेतना कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के बीच निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भारतीय राष्ट्रवाद से जोड़ना रहा।

निबंध लेखन में कृष्णा कुमार और पोस्टर में हिमानी ने बाजी मारी। इसके अलावा पोस्टर में दूसरे स्थान पर महिमा आर्या और तीसरे स्थान पर तनुजा आर्या रही। वहीं निबंध लेखन मे दूसरे स्थान पर कार्तिक सिराड़ी और तीसरे स्थान अनुज कार्की ने प्राप्त किया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स के माध्यम से राष्ट्रीय चेतावन को जागृत करना और छात्रों को भी भारतीय राष्ट्रवाद से जोड़ना था। विद्यायल के प्रधानाचार्य डा. महेंद्र सिंह महरा ने कहा कि यह स्मरणोत्सव कार्यक्रम न केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण है, बल्कि युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय गौरव और देशप्रेम की भावना से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास भी है। एनसीसी प्रभारी पीआई विनोद कुमार और सीटीओ हीरा टम्टा ने भी वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के समापन पर एनसीसी कैडेट्स की ओर से विद्यालय परिसर के आसपास पौधरोपण किया गया।

नंदा राजजात यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने नंदा राजजात यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं सुरक्षा, यातायात, भोजन, स्वास्थ्य, मार्ग, आवास, टेंट, स्वच्छता, पेयजल, बिजली और संचार व्यवस्था पर चर्चा की।

सीडीओ आरसी तिवारी ने यात्रा की जानकारी दी। डीएम ने कहा कि नंदा राजजात यात्रा आस्था और सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। जिसके सफल संचालन हेतु सभी विभागों को अग्रिम तैयारी और ठोस योजना के साथ कार्य करना होगा। कहा कि सभी विभाग अपने यथार्थवादी व्यय अनुमान तत्काल जिला पर्यटन विकास अधिकारी को प्रेषित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि वे उनके समाधान हेतु अग्रिम कार्ययोजना बनाएं, ताकि यात्रा का संचालन सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से हो सके।

बैठक में एडीएम एनएस नबियाल, मुख्य विकास अधिकारी, आर.सी.तिवारी, तथा वर्चुअल रूप से एसडीएम गरुड व कपकोट, बीडीओ गरुड़ व कपकोट, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, लोक निर्माण विभाग कपकोट, जल संस्थान, उरेडा, ग्रामीण निर्माण विभाग आदि के अधिकारी रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लगाया वृहद किसान मेला

संवाददाता, हल्द्वानी

बैंक ऑफ बड़ौदा के बड़ौदा किसान पखवाड़ा कार्यक्रम में मौजूद वरिष्ठ अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कृषि क्षेत्र में नवाचार और प्रगति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अपने वार्षिक किसान संपर्क कार्यक्रम 'बड़ौदा किसान पखवाड़ा' के आठवें संस्करण के अंतर्गत बाजपुर में वृहद किसान मेला का आयोजन किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा रुद्रपुर क्षेत्रीय प्रबंधक अंजनी कुमार सिंगल ने बताया कि यह पखवाड़ा 15 नवंबर तक देशभर में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक राजेश मल्होत्रा उपस्थित हुए। कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा बरेली अंचल के अंचल प्रमुख प्रतीक अग्निहोत्री, अन्य कार्यपालक, अग्रिम बैंक अधिकारियों, कृषि विशेषज्ञों एवं बड़ी संख्या में किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। किसानों को कृषि से संबंधित नवीन तकनीकों, सरकारी योजनाओं, जैविक खेती, सिंचाई पद्धतियों एवं बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान 51 करोड़ रुपये के किसान ऋण स्वीकृति पत्र वितरण तथा उत्तराखंड की प्रसिद्ध छोलिया लोकनृत्य प्रस्तुति ने कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।

मेले में विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से किसानों को बीज, उर्वरक, कृषि यंत्रों एवं ड्रिप सिंचाई प्रणाली की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से न केवल ज्ञानवर्धन होता है, बल्कि किसानों के बीच पारस्परिक संवाद एवं सहयोग की भावना भी सुदृढ़ होती है। मुख्य अतिथि राजेश मल्होत्रा ने कहा कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि देश की आर्थिक रीढ़ है। आधुनिक तकनीकों और योजनाओं को अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा का यह आयोजन किसानों को जागरूक करने की सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम में महिलाओं को किया सम्मानित

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें विद्यालय की समस्त आचार्य बहनें उपस्थिति रहीं।

सप्त शक्ति कार्यक्रम का शुभारंभ मातृ शक्ति का तिलक लगाकर व सरस्वती मां के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में सोनिया ने एकल गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नारी की सप्त शक्तियों को भी प्रदर्शित किया गया। मुख्य वक्ता गीता जोशी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्ष पार्वती खर्कवाल ने कहा कि मातृ शक्ति समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाती है तथा कार्यक्रम की मुख्य वक्ता गीता जोशी ने कहा कि सप्तशक्ति संगम महिलाओं में नेतृत्व और संगठन शक्ति को प्रभावशाली बनाने का मंच है।

कार्यक्रम में विशिष्ट माता के सम्मान में हेमा जोशी एवं कल्पना चौहान को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन किरन बिष्ट ने किया। कार्यक्रम में विवेकानंद विद्या मंदिर आचार्या किरन बिष्ट, प्रीति गुप्ता, प्रभा पांडे, राजेश्वरी पांडेय, सुशीला उप्रेती, रीता बोहरा, गीता प्रजापति मौजूद रहे।

अमृत विचार

बुधवार, 12 नवंबर 2025

मूर्ख व्यक्ति बिना बुलाए ही अंदर चला आता है, बिना पूछे ही बोलने लगता है तथा जो विश्वास करने योग्य नहीं हैं, उन पर भी विश्वास कर लेता है।
– महात्मा विदुर

आतंकी साजिशों का साया

देश की सुरक्षा व्यवस्था को गहरी चेतावनी देने वाले दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट ने यूपी के कई चिराग बुझा दिए। यह मात्र आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें पुनः पनपने लगी हैं। पिछले कुछ महीनों में गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आतंकियों की गिरफ्तारियों तथा संदिग्ध गतिविधियों के जो सिलसिले सामने आए हैं, वे बताते हैं कि देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ता जा रहा है। शुरुआती जांच में मिली सामग्री, रासायनिक अवशेष और विस्फोटक तत्व यह संदेह मजबूत करते हैं कि देश में भारी मात्रा में आतंकी हरबे हथियार पहुंच चुके हैं। इसका मतलब है कि आतंकी संगठन देश के भीतर फिर से अपने नेटवर्क को सक्रिय करने में सफल हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश, विशेषकर उसके पश्चिमी और मध्य क्षेत्र, लंबे समय से आतंकी संगठनों के पसंदीदा हैं। राज्य की जनसंख्या, धार्मिक और राजनीतिक संवेदनशीलता तथा दिल्ली से निकटता इसे आतंकियों के लिए आसान टारगेट बनाती है। खुफिया सूत्र बताते हैं कि कुछ शहर जैसे लखनऊ, मेरठ, वाराणसी और कानपुर आतंकी मॉड्यूल्स के निशाने पर हैं। गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में पकड़े गए आतंकियों और फरीदाबाद मॉड्यूल से मिले सुराग भी इस आशंका को बल देते हैं कि देशभर में विभिन्न छोटे-छोटे मॉड्यूल किसी साझा उद्देश्य के तहत काम कर रहे हैं। इस बात पर सरकारी एजेंसियों को गहरा शक है कि दिल्ली विस्फोट फिदायीन हमला हो सकता है या संभव है कि शृंखलाबद्ध आतंकी साजिश का हिस्सा। इस पर भी संदेह है कि कार्रवाई के डर से विस्फोटक की जगह बदलते समय दुर्घटनावश यह विस्फोट हुआ हो। फिदायीन हमले की आशंका, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों पर संदेह और विदेशी खुफिया एजेंसियों की भूमिका के संकेतों के बावजूद, सरकार और पुलिस द्वारा इस विस्फोट को "आतंकी हमला" घोषित करने में झिझक यह दर्शाती है कि जांच एजेंसियां अभी निर्णायक सबूतों की प्रतीक्षा में हैं। परंतु यह भी सच है कि किसी भी देरी से आतंकी नेटवर्क को अपने निशान मिटाने का मौका मिल जाता है।

आतंकवाद केवल पारंपरिक हथियारों या विस्फोटकों तक सीमित नहीं रहा, रासायनिक तत्वों, साइबर हैकिंग और फर्जी डिजिटल पहचान के माध्यम से आतंकी अपनी उपस्थिति छिपा रहे हैं। गृह मंत्रालय को पारंपरिक खुफिया नेटवर्क के साथ साइबर निगरानी, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और अंतर्राज्यीय समन्वय वाले "हाइब्रिड काउंटर-टेररिज्म स्ट्रैटेजी" की आवश्यकता है। सरकार ने पिछले दशक में आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीतियां बनाईं, लेकिन अब चुनौती का स्वरूप बदल चुका है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षा एजेंसियां घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने की बजाए खतरे का अनुमान लगाकर पहले ही कार्रवाई करें। यह विस्फोट महज एक हादसा नहीं, बल्कि यह आगाह है कि अगर हमने अपने सुरक्षा ढांचे को आधुनिक तकनीकी और रणनीतिक दृष्टि से मजबूत नहीं किया, तो आने वाले समय में ऐसे "संदिग्ध विस्फोट" एक भयावह वास्तविकता बन सकते हैं। सरकार को मौजूदा जांच के साथ ही नीति स्तर पर एक व्यापक आतंक-निरोधी रणनीति लागू करनी चाहिए ताकि किसी भी शहर में न तो आतंकी संगठन पनपे न ऐसी जानलेवा गतिविधियां हों।

प्रसंगवश

डॉ. सलीम अली की नीतियों से करना होगा पक्षियों का संरक्षण

डॉक्टर सलीम अली को भारत भर में पक्षियों का व्यवस्थित सर्वेक्षण के लिए जाना जाता है। उन्हें 'भारत के पक्षी पुरुष' के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने पक्षियों पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं, जिससे भारत में पक्षी विज्ञान को समझने और बढ़ावा देने में मदद मिली है। उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 1958 में पद्म भूषण और 1976 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया, लेकिन चिंता की बात यह है कि उनके सतत प्रयासों और जागरूकता के बावजूद भी भारत में पक्षियों की आबादी तेजी से घट रही है। वर्ष 2020 में संयुक्त राष्ट्र की 'स्टेट ऑफ इंडियाज' बड्र्स की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हुआ था कि भारत में 79 प्रतिशत पक्षियों की तादाद घट गई है। यह रिपोर्ट इसलिए विश्वसनीय है कि 867 प्रकार के पक्षियों का अध्ययन कर उनके दीर्घावधि (25 साल) और लघु अवधि (5 साल) के आंकड़े जुटाए गए और निष्कर्ष पर पहुंचा गया। भारत के पक्षियों की स्थिति रिपोर्ट 2023 में कहा गया है कि 60 प्रतिशत प्रजातियों की गिरावट व निवास स्थान का नुकसान हुआ है, पर अच्छी बात यह है कि विगत वर्षों से गौरैया की संख्या स्थिर रही है। हालांकि दिल्ली, मुंबई समेत आधा दर्जन शहरों में इनकी संख्या घटी है। देश में प्रवासी पक्षियों का आना भी कम हो रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में ओखला बर्ड सेंचुरी में प्रवासी पक्षियों का आगमन लगातार कम हो रहा है। पक्षी विज्ञानियों की माने तो बर्ड सेंचुरी के आसपास बढ़ते वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण की वजह से प्रवासी पक्षी यहां आना पसंद नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा दलदली और जल वाली भूमि का लगातार घटते जाना भी एक प्रमुख कारण है। जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पश्चिमी घाटों पर वर्ष 2000 से अब तक पक्षियों की संख्या में 75 प्रतिशत तक कमी आई है। याद होगा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने वर्ष 2013 में भारत में देखे जाने वाले पक्षियों की दस प्रजातियों को बेहद गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल किया था। इनमें ग्रेट साइबेरियन क्रेन, गोडावण, सफेद पीठ वाला गिद्ध, लाल-सिर वाला गिद्ध, जंगली उल्लू, स्पून बिल्ड सैंडपाइपर और सफेद पेट वाला बगुला प्रमुख था। इन पक्षियों की आबादी में गिरावट की मुख्य वजहों में आवास का नुकसान, संशोधन, बिखंडन, पर्यावरण प्रदूषण को प्रमुख रुप से जिम्मेदार माना गया। ग्लोबल वार्मिंग ने पक्षियों के अस्तित्व को और भी अधिक संकट में डाल दिया है।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

गौरतलब है कि भारत में विभिन्न प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं, जिनमें गौरैया, कौआ, तोता, तीतर, चर्खी, शामा, भुजंगा आदि पक्षी आमजन के बेहद करीब माने जाते हैं, लेकिन इन पक्षियों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। पक्षियों के संरक्षणकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि दुनिया की सबसे वजनदार पक्षियों में से एक सोन चिरैया की प्रजाति लुप्त होने के कगार पर है। सोन चिरैया को कभी भारत व पाकिस्तान की घास भूमियों पर देखा जाता था, लेकिन अब ये एकांत भरे क्षेत्रों में ही देखने को मिलते हैं। पक्षी विज्ञानियों की मानें, तो पृथ्वी पर मानव की गतिविधियों और जंगलों के विनाश के कारण पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं। वर्ष 1500 से अब तक तकरीबन पक्षियों की 190 प्रजातियां पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं। गौर करें तो सर्दियों के मौसम में तो भारतीय उपमहाद्वीप के विशेष क्षेत्र मसलन झील, आर्द्रभूमि या बैकवाटर प्रवासी पक्षियों का बसेरा बन जाता है। उचित होगा कि विलुप्त हो रहे पक्षियों को बचाने के लिए 'भारत के पक्षी पुरुष' के पद चिह्नों पर चले ताकि पक्षियों का कलरव तेज हो सके।

क्या कोई लेगा दुखद हादसे की जिम्मेदारी?

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

ब्लास्ट होने के महज कुछ घंटों पहले दिल्ली से सटे 47 किलोमीटर दूर फरीदाबाद में संदिग्धों के घरों से हथियारों का भारी मात्रा में जखीरा मिलना और सैकड़ों किलो आरडीएक्स की बरामदगी घटना से संबंध जुड़ने की ओर इशारा करती है? बेशक घटना को अभी आतंकी या फिदायीन हरकत करार न दी गई हो? पर हमले का मॉड्यूल बहुत कुछ कहता है। हालांकि केंद्रीय जांच एजेंसियां, एनआईए और एनएसजी फिलहाल हर एंगल से कड़ियों को जोड़ने में लगी है। खुदा-न-खास्ता अगर ये आतंकितयों की हरकतें निकली, तो समझ लेना चाहिए कि अब उन्होंने अपने मंसूबों को अंजाम देने वाले तरीकों में बदलाव कर लिया है। दिन में आतंकी नेटवर्क का पकड़ा जाना और देर शाम को धमाका हो जाने की थ्योरी पर सभी अचंभित हैं। दिल्ली जैसा राज्य जो अतिसुरक्षित हो, चप्पे-चप्पे पर चौबीसों घंटे चौकसी रहती हो? जहां केंद्र सरकार से लेकर खुफिया एजेंसियों का ठिकाना हो, वहां घटित ऐसे हादसे को सीधे-सीधे हुकूमत की नाकामी और सुरक्षा तंत्र की घोर विफलता ही कहा जाएगा।

विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी? घटना के समय चारों तरफ भगदड़ मचना, चीख-पुकार का तेज शोर व विस्फोटक चिंगारियों से मेट्रो स्टेशन के शीशों का चटाचट टूटना और ब्लास्ट वाली कार का एक गेट करीब 90 मीटर दूर जाकर गिरने के मंजर को देखकर प्रत्यक्षदर्शी, राहगीर और दुकानदार सहम से गए। लोग दुकानों में छिप गए, गाड़ियों की आड़ लेकर बैठ गए। ब्लास्ट वाली जगह पर चौबीसों घंटे लोगों की चहल-पहल रहती है। एशिया का सबसे बड़ा बाजार भी वहीं है, इसलिए उसे व्यस्तम इलाकों में गिना जाता है। लालकिले के बाहरी हिस्से में लाखों लोगों की प्रतिदिन आवाजाही रहती है। गनीमत ये रही कि सोमवार का दिन था, अमूमन दुकानें बंद रहती हैं। वरना, इस भयभीत मंजर से भगदड़ मचने से और भी बड़ी घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे अचानक से धरती फट गई हो और आसमान पूरा लाल हो गया हो? लोगों ने बताया घटनास्थल पर किसी का हाथ पड़ा था, तो किसी की कटी हुई गर्दन? जलते मांस के टुकड़ों से आती गंध ने और ज्यादा मंजर डरावना कर दिया। कुछ मिनट तक लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है?

दिल्ली सत्ता का केंद्र ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से प्रतीक भी माना जाता है। बहरहाल, फिदायीन हमले की आशंका है, जिसको मद्देनजर रखकर ही एनआईए और एनएसजी जांच में जुटी है, क्योंकि ऐसे हमलों की खुफिया जानकारियां उन्हें पूर्व से प्राप्त हैं। तकरीबन इस तरह के हमले विस्फोटक पदार्थों से ही किए जाते हैं, जिसका पुलवामा कांड सबसे बड़ा उदाहरण है। इंटेलिजेंस को अगस्त से ही इंटपुट मिल चुके थे कि जम्मू के रास्ते कुछ आतंकी देश में प्रवेश कर चुके हैं, जो कहीं न कहीं बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। उन्हें डिटेन करने में तमाम खुफिया एजेंसी सक्रिए थीं, लेकिन सटीक जानकारियां का अभाव रहा। हालांकि हथियार और आरडीएक्स को बरामद करने में सफलता जरूर मिली, लेकिन कौन से आतंकी संगठन शामिल हैं और उनका घटनाई मॉड्यूल क्या है? आदि की जानकारी से हाथ खाली रहा। मौजूदा घटना के तह तक जाने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं पर समय रहते अगर प्रतिबंध नहीं हुआ, तो आतंकियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे।

घटना में हरियाणा नंबर की, जो कार प्रयुक्त हुई है, उसकी पहचान जांच एजेंसियों ने कर ली है। कार का मालिक फरीदाबाद निवासी कोई मोहम्मद सलमान नाम का है, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। कुछ महीने पहले उसने उस कार को सेकंड हैंड किसी से खरीदी थी। निश्चित रूप कार के जरिए बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। कार का इसी साल सितंबर में गलत पार्किंग को लेकर फरीदाबाद में चालान भी कटा था। घटना के वक्त कार में तीन लोगों के होने की आशंका जताई गई, जो थे, उनके चिथड़े उड़ चुके हैं। कार में वांछित डॉ. उमर मोहम्मद के होने की भी आशंका है, वहीं उमर जिसके घर से घटना के कुछ घंटों पहले हथियारों का जखीरा और आरडीएक्स बरामद हुआ था। कार से बरामद शव उस हालत में नहीं हैं, जिनकी शिनाख्त की जाए, डीएनए जांच से ही उनकी पुष्टि हो सकेगी।

घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ खड़े हुए हैं। जैसेकि ब्लास्ट होने की भनक भारतीय खुफिया एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? घटना केंद्र सरकार और स्थानीय सरकार के बिल्कुल नाक के नीचे घटी। पुलिस को ब्लास्ट की सूचना 6 बजकर 52 मिनट पर मिली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-एक के बा-मुश्किल 20-25 मीटर दूरी पर लाल बत्ती रेड लाइट पर एक स्लो मोशन कार आती है और ब्लास्ट हो जाता है। सीसीटीवी फुटेज में कार घटना के कुछ घंटे पहले पास के एक मस्जिद परिसर में खड़ी देखी गई। क्या प्लानिंग पहले से की गई थी या फिर आरडीएक्स के शेष हिस्से को ब्लास्ट के जरिए दफन करना था।

फिलहाल दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक? घटना में 11 लोगों के मरने और 24 के घायल के आंकड़ों को प्रशासन ने जारी किया है। आंकड़े बढ़ सकते हैं। कब तक बेकसूर लोग अपनी जाने ब्लास्ट जैसी घटनाओं में देते रहेंगे? अमन-शांति के हुकूमती नारे धरातल पर कब उतरेंगे, कौनसी घड़ी आएगी जब ये सब होगा? ऐसे सवाल प्रत्येक भारतीयों के मन में उठने लगे हैं।

फिलहाल दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक?

आमने

प्रदेश के हर स्कूल में 'वंदे मातरम' राष्ट्रगीत को अनिवार्य करेंगे। यह वही लोग हैं, जो लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शामिल होते हैं। वंदे मातरम के विरोध का कोई औचित्य नहीं, वंदे मातरम का इस प्रकार का विरोध भारत के विभाजन का दुर्भाग्यपूर्ण कारण बना था।
– योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सामने

ये बहस आज हम कर रहे हैं, क्या उस समय, जो संविधान के निर्माता थे, उन्होंने बहस नहीं की? इसीलिए राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दिया। अगर यही होता कि इसे गाना ही गाना है, तो क्यों अनिवार्य नहीं किया गया? उन्होंने चॉइस छोड़ दी थी। भाजपाइयों से कई बार पूछा गया कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत क्या है, वे नहीं बता पाए थे।
– अखिलेश यादव, पूर्व सीए, उप्र

चिंताजनक है आम आदमी के अधिकारों का दुरुपयोग

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

आम नागरिक, सरकारी विभाग, पुलिस, न्यायधीश, सूचना आयोग.. सब के सब ब्लैकमेलर्स अफवाह बाज शिकायती गिरोहों से परेशान हैं। सूचना आयुक्त और सरकारी विभागों ने साफ कहा है कि सूचना के अधिकार और मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल (आईजीआरएस) का खूब दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह आम समाज की ताकत सोशल मीडिया/एआई भी अफवाह बाजों का हथियार बन गई है। जनहित याचिकाओं के बेजा इस्तेमाल से न्याय-व्यवस्था परेशान है, जिसके होते झूठी और फर्जी तथ्यहीन आरोपों पर बार-बार याचिकाएं दाखिल करने वालों को अर्थदंड का प्रावधान लागू किए जाने पर मजबूर होना पड़ा है।

सोशल मीडिया के साथ एआई की आधुनिक तकनीक को अफवाहबाजों ने कोढ़ में खाज बना दिया है। अभी कुछ दिन पहले ही एआई जनरेट तस्वीर ने सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैला दी कि लखनऊ के पॉश कॉलोनी में शेर घूम रहा है। ऐसी तस्वीर बनाकर वायरल करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लखनऊ पुलिस ने इस अफवाह पर विराम लगाया। इसी तरह एआई तकनीक से एक फर्जी वीडियो में दिखाया गया कि देश की प्रतिष्ठित महिला पत्रकार गृह मंत्री के जूते साफ कर रही हैं। अफवाहबाजी की ऐसी एक नहीं सैकड़ों-हजारों कहानियां हैं। ब्लैकमेलर और अफवाहबाज सूचना का अधिकार कानून और सोशल मीडिया का खूब दुरूपयोग कर रहे हैं। एजेंडा धारी स्वार्थवश झूठे एजेंडे चला रहे हैं। साइबर अपराध खूब फल फूल रहा है।

सूचना का अधिकार, जनहित याचिका हो, आईजीआरएस या सोशल मीडिया, आम नागरिकों के ये जायज हथियार नाजायज तरीके से हथिया लिया जा रहा है। पिछले दो दशक में बहुत कुछ बदला है। तकनीक का तेजी से विस्तार हुआ और इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी आगे बढ़ी। सोशल मीडिया और सूचना का अधिकार का सदुपयोग भी हो रहा है। सोशल मीडिया सूचनाओं, जानकारियों, ज्ञान, सकारात्मक कंटेंट, प्रतिभाओं, झूठ के खिलाफ सच्चाइयों को आसानी से परोसने और आगे बढ़ाने का बेहतरीन माध्यम है। सूचना का अधिकार सूचनाएं, जानकारियां प्राप्त करने, पार्दर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ आम जनता का अधिकार है और ताकतवर हथियार भी।

सोशल मीडिया के हथियारों के साथ जनहित याचिकाओं और शिकायत के अधिकारों का दुरुपयोग करने वाले शिकायती गिरोहों की ब्लैकमेलिंग के धंधे जितना परवान चढ़ रहे हैं आम नागरिकों का अधिकार कमजोर पड़ रहा है। ये चिंता का विषय है और इस पर लगाम बेहद जरूरी है। आरटीआई की साइट पर जाइए और शिकायतों के विवरण पर गौर कीजिए, तो पता चलेगा कि चंद नाम निरंतर दर्जनों सूचनाएं मांग रहें हैं और ऐसा ही मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर भी कुछ शिकायतकर्ता या तो बार-बार शिकायत कर रहे हैं या फिर फर्जी नामों या डमी नामों से शिकायतें खूब की जा रही हैं।

ऐसे ही ब्लैकमेलिंग के इरादे से शिकायती गिरोह का एक-एक सदस्य आधा-आधा दर्जन जनहित याचिकाएं दाखिल किए हैं। बाद में अधिकांश याचिकाओं की पैरवी बंद कर दी जाती है। यानी समझौता, सफल निगोशिएशन या यूं कहिए कि ब्लैकमेलिंग का ऑपरेशन लेन-देन सफल और याचिकाएं, शिकायतें, सूचनाएं डंप या वापस ले ली जाती हैं। राज्य सूचना आयुक्त और लखनऊ विकास प्राधिकरण सहित कई सरकारी विभागों के अनुसार एक व्यक्ति दर्जनों/सैकड़ों बार सूचनाएं मांगता और शिकायतें करता हैं। ये लोग संगठित तौर पर पैरवी और अपील में भी डटे रहते हैं। ऐसे में आम इंसान की जायज शिकायत या मांगी गई सूचना धंधेबाजों की भीड़ में बहुत पीछे हो जाती है। खबर के लिए सूचनाएं मांगने और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार भी ब्लैकमेलरों के संगठित गिरोहों से परेशान हैं।

ऐसे गैंग बाकायदा सिस्टेमैटिक ढंग से काम करते हैं। एक विंग के लोगों की आईडी या सिग्नेचर/फर्जी सिग्नेचर से सूचनाएं मांगी जाती हैं। आईजीआरएस (मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत) की जाती है। जनहित याचिकाएं मांगी जाती हैं। ये धमकी भरे नोटिस भेजने और धोखाधड़ी से फर्जी एफआईआर/ 156(3) कराने में भी माहिर होते हैं। आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाओं और शिकायतों को सोशल मीडिया पर वायरल करने का विंग अलग होता है। गिरोह का तीसरा विंग जनहित याचिकाएं/एफआईआर/आईजीआरएस/शिकायत वापस लेने के निगोशिएशन के लिए होता है।

चिंता की ये ज्यादा बात नहीं कि लोग ब्लैकमेलिंग का शिकार हो रहे हैं। अधिक चिंता की बात ये है कि आम नागरिकों का जायज हथियार छीनकर नाजायज तरीके से चलाया जा रहा है। वैसे ही जैसे गरीबों की झोपड़ियों और बस्तियों पर भू-माफियाओं की नजर रहती है। आम जनमानस, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अधिकार रूपी सशक्त हथियारों को ब्लैकमेलिंग की शिकायती गिरोहबाजी से मुक्त कराना कानून, शासन-प्रशासन, पत्रकारिता और जनता सभी का फर्ज है।

आरटीआई की साइट पर जाइए और शिकायतों के विवरण पर गौर कीजिए, तो पता चलेगा कि चंद नाम निरंतर दर्जनों सूचनाएं मांग रहें हैं।

सोशल फोरम

शराबबंदी ने एक नए उद्योग को दिया जन्म!

पूरी दुनिया में लोग शराब पीते हैं, लेकिन पियक्कड़ भारत में ही मिलते हैं। अपराध का एक बहुत बड़ा कारण शराब भी है। नीतीश कुमार ने शराब बंदी कर एक सार्थक कदम उठाया था, लेकिन जब अगल-बगल के राज्यों में शराब पर कोई पाबंदी नहीं हो, तो शराबबंदी को बिहार में असफल होना ही था, जो कि हुआ है। उल्टे इसने एक नए उद्योग को जन्म दे दिया। शराब के अवैध व्यापार का और पुलिस को कमाई का एक नया जरिया पैदा कर दिया। अगर आप इन पियक्कड़ों का दर्शन करना चाहें, तो शाम सात बजे से रात दस बजे बीच जो भी ट्रेन यूपी से बिहार में प्रवेश करे, उसके रिजर्व बोगी में बैठ जाइए। दो-चार पियक्कड़ मिल ही जाएंगे। बिना टिकट ट्रेन से यूपी में जाते हैं और उधर से टर्र होकर बिना टिकट किसी ट्रेन से वापस हो जाते हैं। हो सकता है, कोई-कोई इतना अधिक पी लिया हो कि ठीक से खड़ा भी न हो सके और तो और किसी सीट पर बैठे या सोये उल्टी भी करने लगे, जैसा कि बीते दिन मैंने देखा। ट्रेन थी हरिहर एक्सप्रेस अंबाला से बरौनी की लंबी दूरी तय करने वाली। बलिया से आगे बढ़ते और बिहार करीब आते ही ट्रेन बिना मां-बाप के हो गई। जैसे कि पटना और आरा के बीच ट्रेनें होती हैं। न कोई टिकट चेकर, न कोई पुलिस। अगले सुरेमनपुर स्टेशन पर तीन मुस्टंडे सवार हुए। उनमें से एक मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था। ओवरडोज ले लिया होगा। बी-1 कोच में मेरे सामने तीन सीटें खाली थीं। एक ने लाइट ऑफ की और दो ने सहारा देकर ओवरडोज वाले को जैसे-तैसे नीचे सुला दिया। अपने दोनों इधर-उधर पसर गए। छपरा आने के पहले ही तीनों वहां से चले भी गए। मैं अपने टैबलेट में पढ़ रहा था। ट्रेन शहर में प्रवेश की, तो मैं भी उठा और लाइट जलाया। फिर नीचे नजर पड़ी। सामने के तीनों सीट के चादर, कंबल नीचे गिरे हुए थे। सोचा, पियक्कड़ ने गलती से गिरा दिया है, उठाकर रख दूं। पर यह क्या, नीचे तो पूरी उलटी पसरी थी, जिसको पियक्कड़ों ने ट्रेन के कंबल, चादर आदि से ढक दिया था। सोचने लगा कंबल और चादर की दुर्गति पर। कोच अटेंडेंट को जाकर बोला। उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं, मानों इसका आदी हो। वह सफाई कर्मचारी को बुलाया, साफई करवाई। मैंने पूछा, "क्यों जी, तुम लोग ऐसे लोगों को कुछ बोलते नहीं हो?" उन्होंने चुप्पी साध ली। फिर कहा, "क्या कीजिएगा सर! रोज ऐसा होता है।" मैंने भी सोचा, ये आखिर क्या कर सकते हैं? जब सरकार पियक्कड़ों से नहीं निपट पा रही है, तो ये ठेके पर रखे गए लड़के हैं। अपनी जान जोखिम में क्यों डालें?

राना सिंह
सेवानिवृत प्रोफेसर

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं डिप्टी स्पीकर पद की रिक्तता

संसदीय लोकतंत्र की जड़ें केवल चुनावों से नहीं, बल्कि उन संवैधानिक परंपराओं से सुदृढ़ होती हैं, जो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण परंपरा है लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) का पद। सुप्रीम कोर्ट में लंबित जनहित याचिका (संख्या 126/2023) ने इस मुद्दे को एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। इस याचिका में कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद-93 और 178 के तहत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव 'यथाशीघ्र' कराए जाने चाहिए, किंतु व्यावहारिक स्थिति यह है कि अध्यक्ष का चुनाव तो पहले ही दिन हो जाता है, जबकि उपाध्यक्ष का चुनाव महीनों और कभी-कभी तो वर्षों तक टलता रहता है।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
लेखक, जयपुर

वर्तमान में लोकसभा में यह पद जून 2019 से रिक्त है। राजस्थान विधानसभा ने अपनी 15 वीं विधानसभा के पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल में उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं कराया और वर्तमान 16 वीं विधानसभा में भी लगभग दो वर्ष बीत जाने के बाद पद अब तक खाली है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसी बड़ी विधानसभाओं में भी यही स्थिति है। झारखंड विधानसभा में तो यह पद बीस वर्षों से अधिक समय से रिक्त है। ये आंकड़े केवल प्रशासनिक उपेक्षा नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादा के उल्लंघन की ओर संकेत देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह प्रश्न पूछा है कि आखिर 17 वीं लोकसभा का पूरा कार्यकाल बीत जाने और 18 वीं लोकसभा के गठन के एक वर्ष बाद भी उपाध्यक्ष का चुनाव क्यों नहीं हुआ? यह प्रश्न केवल संवैधानिक औपचारिकता का नहीं, बल्कि नैतिक और राजनीतिक उत्तरदायित्व का भी है। संविधान निर्माताओं की दृष्टि में 'यथाशीघ्र' का अर्थ अनिश्चित काल तक प्रतीक्षा नहीं, बल्कि तत्काल अनुपालन से था। इस पद की उपेक्षा संविधान की उस भावना के विरुद्ध है, जो सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संस्थागत संतुलन की रक्षा करती है।

संविधान सभा की चर्चाओं में यह स्पष्ट किया गया था कि उपाध्यक्ष का पद केवल अध्यक्ष के स्थानापन्न के रूप में नहीं, बल्कि सदन की निरंतरता और निष्पक्षता के प्रतीक के रूप में आवश्यक है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं, विभिन्न संसदीय समितियों का नेतृत्व करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संसदीय व्यवस्था निर्बाध रूप से चलती रहे। भारतीय संसदीय परंपरा में यह पद लंबे समय तक विपक्ष को दिया जाता रहा है ताकि सदन के संचालन में निष्पक्षता बनी रहे। यह राजनीतिक उदारता और संवादशीलता का उदाहरण था, किंतु आज ऐसी परंपराएं विलुप्त होती जा रही हैं। लोकसभा में 1991 से यह परंपरा स्थापित हुई थी कि उपाध्यक्ष पद विपक्ष को मिले, पर 17 वीं लोकसभा में यह परंपरा टूट गई। यह केवल संवैधानिक अवहेलना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सह-अस्तित्व की भावना के क्षरण का संकेत है। उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में न केवल सदन की कार्यवाही का संतुलन प्रभावित होता है, बल्कि विपक्ष को संस्थागत प्रतिनिधित्व से भी वंचित किया जाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका ने यह प्रश्न उठाया कि क्या संवैधानिक पदों की नियुक्ति राजनीतिक सुविधा पर छोड़ी जा सकती है? जब अध्यक्ष का चुनाव कुछ ही घंटों में संभव है, तो उपाध्यक्ष का वर्षों तक लंबित रखना संवैधानिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न है। लोकतंत्र केवल शासन की व्यवस्था नहीं, बल्कि आचरण की संस्कृति है। यदि लोकसभा और विधानसभाएं यथाशीघ्र उपाध्यक्ष का चुनाव कर लें, तो यह संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति सम्मान होगा। सत्ता-पक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र का संचालन केवल बहुमत से नहीं, बल्कि मर्यादा से होता है और उपाध्यक्ष का पद उसी मर्यादा का सशक्त प्रतीक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

संगीत की मधुर इबारत लिखता भातखंडे

प्रख्यात संगीतकार विष्णु नारायण भातखंडे द्वारा 1926 में मैरिस कालेज ऑफ म्यूजिक के नाम से स्थापित संगीत विद्यालय एक सदी में वक्त के साज पर मनोहारी स्वर लहरियां उत्पन्न करता नजर आ रहा है। यह न केवल भारत का प्रमुख संगीत संस्थान बन चुका है, बल्कि उत्तर प्रदेश के पहले राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा भी हासिल कर चुका है। भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में दुनिया के कई देशों से विद्यार्थी संगीत और नृत्य की शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं।

-शबाहत हुसैन विजेता
लखनऊ

एक सदी का सफर

1926 से 1966 तक मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक के नाम से पहचान रखने वाला संस्थान 1966 में अपने जनक विष्णु नारायण भातखंडे के नाम पर भातखंडे कॉलेज ऑफ हिन्दुस्तानी म्यूजिक में बदल गया। वर्ष 2000 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिला और तत्कालीन प्रधानाचार्य डॉ. पूर्णिमा पांडेय को कुलपति बनाया गया। 2022 तक यह डीम्ड विश्वविद्यालय रहा। इस दौरान पं. विद्याधर व्यास, श्रुति सडोलीकर को यहां का कुलपति बनाया गया। कुछ समय तक यहां कार्यवाहक कुलपति भी रहे, लेकिन 2022 में राज्य विश्वविद्यालय बन जाने के बाद भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में प्रो. मांडवी सिंह पहली कुलपति बनीं।

मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक नाम के पीछे की कहानी

संगीत के अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के इस संस्थान को विष्णु नारायण भातखंडे ने शुरू किया, लेकिन इसका उद्घाटन संयुक्त प्रांत के तत्कालीन गवर्नर सर विलियम सिंक्लेयर मैरिस ने किया और कालेज का नाम भी उन्हीं के नाम पर कर दिया गया। आजादी के 19 साल बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका अधिग्रहण किया और इसका नाम इसके संस्थापक के नाम पर किया गया।

सुनहरी हैं उम्मीदें

इस साल हुए दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से 8 स्वर्ण पदक लेकर अंशिका कटारिया जैसे विद्यार्थियों ने यह उम्मीद जाहिर कर दी है कि संगीत में आने वाला कल भी बहुत सुनहरा है। योग्य गुरुओं से सीखकर विद्यार्थी सफलता का आसमान चूमने को बेकरार हैं।

सुनहरा रहा है एक सदी का सफर

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने संगीत की दुनिया को पार्श्व गायक तलत महमूद, गायक अनूप जलोटा, संगीतकार नौशाद, शास्त्रीय गायक पं. केजी गिंदे, श्रीलंकाई गायिका नंदा मालिनी, दीपिका प्रियदर्शिनी और कल्पना पटवारी जैसे कलाकार दिए। इस संस्थान में मलिका-ए-गजल पद्मभूषण बेगम अख्तर, अहमद जान थिरकवा, कथक नर्तक पुरु दाधीच, एस एन रतजनकर और मोहन राव कल्याणपुरकर जैसे नामचीन कलाकार शिक्षक के रूप में रहे। राज्य विश्वविद्यालय बन जाने के बाद तो पिछले तीन साल में यहां दुनियाभर के संगीत शिक्षक संगीत की शिक्षा देने के लिए आते रहे।

कौन थे पं. विष्णु नारायण भातखंडे

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत पर पहला आधुनिक ग्रंथ लिखने वाले पं. विष्णु नारायण भातखंडे ने रागों की व्याख्या सहज भाषा में की। रागों के व्याकरण की व्याख्या करने वाली कई बंदिशों की रचना की। संगीत प्रेमियों को यह जानकार झटका लग सकता है कि संगीत में अपना अमूल्य योगदान देने वाले भातखंडे जी के परिवार का संगीत से कोई जुड़ाव नहीं था। एलिफिंस्टन कॉलेज मुंबई में, उन्होंने कानून की डिग्री ली थी। कुछ समय तक उन्होंने आपराधिक मुकदमे भी लड़े, क्योंकि पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने सितार की शिक्षा भी लेनी शुरू कर दी थी इसलिए उनकी संगीत में रूचि बढ़ गई, उन्होंने संगीत से जुड़े ग्रंथों का अध्ययन भी किया। उस्ताद अली हुसैन से ख्याल और ध्रुवपद की विधिवत शिक्षा ली। वर्ष 1900 में पत्नी और 1903 में बेटी के निधन के बाद उन्होंने वकालत पूरी तरह से छोड़ दी और संगीत में ही रम गए।

डीम्ड विश्वविद्यालय रहने के दौरान विवादों से रहा चोली दामन का साथ

वर्ष 2000 से 2022 के बीच जब यह विश्वविद्यालय डीम्ड यानी सम विश्वविद्यालय था तब यहां खूब विवाद पनपे और विश्वविद्यालय सियासत का गढ़ बना रहा। शिक्षकों ने कुलपतियों के खिलाफ मोर्चा खोला। शिक्षकों के वेतन के मामले में विवाद हुए। पेंशन मामले विश्वविद्यालय से शासन के बीच घूमते रहे। शिक्षकों ने कुलपतियों की शिकायतें राजभवन तक पहुंचाईं।

विश्वविद्यालय में होती है इन विषयों की पढ़ाई

अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में कथक और भरतनाट्यम नृत्य के अलावा तबला, सितार, ढोलक, पखावज वादन की शिक्षा दी जाती है। विभिन्न विषयों में बीपीए (स्नातक), एमपीए (स्नातकोत्तर) की शिक्षा के साथ पीएचडी कराई जाती है। भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य में दो वर्षीय डिप्लोमा, ध्रुवपद-धमार, ठुमरी-दादरा, सुगम संगीत, हारमोनियम और लोकनृत्य में दो वर्षीय डिप्लोमा, लोक संगीत और ढोलक में एक वर्षीय डिप्लोमा का कोर्स कराया जाता है। इस विश्वविद्यालय में ध्रुवपद-धमार, ठुमरी गायन, सुगम शास्त्रीय संगीत, संगीत रचना और निर्देशन में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

आर्ट गैलरी

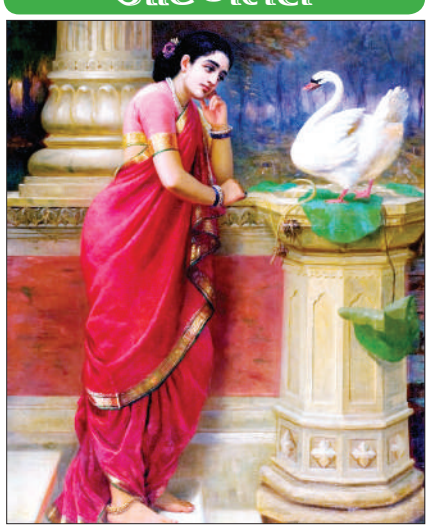

हंस दमयंती

राजा रवि वर्मा की एक प्रसिद्ध पेंटिंग है 'हंस दमयंती'। यह सरल, परिष्कृत, सुंदर और देखने में सुखद है। इसमें थोड़ा-सा नाटकीयपन भी है। दमयंती ने सुंदर भावों के साथ अपनी मुद्रा बनाई है। उनकी भाव-भंगिमाएं आकर्षक हैं और ऐसा लगता है जैसे वह रेलिंग पर बैठे हंस की बात ध्यान से सुन रही हैं। इस पेंटिंग में नीले, गुलाबी और सुनहरे रंगों का एक सौम्य मिश्रण है। ये सभी मिलकर पेंटिंग और दृश्य को एक स्वप्न जैसा प्रभाव देते हैं।

राजा रवि वर्मा देश के सबसे प्रसिद्ध चित्रकारों में से एक हैं। उन्हें 'आधुनिक भारतीय कला का जनक' भी कहा जाता है। उनकी पेंटिंग की खासियत पौराणिकता और ऐतिहासिक दृश्यों में है। उन्होंने अपने पात्रों, खासकर महिलाओं को रंगों, गति और शैली के माध्यम से चित्रों में जीवंत कर दिया। उनका जन्म 29 अप्रैल 1848 को केरल के किलीमनूर महल में हुआ था।

रवि वर्मा ने अपनी कला में भारतीय विषयों को यूरोपीय यथार्थवादी शैली (Realistic Style) के साथ मिश्रित किया, जो उस समय में एक क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं और पौराणिक कथाओं (महाभारत, रामायण) के पात्रों को मानवीय रूप में चित्रित किया, जिससे ये छवियां आम लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय हो गईं। आज भी हिंदू देवी-देवताओं की जो तस्वीरें कैलेंडर और घरों में दिखाई देती हैं, उनमें से कई राजा रवि वर्मा की पेंटिंग्स से प्रेरित हैं।

उनकी एक बड़ी उपलब्धि लिथोग्राफिक प्रिंटिंग प्रेस के माध्यम से अपनी कलाकृतियों को जनसाधारण तक पहुंचाना था। इससे पहले कला केवल राजघरानों तक ही सीमित थी।
उनकी प्रमुख कृतियों में 'शकुंतला', 'द महाराष्ट्रियन लेडी', 'हरिश्चंद्र इन डिस्ट्रेस' और 'जटायु वध' शामिल हैं। 1873 में उन्होंने अपनी पेंटिंग 'नायर लेडी एडोर्निंग हर हेयर' के लिए वियना में गवर्नर का स्वर्ण पदक जीता। 2 अक्टूबर 1906 को उनका निधन हो गया। भारतीय कला में उनका योगदान अमूल्य है।

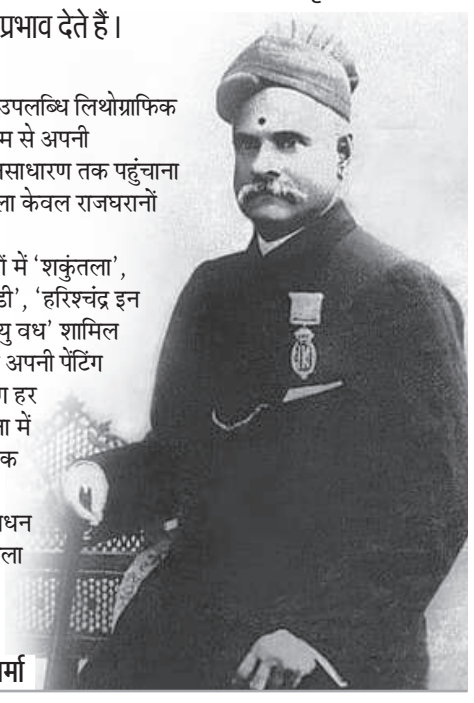

पेंटर राजा रवि वर्मा

रंग-तरंग

उत्तराखंड राज्य गठन की 25 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में देहरादून इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ डिजाइन में 'उद्गम 2025' प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, जिसमें प्रथम सेमेस्टर के छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को दर्शाया गया। कुलपति प्रो. रघुरामा जी ने इसका शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में सामाजिक सरोकार, भारतीय इतिहास और पारंपरिक शिल्पकला पर आधारित कार्यशालाओं और प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया।

कला, शिल्प, इतिहास और डिजाइन प्रेरित करते रचनात्मकता को

प्रदर्शनी में महिला सुरक्षा टूलकिट और भूख जागरूकता जैसे विषय विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे, जहां विद्यार्थियों ने समुदाय कल्याण और सहानुभूति को बढ़ावा देने वाले डिजाइन समाधान और हस्तनिर्मित कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। विद्यार्थियों ने पारंपरिक कथा-कला जैसे उत्तराखंड की ऐपन कला, राजस्थान की कावड़ कला और बिहार की वारली कला का भी अध्ययन किया और उन्हें आधुनिक डिज़ाइन शिक्षा के साथ जोड़कर नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी इस बात का उदाहरण रही कि कला, शिल्प, इतिहास और डिजाइन किस प्रकार मिलकर रचनात्मकता को प्रेरित करते हैं, संस्कृति का संरक्षण करते हैं और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त बनाते हैं। 'उद्गम' कला, इतिहास और डिजाइन के माध्यम से सामाजिक चेतना जगाने का एक प्रेरणादायक उत्सव था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की सराहना की और अपने व्यावसायिक अनुभवों से प्रेरणादायक विचार साझा किए। प्रदर्शनी में डॉ. उमाकांत पंवार, पूर्व आईएएस अधिकारी, प्रमुख सचिव (उत्तराखंड सरकार), ग्रुप एडवाइजर एम्पायर एनर्जी, उद्यमी, एंजेल निवेशक एवं विज्ञान, डिजाइन व वास्तुकला के उत्साही के लोग शामिल हुए।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,871.32	25,694.95
बढ़त	335.97	120.60
प्रतिशत में	0.40	0.47

सोना 1,23,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,784 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 12 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ्रॉर्यून कि. 2225, रविन्द्रा 2440, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां NA, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर NA

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4000, मसूरी- 1300, बासमती- 8700, परमल- 2500

दाल दलहन : काला चना- 6100, साबुत चना दाल- 5400, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 11000-12900, दाल उड़द- 7700, साबुत मसूर दाल- 6000, मसूर दाल- 4200, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 5400

व्यापार समझौते की आशा ने दी मजबूती

बाजार में दूसरे दिन भी रही तेजी, सेंसेक्स 336 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,700 अंक के पास

मुंबई, एजेंसी

- सेवाओं और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार को मिली बढ़त

स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ। दोनों सूचकांक में बीएसई सेंसेक्स 336 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25,700 अंक के पास पहुंच गया। भारत, अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद के

बीच सेवाओं और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 411.32 अंक की गिरावट के साथ 83,124.03 अंक पर आ गया था। वहीं एनएसई का निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 125.1 अंक टूटकर 25,449.25 अंक पर आ गया। हालांकि, दोनों सूचकांकों ने अच्छी वापसी की और अंत में उल्लेखनीय बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 335.97 अंक बढ़कर 83,871.32 और निफ्टी 120.60 चढ़कर 25,694.95 अंक पर पहुंचा।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, दिल्ली विस्फोट को लेकर चिंताओं के बीच घरेलू बाजार की शुरुआत हल्की रही। हालांकि, अमेरिकी सीनेट द्वारा विभिन्न विभागों में कामकाज ठप होने को समाप्त करने के लिए विधेयक पारित किए जाने से वैश्विक संकेतों के समर्थन से, बाजार में तेजी से सुधार हुआ और यह लाभ के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र समाप्त होने वाला है। मझोली तथा छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के चलते इसके सकारात्मक रुख के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। आईटी, वाहन, धातु और एफएमसीजी क्षेत्रों में बढ़त से यह तेजी बरकरार रही।

मिडकैप में बढ़त तो स्मॉलकैप ने किया निराश

मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 0.20% बढ़ा, जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.09% नुकसान में रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, क्षेत्रीय स्तर पर आईटी, वाहन और धातु शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि वित्तीय, रियल्टी और औषधि कंपनियों के शेयरों में सुस्ती रही। मिडकैप में आधे प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि स्मॉलकैप मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। यह चुनिंदा भागीदारी को दर्शाता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिका जल्द ही भारत पर लगाए गए शुल्क को कम करेगा, क्योंकि दोनों देश एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंग सेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 4,114.85 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक 5,805.26 करोड़ रुपये के शेयरों के शुद्ध खरीदार रहे।

चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

- रिफंड जारी करने की दर 18% घटकर 2.42 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक

कॉरपोरेट कर संग्रह में वृद्धि और धीमी रिफंड दर से चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इस साल 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच रिफंड जारी करने की दर 18% घटकर 2.42 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक थी।

इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 5.37 लाख करोड़ रहा, जो गत वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 5.08 लाख करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में अब तक व्यक्तियों और एचयूएफ सहित गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 7.19 लाख करोड़ रहा, जो गत वर्ष 6.62 लाख करोड़ था। समीक्षाधीन अवधि में अब तक प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 35,682 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 35,923 करोड़ रुपये था। सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर शामिल हैं, चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक सालाना आधार पर 7% बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 12.08 लाख करोड़ रुपये था। रिफंड समायोजित से पहले, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 15.35 लाख करोड़ से अधिक रहा, जो गत वर्ष की तुलना में 2.15% अधिक है।

चालू वित्त वर्ष में सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया है, जो सालाना आधार पर 12.7% अधिक है। सरकार का लक्ष्य 2025-26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ जुटाना है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार रोहिंटन सिधवा ने कहा कि पिछले साल ब्याज दरों में भारी कटौती के बावजूद गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि जारी है। यह एक बहुत अच्छा संकेत है, जो आय स्तर में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।

चिकित्सकीय उपचार के लिए 'आगमन पर वीजा' पर कर सकते हैं विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका जैसे देशों के मरीजों को चिकित्सकीय उपचार के लिए आगमन पर वीजा (वीजा ऑन अराइवल) की सुविधा देने पर विचार किया जा सकता है। गोयल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आगमन पर वीजा का विचार अच्छा है। हम इसे आगे बढ़ाएंगे, कई देशों के लिए हम आगमन पर वीजा की अनुमति देते हैं। हम ई-वीजा की अनुमति भी देते हैं, इन दोनों पर विचार किया जा सकता है। अमेरिका के लिए, अधिकतर यूरोपीय देशों के लिए, वैसे सभी के लिए नहीं, अधिकतर देशों के लिए जहां हमें काफी सुविधा है और जहां विस्तृत जांच-पड़ताल या पूछताछ की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ को इस विचार पर काम करने और सरकार के साथ साझा करने का सुझाव दिया। गोयल ने कहा कि जाहिर है हमें यह देखना होगा कि क्या प्रमाणन होंगे और वे कौन से देश हैं जिनके लिए हम इसकी अनुमति दे सकते हैं।

व्यापार समझौतों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से नहीं करेगा समझौता

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत व्यापार समझौतों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत अपने मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए रूस जैसे नए बाजारों की तलाश कर रहा है, जो अमेरिका में भारी शुल्क के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है। उन्होंने उद्योग समागम-2025 में कहा, हम एक अच्छे व्यापार समझौते के लिए काम कर रहे हैं। भारत किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेंगे... हम एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। यह राज्यों के उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों का सम्मेलन है। मंत्री ने कहा कि यह व्यापार समझौता कल हो सकता है, अगले महीने हो सकता है, अगले साल हो सकता है, हालांकि, एक सरकार के रूप में हम किसी भी आकस्मिक स्थिति का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं।

86% किसान कृषि प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण की पहुंच से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को प्रौद्योगिकी से अभी भी अछूते अधिकांश किसानों तक पहुंचने के लिए खंडित कृषि नवाचार से हटकर राज्य-स्तरीय परीक्षण मंच और एकीकृत डेटा ढांचे के माध्यम से प्रणालीगत एकीकरण की ओर बढ़ना होगा। उद्योग मंडल एसोचैम की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

उद्योग निकाय ने कहा कि 86% किसान अब भी अधिकांश कृषि-प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण की पहुंच से बाहर हैं और प्रौद्योगिकी के सत्यापन, व्यावसायीकरण और छोटे किसानों तक उनकी पहुंच के तरीके में मूलभूत परिवर्तन की जरुरत है। भविष्य के लिए तैयार कृषि प्रणाली की ओर भारत की यात्रा इस बात से परिभाषित होगी कि वह प्रौद्योगिकी को समावेशन के साथ, डेटा को निर्णय लेने के साथ और नवाचार को प्रभाव के साथ कितनी प्रभावी ढंग से एकीकृत करता है। एसोचैम की रिपोर्ट में वास्तविक परिस्थितियों में प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए सहयोगी परीक्षण स्थल के रूप में काम करने को राज्य-स्तरीय कृषि-तकनीकी सैंडबॉक्स स्थापित करने की सिफारिश की गई है।

- भारत को खंडित कृषि नवाचार से हटकर प्रणालीगत एकीकरण की ओर बढ़ना होगा

प्रस्तावित सैंडबॉक्स सरकारी एजेंसियों, स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों को पूर्ण पैमाने पर तैनाती से पहले समाधान को सत्यापित करने के लिए एक साथ लाएंगे। 90 से ज्यादा आईसीएआर संस्थान, 60 राज्य कृषि विश्वविद्यालय और 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) होने के बावजूद, भारत में उभरती कृषि प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए एकीकृत प्रणाली का अभाव है। वर्तमान तंत्र खंडित और धीमा बना हुआ है, जिससे नवाचार के लिए स्पष्ट सत्यापन के रास्ते नहीं खुल पा रहे हैं। प्रत्येक सैंडबॉक्स राज्य कृषि विभागों के भीतर स्थापित होगा, जिसमें आईसीएआर संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और नाबार्ड सहित संबद्ध विभागों और भागीदारों की हिस्सेदारी होगी।

कृषि डेटा कॉमन्स की स्थापना का किया आह्वान

कृषि मंत्रालय और नीति आयोग की सह-अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय संचालन समिति शासन और वित्तपोषण की देखरेख करेगी। कृषि डेटा वर्तमान में अलग-अलग जगहों पर मौजूद है - आईसीएआर और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान परीक्षण, राज्य विपणन बोर्ड के साथ बाजार डेटा और निजी कृषि-तकनीक स्टार्टअप के साथ कृषि-स्तरीय डेटा। यह विखंडन उन अत्याधुनिक नवोन्मेषण के विकास को सीमित करता है जो सत्यापित डेटा पर निर्भर करते हैं। एसोचैम ने एफएओ द्वारा अनुशंसित सिद्धांतों पर आधारित एक 'कृषि डेटा कॉमन्स' की स्थापना का आह्वान किया, जिससे डेटा खोजने योग्य, सुलभ, अंतर-संचालन योग्य और पुनः प्रयोज्य हो सके। रिपोर्ट में विश्व आर्थिक मंच के साथ विकसित तेलंगाना के कृषि डेटा एक्सचेंज (एडीईएक्स) को सुरक्षित, मानक-संचालित डेटा साझाकरण के एक मॉडल के रूप में उद्धृत किया गया है।

राष्ट्रीय

समान प्रावधानों को रद्द करने के बाद वही सुधार कानून कैसे लागू हुआ : न्यायालय

न्यायाधिकरण सुधार कानून की संवैधानिक वैधता वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि केंद्र उसी न्यायाधिकरण सुधार कानून को कुछ मामूली सुधार के साथ कैसे ला सकता है जिसके कई प्रावधानों को उसने पहले ही रद्द कर दिया था। न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण और सेवा शर्तें) अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इस कानून में फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण सहित कुछ अपीलीय न्यायाधिकरणों को समाप्त किया गया है और विभिन्न न्यायाधिकरणों के न्यायिक और अन्य सदस्यों की नियुक्ति तथा कार्यकाल से संबंधित शर्तों में संशोधन किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी द्वारा दलीलें पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि मुद्दा ये है कि संसद उसी कानून (जिसे रद्द किया था) को कुछ बदलावों के साथ कैसे ला सकती है। आप उसी कानून को नहीं ला सकते। हम यह नहीं कह रहे कि संसद कानून नहीं बना सकती। लेकिन मुद्दा ये है कि फैसले में उठाए गए मुद्दों पर विचार किए बिना उसी कानून को दोबारा नहीं बनाया जा सकता। वेंकटरमणी ने पीठ से आग्रह किया कि यह कानून लंबी अवधि के बाद संसद द्वारा बनाया गया है और कानून को लागू रहने दिया जाए। शीर्ष अदालत ने 16 अक्टूबर को मामले में अंतिम सुनवाई शुरू की थी।

पीठ ने सोमवार को पूछा कि केंद्र उसी न्यायाधिकरण सुधार कानून को कुछ मामूली सुधार के साथ कैसे ला सकता है, जिसके कई प्रावधानों को उसने पहले ही रद्द कर दिया था। याचिकाओं में कानून के प्रावधानों को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि वे न्यायिक स्वतंत्रता और शक्ति विभाजन के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 ने पहले के न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण और सेवा शर्तें) अध्यादेश, 2021 का स्थान लिया, जिसे इसी तरह की संवैधानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था।

धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने पर तत्काल सुनवाई से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों में बनाए गए धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से मंगलवार को इन्कार कर दिया। प्रधान न्यायधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं को दिसंबर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कानूनों पर रोक से संबंधित अंतरिम याचिका अगले सप्ताह सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सीजेआई ने कहा कि यह संभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि सीजेआई गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। पीठ ने 16 सितंबर को राज्यों से इन याचिकाओं पर रुख स्पष्ट करने को कहा था। नोटिस जारी करते समय सीजेआई की पीठ ने स्पष्ट किया था कि जब तक राज्य जवाब नहीं देते, तब तक अदालत कानूनों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने पर विचार नहीं करेगी। पीठ ने तब राज्यों को उनके जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया था और इसके बाद याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह में उत्तर देने की अनुमति दी थी। इस मामले को छह सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया गया था। पीठ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक द्वारा बनाए धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

केरल के छात्रों पर हमले पर शीर्ष अदालत ने कहा, हमारा देश एक है

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के दो छात्रों से मारपीट की हालिया घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमारा देश एक है। इस घटना में लाल किले के पास केरल के दो छात्रों से पुलिस और स्थानीय लोगों ने मारपीट की, उन्हें हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया और राज्य की पारंपरिक पोशाक पहनने पर उनका उपहास किया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि इस देश में लोगों को सांस्कृतिक और नस्लीय मतभेदों के कारण निशाना बनाया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रथम वर्ष के दो छात्रों पर हमला किया गया, उन्हें हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया गया और लुंगी पहनने पर उनका मजाक उड़ाया गया। शीर्ष अदालत 2015 में पूर्वोत्तर के लोगों पर हुए कई हमलों के मद्देनजर दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के छात्र नीडो तानिया की मौत की घटना भी है। अदालत ने केंद्र को इस मामले में समिति गठित करने का निर्देश दिया था और कहा था कि समिति को नस्लीय भेदभाव, नस्लीय अत्याचार और नस्लीय हिंसा की घटनाओं में सख्त कार्रवाई करने के अधिकार दिए जाएंगे और इस तरह के घृणा और नस्लीय अपराधों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे।

एसआईआर के खिलाफ याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु और प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), कांग्रेस और टीएमसी द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग (ईसी) से मंगलवार को अलग-अलग जवाब देने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से नई याचिकाओं पर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट को तमिलनाडु और प. बंगाल में मतदाता सूची की एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हर प्रकार की कार्यवाही को स्थगित रखने का भी निर्देश दिया। उसने तमिलनाडु में इस प्रक्रिया का समर्थन करने वाली ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की दायर हस्तक्षेप याचिका को सूचीबद्ध करने की अनुमति दी। निर्वाचन आयोग ने नवंबर से अगले साल फरवरी तक 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का दूसरा चरण आयोजित करने की 27 अक्टूबर को घोषणा की थी। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश - अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं।

छत्तीसगढ़: बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुरक्षाबलों को नक्सल रोधी इस कार्रवाई में मिली सफलता पर बधाई दी है। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है।

- मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षाबलों को कार्रवाई में मिली सफलता पर दी बधाई

पुलिस के अनुसार, जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा और विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान में रवाना किया गया था। बीजापुर जिले के एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान सुबह 10 बजे से संयुक्त दल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह माओवादियों का शव, इंसास राइफल, स्टेनगन, .303 राइफल सहित अन्य हथियार, विस्फोटक सामान और अन्य माओवादी सामान बरामद किया गया है। बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि यह निर्णायक और महत्वपूर्ण बढ़त है।

सुनवाई का सीधा प्रसारण जज की मंजूरी के अधीन

मुंबई, एजेंसी

- बम्बई हाईकोर्ट ने प्रसारण शुरू किये जाने के महीनों बाद जारी नोटिस में की टिप्पणी

बम्बई हाईकोर्ट ने अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण शुरू किये जाने के महीनों बाद अब एक नोटिस जारी कर कहा कि सीधा प्रसारण पीठासीन न्यायाधीश की सहमति के अधीन होगा। सोमवार को जारी नोटिस में बताया गया कि अदालत का न्यायाधीश सीधा प्रसारण की गई रिकॉर्डिंग की प्रतियों तक पहुंच को मंजूरी देने के लिए अधिकृत नामित अधिकारी होता है।

हाईकोर्ट के अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण और रिकॉर्डिंग नियमों के अनुसार, सभी कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण केवल 'जजों की सहमति के अधीन किया जाएगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने सोशल मीडिया पर प्रसारित छेड़छाड़ किए गए वीडियो पर चिंता जताई थी, जिसके बाद यह नोटिस जारी किया गया। छेड़छाड़ किये गए वीडियो में न्यायालय कक्ष में जूता फेंकने की घटना को गलत तरीके से दिखाया गया था। जुलाई में न्यायिक पारदर्शिता और सुनवाई तक जनता की पहुंच बढ़ाने को हाईकोर्ट ने अपनी पांच पीठों का सीधा प्रसारण शुरू किया था। जहां कुछ पीठों ने इससे परहेज किया वहीं कुछ एकल पीठों ने सीधा प्रसारण शुरू कर दिया। उच्चतम न्यायालय, पिछले साल से अपनी सभी कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण कर रहा है।

महिला आईएएस ने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला कराया दर्ज

जयपुर। राजस्थान में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की महिला अधिकारी ने अपने आईएएस पति के खिलाफ घरेलू हिंसा और धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, भारती दीक्षित ने अपने पति आशीष मोदी के खिलाफ घरेलू हिंसा, शारीरिक उत्पीड़न, अवैध रूप से बंधक बनाए रखने और जान-माल की धमकी देने का आरोप लगाया है। दीक्षित वित्त विभाग में संयुक्त सचिव हैं जबकि मोदी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में निदेशक हैं। दोनों राजस्थान कैडर के 2014 बैच के अधिकारी हैं। दीक्षित ने आरोप लगाया कि मोदी ने 2014 में उनके पिता के कैंसर से पीड़ित होने पर उन्हें शादी के लिए मजबूर किया था।

दिल्ली में एक्यूआई 423 पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता इस मौसम की सबसे खराब स्थिति में पहुंच गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 423 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में आता है। केंद्र ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 24 घंटे के औसत एक्यूआई के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 362 के साथ बहुत खराब थी जो मंगलवार सुबह और खराब होकर 423 हो गई। शहर का मंगलवार को न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में ठंड के दस्तक देने के बाद सोमवार को मौसम की पहली शीत लहर दर्ज हुई और आया नगर स्टेशन पर तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

हाइब्रिड मोड में पांचवीं तक की कक्षा के संचालन के आदेश

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के मद्देनजर स्कूलों को पांचवीं कक्षा तक हाइब्रिड मोड में कक्षाएं चलाने का आदेश दिया। यह कदम केंद्र द्वारा क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत प्रदूषण रोधी उपाय लागू किए जाने के बाद उठाया गया है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश में कहा कि शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, नगर निगम और छावनी बोर्ड के सभी स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे पांचवीं कक्षा तक के लिए 'हाइब्रिड मोड' में कक्षाएं संचालित करें यानी अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से स्कूल के साथ-साथ ऑनलाइन दोनों माध्यमों (जहां भी ऑनलाइन कक्षाएं संभव हो) में कक्षाएं संचालित करें।

पूरी दुनिया ने की दिल्ली धमाके की निंदा

बीजिंग/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका, चीन, जापान और इजराइल समेत दुनियाभर के नेताओं ने मंगलवार को कहा कि भारत की राजधानी दिल्ली में विस्फोट में 12 लोगों की मौत और कई के घायल होने से उन्हें गहरा दुख हुआ है। संवेदना व्यक्त करते हुए अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

अमेरिका के विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, नई दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदना है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, हम इस घटना से स्तब्ध हैं। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि विस्फोट में कई अनमोल जानें चली गईं।

- शेख हसीना ने कहा- पाकिस्तान में हैं आतंकी संगठनों की जड़ें

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्रीलंका भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। भूटान में, राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने थिंपू में पीड़ितों के लिए प्रार्थना की, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि मालदीव इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ खड़ा है।

इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने गहरी संवेदना जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, इजराइल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी पार्टी अवामी लीग के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, पाकिस्तान में जड़ें जमाए आतंकवादी संगठनों ने बांग्लादेश समेत विभिन्न देशों में अपने नेटवर्क स्थापित कर लिए हैं और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को कमजोर करने के लिए भारत में हमले कर रहे हैं। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और आयरलैंड के उपप्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने भी प्रभावित हुए लोगों के प्रति संवेदना जताई है।

वैश्विक नेताओं की नीतियों का नतीजा

विश्व में आतंकवाद का सदियों पुराना लंबा और जटिल इतिहास है। हालांकि आतंकवाद शब्द का प्रयोग पहली बार फ्रांसीसी क्रांति के दौरान हुआ था। अब यह एक वैश्विक समस्या है जिसे खत्म करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। पहली शताब्दी ईस्वी में रोमन शासन का विरोध करने वाले यहूदी आंदोलन 'सिकारी जेलोट्स' को कुछ लोग पहला आतंकवादी समूह मानते हैं। आधुनिक आतंकवाद 1870 के दशक में यूरोप में उभरा, जब राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हिंसा का व्यवस्थित उपयोग शुरू किया गया। 1979 में सोवियत-अफगान युद्ध ने धार्मिक रूप से प्रेरित उग्रवाद के उदय में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया, जिससे अल-कायदा जैसे संगठनों को बढ़ावा मिला। 11 सितंबर 2001 के हमले (9/11) ने वैश्विक स्तर पर जिहादी आतंकवाद को सुर्खियों में ला दिया और इसके खिलाफ 'आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध' की शुरुआत हुई।

बढ़ता आतंकवाद

वारदातें विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनों ने सैकड़ों आतंकी समूहों को सूचीबद्ध किया है। ग्लोबल टेररिज्म डेटाबेस ने 1970 के बाद से आतंकवाद के 1,90,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं।

सबसे क्रूर आतंकी संगठन

- 2024 के ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स के अनुसार इस्लामिक स्टेट सबसे घातक, इसे सामूहिक हत्याओं, सिर कलम करने और यौन गुलामी के लिए जाना जाता है।
- हमास दूसरा क्रूर संगठन, जिसने अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हमला किया। इसे जीटीआई के इतिहास में 9/11 के बाद का सबसे बड़ा हमला कहा गया है।
- अल-कायदा से जुड़ा समूह जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन और सोमालिया, पूर्वी अफ्रीका में सक्रिय अल-शबाब बड़ी संख्या में मौतों के लिए जिम्मेदार।
- इनके अलावा, अल कायदा (अमेरिका में 9/11 का हमला), तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बोको हरम जैसे कुख्यात संगठन सबसे क्रूर माने जाते हैं।

खात्मा क्यों मुश्किल

- आतंकवाद के पीछे राजनीतिक, धार्मिक, वैचारिक, जातीय राष्ट्रवादी कारण, जिनका कोई एक समाधान नहीं।
- आतंकवादी समूह सीमाओं के पार काम करते हैं, जिससे सरकारों के लिए अकेले उनका मुकाबला करना मुश्किल।
- कुछ देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादी समूहों को समर्थन देते हैं और सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करते हैं।
- गरीबी, बेरोजगारी, असमानता व राजनीतिक अस्थिरता युवाओं को निरंतर कट्टरपंथी विचारों की ओर धकेलती है।

सबसे ज्यादा पीड़ित

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2024 के अनुसार आतंकवाद से सबसे ज्यादा पीड़ित देशों में बुर्किना फासो दूसरे वर्ष लगातार सबसे ऊपर है। इसके बाद क्रमशः पाकिस्तान, सीरिया, माली, नाइजर, नाइजीरिया, सोमालिया, इजराइल, अफगानिस्तान और कैमरून हैं। भारत इस सूची में 14वें नंबर पर है।

वैश्विक नेताओं की भूमिका

- प्रत्यक्ष तौर पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने, खुफिया जानकारी साझा करने और वित्तपोषण पर अंकुश लगाने जैसे निर्णय लिए हैं।
- कुछ देश अपने भूराजनीतिक हितों के आधार पर कुछ समूहों को आतंकवादी और दूसरों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखते हैं।
- विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने और कार्रवाई में अक्सर समन्वय की कमी होती है।
- सैन्य कार्रवाई पर बहुत अधिक ध्यान लेकिन गरीबी, अन्याय और राजनीतिक शिकायतों जैसे मूल कारणों को दूर करने पर कम।
- आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान मानवाधिकारों का उल्लंघन अक्सर स्थानीय आबादी के बीच नाराजगी पैदा करता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत-वियतनाम की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली। भारत और वियतनाम की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'विनबैक्स 2025' का छठा संस्करण मंगलवार को वियतनाम की राजधानी हनोई में शुरू हुआ। वियतनाम की यात्रा पर गए रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और वियतनाम सेना के उप-प्रमुख सीनियर लेफ्टिनेंट जनरल फुंग सी टैन ने सैन्य अभ्यास उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। विनबैक्स भारत और वियतनाम के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना तथा रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण भारत में अंबाला में हुआ था।

रूसी सेना ने कुप्यांस्क में तेल डिपो और दो रेलवे स्टेशन कब्जाए

मॉस्को। रूसी सशस्त्र बलों के ज़ापद समूह की टुकड़ी ने यूक्रेन में खार्कोव क्षेत्र के कुप्यांस्क में एक तेल डिपो और दो रेलवे स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है। मोटराइज्ड राइफल रेजिमेंट के कमांडर ने कहा, हमने कुप्यांस्क के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित तेल डिपो पर कब्जा कर लिया है। ओलिविनो और पार्क वोस्तोचनोगो प्रिबितिया रेलवे स्टेशनों को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया गया है और यूक्रेनी सशस्त्र बलों से मुक्त करा लिया गया है। कमांडर ने बताया कि इसी समय रूसी सैनिक कुप्यांस्क-सोर्टिरोवोकन्हाया (सोर्टुवलनी) रेलवे स्टेशन को खाली करा रहे हैं। कमांडर ने कहा, यह टुकड़ी कुप्यांस्क-सोर्टिरोवोचनया रेलवे स्टेशन को खाली कराने के लिए युद्ध अभियान चला रही है।

तुर्किये का सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, 20 लोग थे सवार

अंकारा। तुर्किये का एक सैन्य मालवाहक विमान मंगलवार को अजरबैजान की सीमा के पास जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 20 लोग सवार थे। तुर्किये और जॉर्जिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी। तुर्किये के समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में विमान को नीचे की ओर गिरते हुए तथा सफेद धुआं छोड़ते हुए दिखाया गया है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि सी-130 विमान ने अजरबैजान से उड़ान भरी थी और तुर्किये वापस आ रहा था, तभी दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

इस्लामाबाद: अदालत के बाहर हुए आत्मघाती विस्फोट में 12 की मौत

गृहमंत्री नकवी ने अफगान तालिबान पर जताया शक, कहा- कड़ा जवाब देंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्थित एक अदालत के बाहर मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 27 घायल हो गए। हमलावर अदालत परिसर में घुसना चाहता था, लेकिन असफल होने पर उसने दोपहर 12.39 बजे जी-11 इलाके में इमारत के फाटक पर एक पुलिस वाहन के पास विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया।

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि मारे गए लोगों में सुरक्षाकर्मी और एक वकील भी शामिल हैं। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसे हमले आमतौर पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानी (टीटीपी) द्वारा किए जाते हैं। नकवी ने अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा, हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना है, जब भी हमलावर की पहचान हो जाएगी, हम जानकारी सार्वजनिक करेंगे। नकवी ने कहा कि पीड़ितों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

इसके पहले पाकिस्तान की सरकारी मीडिया पीटीवी ने बताया था कि बचाव अधिकारियों को विस्फोट स्थल से 12 शव मिले हैं जिन्हें पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल में भिजवाया गया है। 20 घायलों को पीआईएमएस अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भर्ती किया गया है। पीटीवी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर का सिर सड़क पर पड़ा पाया गया। किसी भी समूह या व्यक्ति ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन यह हमला पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच उस तीसरे दौर की वार्ता के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें अफगानिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के मुद्दे से निपटने के लिए कोई समझौता नहीं हो सका।

रक्षा मंत्री ने इस्लामाबाद में हुए हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, काबुल के शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस युद्ध को इस्लामाबाद तक लाना काबुल से एक संदेश है, जिसका जवाब देने के लिए अल्लाह के रहमोकरम से पाकिस्तान के पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा, इस माहौल में, काबुल के शासकों के साथ सफल बातचीत की उम्मीद रखना बेमानी होगा।

इस्लामाबाद में आत्मघाती विस्फोट के बाद घटनास्थल पर पहुंचे लोग।

अफगानिस्तान आतंकवाद रोके वर्ना कार्रवाई करेंगे

गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को प्रायोजित करने वालों ने वित्तपोषण की राशि तीन गुना बढ़ा दी है। उन्होने कहा, हम आज के विस्फोट को कई कारकों से जोड़ रहे हैं। आने वाले घंटों में चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। इसके कई संदेश हैं। उन्होंने कहा, मैं इस समय कुछ नहीं कहना चाहता, जैसा अक्सर भारतीय ऐसी घटनाओं के तुरंत बाद दोषारोपण शुरू कर देते हैं। हम पूरे सबूत और विवरण के साथ आएंगे। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान का स्पष्ट मानना है कि अफगानिस्तान को अपनी धरती से आतंकवाद को रोकना चाहिए, अन्यथा हमें उनके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।

खैबर में विस्फोट में 16 सुरक्षाकर्मी घायल

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए आईईडी विस्फोट में 16 जवान घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना का काफिला डेरा इस्माइल खान जिले से लौट रहा था तभी सोमवार देर रात लोनी गांव में आईईडी विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले में कैडेट कॉलेज के मुख्य द्वार पर एक आत्मघाती हमले में छह घायल हो गए।

हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले को उपन्यास 'फ्लेश' के लिए बुकर पुरस्कार

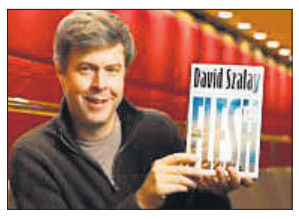

लंदन। हंगरी-ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले को उनके उपन्यास 'फ्लेश' के लिए बुकर पुरस्कार 2025 का विजेता घोषित किया गया। स्जेले ने भारतीय मूल की लेखिका किरण देसाई के उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सोनिया एंड सनी' को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान सोमवार रात लंदन में आयोजित एक समारोह में जीता।

स्जेले को एक ट्रॉफी और 50,000 पाउंड की नकद राशि पिछले वर्ष की बुकर पुरस्कार विजेता सामंथा हार्वे ने प्रदान की। उनका यह उपन्यास भावनात्मक रूप से अलग-थलग पड़े एक व्यक्ति की कहानी है, जिसकी जिंदगी उसके काबू से बाहर हो चुकी घटनाओं के कारण बिखर जाती है। बुकर पुरस्कार की जूरी ने कहा, सरल लेकिन सशक्त भाषा का प्रयोग करते हुए यह रोमांचक और प्रभावशाली पुस्तक एक व्यक्ति के जीवन का अत्यंत संवेदनशील चित्रण प्रस्तुत करती है। किरण दूसरी बार यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल करने से चूक गई हैं। बुकर के 56 साल के इतिहास में केवल पांच बार ऐसा हुआ है जब एक ही व्यक्ति ने दो बार यह पुरस्कार जीता है।

निठारी हत्याकांड: सुरेंद्र कोली आखिरी मामले से भी बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अनुमान के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता कानून, तत्काल रिहा करें

वर्ष 2006 के सनसनीखेज निठारी हत्याकांड के एकमात्र दोषी सुरेंद्र कोली को उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस तरह के आखिरी मामले में आरोपों से बरी कर दिया और आदेश दिया कि अगर किसी अन्य मामले में उसकी आवश्यकता न हो तो उसे तुरंत रिहा किया जाए।

निठारी हत्याकांड का यह 13वां मामला था जिसमें कोली को बरी किया गया। उसे पहले ही 12 संबंधित मामलों में बरी किया जा चुका है। निठारी हत्याकांड का खुलासा 29 दिसंबर, 2006 को नोएडा के निठारी में व्यवसायी मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे एक नाले से आठ बच्चों के कंकाल मिलने के साथ हुआ था। उस समय कोली पंढेर के घर में घरेलू सहायक था। निठारी में 15 वर्षीय लड़की के बलात्कार और हत्या से संबंधित मामले में कोली की दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली सुधारात्मक याचिका को स्वीकार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता है।

सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि निठारी में हुए अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। यह अत्यंत खेद की बात है कि लंबे समय तक की गई जांच के बावजूद, वास्तविक अपराधी की पहचान इस तरह से स्थापित नहीं हो सकी है जो कानूनी मानकों को पूरा करे। न्यायालय ने कहा कि संदेह, चाहे कितना भी गंभीर क्यों न हो, उचित संदेह से परे सबूत का स्थान नहीं ले सकता तथा न्यायालय वैधता के स्थान पर आसान समाधान को प्राथमिकता नहीं दे सकते। निर्दोष होने की धारणा उस समय तक बनी रहती है जब तक अपराध साबित न हो जाए, यह साबित होना चाहिए स्वीकृत और विश्वसनीय साक्ष्य के माध्यम से; और जब साक्ष्य विफल हो जाते हैं, तो केवल वैध परिणाम यह है कि सजा को रद्द कर दिया जाए, भले ही मामला भयानक अपराध से संबंधित ही क्यों न हो।

> जब जांच समय पर, पेशेवर तरीके से और संवैधानिक मानकों के अनुसार की जाती है तो सबसे कठिन रहस्यों को भी सुलझाया जा सकता है और कई अपराधों को शुरुआत में ही हस्तक्षेप से रोका जा सकता है। इस मामले में असली अपराधी की पहचान करने की प्रक्रियाओं में लापरवाही और देरी ने तथ्यों की खोज की प्रक्रिया को कमजोर किया और उन रास्तों को बंद कर दिया, जो असली अपराधी की पहचान कर सकते थे। - सुप्रीम कोर्ट की पीठ

अमेरिकी सीनेट ने शटडाउन समाप्त करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने सरकारी 'शटडाउन' समाप्त करने के लिए सोमवार को विधेयक पारित कर दिया और इसी के साथ इतिहास का सबसे लंबा 'शटडाउन' खत्म होने के करीब पहुंच गया।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक छोटे समूह ने अपनी पार्टी के भीतर तीखी आलोचना के बावजूद रिपब्लिकन के साथ एक समझौते की पुष्टि की जिसकी मदद से यह विधेयक पारित हुआ। पिछले 41 दिन से जारी शटडाउन कुछ और दिन जारी रह सकता है क्योंकि संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा के सदस्य सितंबर के मध्य से अवकाश पर हैं। वे विधेयक पर मतदान करने के लिए वाशिंगटन लौटेंगे।

- खत्म होने के करीब पहुंचा अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन

राष्ट्रपति ट्रंप ने विधेयक के प्रति समर्थन का संकेत देते हुए कहा, हम जल्द ही शटडाउन समाप्त करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक समूह ने स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के विस्तार की गारंटी के बिना चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की जिससे उनके कॉकस के कई सदस्य नाराज हो गए। इस कॉकस का कहना है कि अमेरिकी चाहते हैं कि सब्सिडी के लिए लड़ाई जारी रखी जाए।

सीरियाः राष्ट्रीय संग्रहालय से रोमन काल की मूर्तियां चोरी

दमिश्क। सीरिया की राजधानी स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय से चोरों ने रोमन काल की कई प्राचीन मूर्तियां चुरा लीं। घटना के बाद संग्रहालय को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया।

लंबे गृहयुद्ध और 54 साल के असद परिवार के शासन के पतन से जूझ रहे देश में संग्रहालय जनवरी में फिर से खोला गया था। मध्य दमिश्क स्थित देश के इस सबसे बड़े संग्रहालय में इतिहास से जुड़ी अमूल्य प्राचीन वस्तुएं रखी हैं। देश में अराजकता के माहौल के बाद संग्रहालय में धातु के गेट और निगरानी कैमरे लगाए गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि संगमरमर की छह मूर्तियां चोरी हो गई हैं।

भूटान के साथ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने का आह्वान

थिंपू, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और भूटान सिर्फ सीमाओं से ही नहीं, बल्कि संस्कृति से भी जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और कनेक्टिविटी बढ़ाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुंच और आसान हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत-भूटान जलविद्युत सहयोग की नींव पूर्व नरेश के नेतृत्व में रखी गई थी। मोदी ने सतत विकास और पर्यावरण-प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भूटान के नेतृत्व की सराहना की।

भूटान नरेश और महारानी के साथ मोदी ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की पूजा की।

- भूटान यात्रा पर गए मोदी ने एक कार्यक्रम में की टिप्पणी

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 12 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 22.58 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

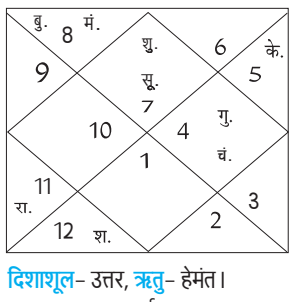

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 18.35 तक तत्पश्चात मघा।

मेष आज किसी को बिना मांगे राय न दें। अपने व्यवहार को लेकर लोगों के बीच केन्द्र बने रहेंगे। नया व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं। गले में इन्फेक्शन और जुकाम की समस्या हो सकती है। किसी दीर्घकालिक लक्ष्य को लेकर आप योजना बना सकते हैं।

वृष आज कारोबार में आपको अपेक्षाकृत लाभ प्राप्त होगा। उलझे हुए मामलों को आप सुलझाने का प्रयास करें। आप काफी ज्यादा व्यस्त रहेंगे। अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपकी सेहत बहुत ही अच्छी रहेगी।

मिथुन आज आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें। तनाव आपके ऊपर हावी हो सकता है। धन उधार देने से आपको बचना चाहिए। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क आज नई संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। आप सभी कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे। पुराने मित्रों से अपेक्षित सहायता मिलेगी। नया कारोबार शुरू करने के योग बन रहे हैं। पति-पत्नी के मध्य आपसी सामंजस्य बहुत अच्छा रहेगा।

सिंह आज दोस्तों पर आंख-मूंदकर विश्वास न करें। कुछ इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज खराब हो सकती हैं। मानसिक अशांति के कारण एकाग्रता में कमी रहेगी। एक साथ अनेक कार्य करने पड़ेंगे। बच्चों के ऊपर गर्व की अनुभूति होगी।

कन्या आज साझेदारी वाले व्यवसाय में विशेष उन्नति की संभावना बन रही है। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। जोखिम भरे निवेश लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

तुला आज बहुत सारा समय आत्ममंथन में व्यतीत होगा। सोशल मीडिया पर आप महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। व्यापार में कुछ कमी महसूस होगी। दांपत्य संबंधों में निकटता बढ़ेगी। आपको सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है।

वृश्चिक आज आपके भीतर नई ऊर्जा का संचार होगा। गृहकार्यों में पूरा ध्यान नहीं दे पाएंगे। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं। आपको दूसरो पर अधिक निर्भर होने से बचना चाहिए। अपनी आवश्यकताओं से अधिक धन खर्च न करें।

धनु आज धैर्य में कमी होने के कारण महत्वपूर्ण अवसरों को खो सकते हैं। आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। गलत कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट आदि के दौरान विशेष सावधानी रखें।

मकर आज व्यापारियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान दें। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। नई वस्तुओं को खरीद सकते हैं। पुराने ऋणों को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है। घर के अनुभवी सदस्यों से राय अवश्य लें।

कुंभ आज नई व्यापारिक साझेदारी होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी पूर्वक बयानबाजी करनी चाहिए। समाज में आपको मान-सम्मान की चिंता रहेगी। वरिष्ठ अधिकारियों से बहसबाजी न करें।

मीन आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ हंसी-मजाक भरा समय बिताएंगे। मानसिक तनाव और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। तकनीकी विषयों के अध्ययन में आप रुचि ले सकते हैं।

सुडोकू-158

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
	2			6				
			7					
4								8
				3				
					4			
							7	
		5			1			

सुडोकू - 157 का हल

4	1	2	9	8	5	3	6	7
7	8	6	1	4	3	2	9	5
5	9	3	6	7	2	1	4	8
1	3	4	8	9	7	6	5	2
2	7	5	3	1	6	9	8	4
8	6	9	2	5	4	7	1	3
9	5	7	4	3	1	8	2	6
6	4	8	7	2	9	5	3	1
3	2	1	5	6	8	4	7	9

मैं कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं। बाकी टीम के बारे में, मैं नामों की घोषणा बाद करूंगा। कर्नाटक क्रिकेट का स्तर खासकर पिछले तीन सालों में तेजी से गिरा है।

-वेंकटेश प्रसाद, पूर्व तेज गेंदबाज

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार 12 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

दिल्ली 65 वर्षों में पहली बार जम्मू-कश्मीर से हारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सात बार की रणजी चैंपियन टीम की गिरती साख का कारण गुटबाजी व अंदरूनी कलह
- ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर दिल्ली को नॉकआउट के लिए चमत्कार की जरूरत

दिल्ली क्रिकेट को नई शर्मिंदगी से दोचार होना पड़ा जब सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार शतक की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने मंगलवार को यहां उसे सात विकेट से शिकस्त देकर उसके खिलाफ रणजी ट्रॉफी में 65 साल में पहली जीत दर्ज की।

दिल्ली क्रिकेट की गिरती साख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम तीन घरेलू मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल कर सकी। टीम कुल सात अंकों के साथ ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर है और उसे नॉकआउट के लिए क्वालीफाई के लिए चमत्कार की जरूरत होगी। सात बार की रणजी चैंपियन दिल्ली की टीम के इस तरह के पतन के कई कारण है जिसमें संदिग्ध चयन, खराब रणनीतियां, चतुर कप्तानी के अभाव के अलावा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में गुटबाजी और अंदरूनी कलह प्रमुख है। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर की टीमों ने 1960 से अब तक 43 बार एक दूसरे का आमना सामना किया है और इनमें से 37 मैचों में दिल्ली ने जीत दर्ज की है जबकि जम्मू कश्मीर की यह पहली जीत है।

जीत के लिए 179 रन का पीछा कर रही जम्मू कश्मीर को मैच के आखिरी दिन 124 रन की जरूरत थी। सलामी बल्लेबाज इकबाल ने 147 गेंद में नाबाद 133 रन बनाकर जम्मू कश्मीर को आसान जीत दिला दी। जम्मू कश्मीर ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 55 रन पर दो विकेट से आगे से की। इकबाल ने रात्रि प्रहरी वंशज शर्मा (60 गेंद में आठ रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत से दूर कर दिया। बीते दिन जिस पिच पर बल्लेबाजों को परेशानी का सामना करना पड़ा था वहां इकबाल ने जिम्मेदारी उठाते हुए मनन भारद्वाज और ऋतिक शौकिन जैसे दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी की। इन स्पिनरों को पिच से कोई खास मदद नहीं मिली। इकबाल ने शतकीय पारी के दौरान एक हाथ से स्लॉग स्वीप पर मन मुताबिक बाउंड्री लगाये। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने भी इस मैच की पहली पारी में शतक लगाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के उपरांत एक-दूसरे का औपचारिक अभिवादन करते जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के खिलाड़ी।

हाईलाइट

एटीपी फाइनल्स में सिनर की शानदार शुरुआत

तूरिन (इटली)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 7-5, 6-1 से हराकर खिताब बचाने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सिनर को साल के आखिर तक अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखने के लिए दुनिया के चोटी के आठ खिलाड़ियों के बीच चल रहे सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट में जीत दर्ज करनी होगी और इसके साथ ही उम्मीद करनी होगी कि कार्लोस अल्काराज़ फ़ाइनल में न पहुंचें।

वीनस करेंगी मैडिसन कीज का सामना

वॉशिंगटन। अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स 2026 सीजन से पहले एक प्रदर्शनी टेनिस मैच में ऑस्ट्रेलियन ओपन की विजेता हमवतन मैडिसन कीज का सामना करेंगी। शार्लोट स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह मुकाबला नॉर्थ कैरोलिना के स्पेक्ट्रम सेंटर में खेला जायेगा। चार बार की ओलंपिक चैंपियन वीनस विलियम्स चार दिसंबर को इस प्रदर्शनी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 की विजेता मैडिसन कीज के खिलाफ खेलेंगी। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में सातवें नंबर की टेनिस खिलाड़ी मैडिसन कीज ने सोशल मीडिया चैनलों पर इस प्रदर्शनी मैच में खेलने की घोषणा की है।

आईपीएल नीलामी अबू धाबी में होगी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र की नीलामी दिसंबर के मध्य में अबू धाबी में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। दुबई (2023) और जेद्दा (2024) के बाद यह लगातार तीसरी बार होगा जब नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी। नीलामी का आयोजन 15 या 16 दिसंबर को होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा अबू धाबी को नीलामी स्थल के रूप में चुना गया है।पिछले साल सऊदी अरब में हुई मेगा नीलामी के बाद यह एक छोटी नीलामी होगी।

मास्टर्स क्वालीफायर में हारीं नैशा

कुमामोतो (जापान)। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी नैशा कौर भटोये मंगलवार को यहां क्वालीफायर में न्यूजीलैंड की शाउना ली से सीधे गेम में हारकर कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहीं। यह 17 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी इस सुपर 500 टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वालीफिकेशन राउंड में 32 मिनट में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी से 17-21, 18-21 से हार गयी। इस प्रकार प्रतियोगिता के महिला एकल स्पर्धा में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय बुधवार को 475,000 डॉलर इनामी इस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे वेंकटेश

बेंगलुरु। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि वह 30 नवंबर को होने वाले चुनावों में कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। द कैपिटल होटल में 'टीम गेम चेंजर्स' द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रसाद ने कहा कि वह जल्द ही अपनी बाकी टीम के नामों का खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा पिछले 12 साल मुश्किल रहे हैं, लेकिन खासकर पिछले तीन साल बहुत निराशाजनक रहे हैं। महिला क्रिकेट पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि लीग मैच और चयन प्रक्रिया भी अव्यवस्थित तरीके से हो रही हैं।

गिल ने लंबे समय तक किया अभ्यास

जायसवाल व सुदर्शन ने भी बहाया पसीना, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट 14 से

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल। एजेंसी

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि सीमित ओवरों के प्रारूपों से लाल गेंद वाले क्रिकेट में बदलाव में समय लगता है और इसलिए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अपनी तकनीक को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार को यहां नेट्स पर करीब डेढ़ घंटा बिताया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है क्योंकि पिछले महीने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच की सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराई थी। गिल ने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अर्धशतक और नाबाद शतक लगाया था, लेकिन इसके बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह रन बनाने के लिए जूझते रहे। वह ऑस्ट्रेलिया में वनडे और टी-20 मैचों की आठ पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए और उनका उच्चतम स्कोर 46 रन रहा। लेकिन टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद वह प्रतिबद्ध दिखे और उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत की। नेट अभ्यास से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सीतांशु कोटक को उनके साथ लंबी बातचीत करते हुए देखा गया, जिसमें संभवतः उनके खेलने के तरीके पर चर्चा की गई। गिल बाद में स्लिप में फील्डिंग के अभ्यास के लिए अपने साथियों के साथ शामिल हुए और फिर यशस्वी जायसवाल के साथ नेट पर अभ्यास करने के लिए चले गए। स्पिन से शुरुआत करते हुए उन्होंने रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर का सामना किया।

तेज गेंदबाजी की नेट पर गिल ने पहले जसप्रीत बुमराह का कुछ ओवरों तक सामना किया। इसके बाद उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी और कुछ स्थानीय क्लब गेंदबाजों का सामना भी किया। इसके बाद सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने उनके लिए ऊंचाई से थ्रोडाउन करने के लिए साइडआर्म का इस्तेमाल किया। गिल नेट पर एक घंटे से अधिक समय बिताने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल की निगरानी में 30 मिनट तक थ्रोडाउन पर अभ्यास करने के लिए पिच पर चले गए। गेंदबाजी कोच ने यहां पर उनके लिए करीब से खुद गेंदबाजी की। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के लिए 67 और 156 रन की पारी खेलने वाले जायसवाल ने भी लंबे समय तक विकेट पर मोर्केल और थ्रोडाउन का सामना किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज़ सहज लय में दिख रहा था तथा आत्मविश्वास के साथ ड्राइव और पुल कर रहा था। नेट पर महत्वपूर्ण समय बिताने वाले एक अन्य बल्लेबाज तमिलनाडु के युवा साई सुदर्शन थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दो अनधिकृत टेस्ट मैचों में केवल 84 रन बनाए थे।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबाल खेलते दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम व अन्य खिलाड़ी। एजेंसी

ध्रुव जुरेल ने मजबूत की दावेदारी

ध्रुव जुरेल ने दक्षिण आफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे मैच में दोनों पारियों में शतक लगाकर भारतीय बल्लेबाजी क्रम में एक स्थान के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है और इसमें तीसरा नंबर भी शामिल है। ऐसी अटकलें हैं कि जुरेल को बतौर बल्लेबाज टीम में रखा जा सकता है चूंकि चोट से उबरकर विकेटकीपर ऋषभ पंत खेलने जा रहे हैं। जुरेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला शतक जड़ा और टेस्ट में उनका औसत 47 . 77 है । लगभग तीन घंटे के अभ्यास के बाद गंभीर, कोटक, मोर्केल और गिल ने मुख्य पिच का निरीक्षण किया और वहां पर लंबे समय तक चर्चा की।

डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है श्रृंखला

कोलकाता, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करेंगे सिराज
- भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर

मोहम्मद सिराज। फाइल फोटो

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पूरा विश्वास है कि वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ के शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में दमदार प्रदर्शन करेंगे।

भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है। उसने इस चक्र के शुरू में घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैच में हराने से पहले इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की सीरीज 2-2 से बराबर की थी। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका ने अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 1-1 से ड्रॉ के साथ की। सिराज ने जियोस्टार पर कहा, यह श्रृंखला नए डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका गत चैंपियन है। भले ही उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली, लेकिन हम अपनी अच्छी फॉर्म से आश्वस्त हैं।

हमने सकारात्मक माहौल तैयार किया है। हमने इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल की। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और वह 23 विकेट लेकर श्रृंखला में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे। उन्होंने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और दो मैचों में 10 विकेट लिए। उन्होंने कहा मैं अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहा हूं और इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा हूं।

भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में मंगलवार को यहां श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मॉडर्न स्कूल मैदान में इस विश्व कप का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत दिव्यांगजनों के लिए समर्थनम ट्रस्ट की दिल्ली शाखा के छात्रों द्वारा सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत राष्ट्रगान के साथ हुई। ठाकुर ने इस मौके पर कहा मैं सभी टीमों को विश्व कप के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें हम आपको टेलीविजन पर देखेंगे।

निशानेबाजी में ऐश्वर्य ने जीता रजत

काहिरा, एजेंसी

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप

- ईशा और राणा की जोड़ी भी दूसरे स्थान पर रही

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर।

ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने मंगलवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। ईशा सिंह और सम्राट राणा की भारतीय जोड़ी ने भी इसके बाद 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन के कियानक्सुन याओ और काई हू की जोड़ी से 10-16 से हार का सामना करना पड़ा। ईशा और सम्राट ने कुल 586 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सुरुचि सिंह और श्रवण कुमार 579 अंक हासिल करने के बावजूद फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। ऐश्वर्य ने 466.9 अंक हासिल किए और चीन के युकुन लियू (467.1) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का कांस्य पदक फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे (454.8) ने जीता।

फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय नीरज कुमार 432.6 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले 24 वर्षीय ऐश्वर्या ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने हेतु विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। ऐश्वर्या ने क्वालीफिकेशन में 597 (40 एक्स) का स्कोर बनाकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की उनके हमवतन नीरज भी 592 अंकों के साथ फाइनल में पहुंच गए।

रिजवान ने जानकारी दी, तभी मैंने कप्तानी स्वीकारी : शाहीन

रावलपिंडी, एजेंसी

पाकिस्तान के वनडे कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने दावा किया है कि उन्होंने कप्तानी तभी स्वीकार की जब उनके पूर्ववर्ती मोहम्मद रिजवान ने उन्हें यह पद छोड़ने की जानकारी दी। शाहीन ने सोमवार को मीडिया से कहा मैंने रिजवान से इस मामले पर चर्चा करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से यह जिम्मेदारी ली।

उन्होंने कहा रिजवान एकमात्र व्यक्ति थे जिनसे मैंने चर्चा की और मैंने उनसे पूछा कि मेरे कप्तानी स्वीकार करने के बारे में उन्हें कैसा लगा। शाहीन ने कहा रिजवान ने खुद फैसला किया कि वह मेरे लिए जगह बनाएंगे और इस तरह चीजें आगे बढ़ी। शाहीन को 2023 में पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था लेकिन न्यूजीलैंड में सिर्फ एक श्रृंखला के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। शाहीन को 2023 क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद बाबर आजम के इस्तीफा देने पर यह जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। महज एक श्रृंखला के बाद हालांकि उन्हें हटाकर फिर से बाबर को कप्तान बना दिया गया। शाहीन ने कहा कि रिजवान ने उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कप्तान के तौर पर वह बाबर और रिजवान का समर्थन करेंगे क्योंकि वे टीम के अहम खिलाड़ी हैं।

सुधार की कवायद

इंडियन सुपर लीग के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए कोई बोली नहीं मिलने के बाद बढ़ी व्याकुलता

फुटबॉलरों की अपील- जल्द शुरू करें आईएसएल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान जारी कर प्रशासकों से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का नया सत्र जल्दी से जल्दी शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि उनका गुस्सा और हताशा अब व्याकुलता में बदल गई है।

यह अपील ऐसे समय में की गई है जब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि 16 अक्टूबर को आईएसएल के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए अनुरोध (आरएफपी) के बाद उसे कोई बोली नहीं मिली है।

इस आरएफपी में लीग के वाणिज्यिक और मीडिया अधिकारों के लिए 15 साल के अनुबंध के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं।

स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा अभी हम जहां हैं, वहां से देरी करना अच्छा नहीं होगा। कोच, प्रशंसक, स्टाफ के सदस्य और खिलाड़ियों के लिए सब कुछ ठहर गया है। हमने बहुत मेहनत की है। हमने बहुत त्याग किया है और हम अपने सत्र को यूं ही खत्म नहीं होना देना चाहते हैं।

उन्होंने कहा पूरा भारतीय फुटबॉल तंत्र अनिश्चितता में डूबा हुआ है। सपने थम गए हैं। भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। हर दिन हम इंतजार करते हैं। हम व्याकुल हैं। हमें तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है।

गोलकीपर गुरप्रीत वालिया जैसे राष्ट्रीय टीम के कई फुटबॉलरों ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए एक संदेश साझा किया। खिलाड़ियों ने बयान में कहा हम इंडियन सुपर लीग में खेलने वाले पेशेवर फुटबॉलर मिलकर यह अपील करते हैं कि हम इंडियन सुपर लीग का सत्र शुरू करने के लिए एकजुट हैं। सीधे शब्दों में कहें तो हम खेलना चाहते हैं। बयान में कहा गया है हमारे गुस्से, हताशा और परेशानी की जगह अब व्याकुलता ने ले ली है। हम उस खेल को खेलने के लिए बेताब हैं जिसे हम प्यार करते हैं। हम अपने परिवार और प्रशंसकों के लिए खेलने को लेकर बेताब हैं जो हमारे लिए सब कुछ हैं।

बयान में खेल प्रशासकों से आग्रह किया गया कि वे मौजूदा संकट से निपटने का रास्ता निकालें। इसके कारण मोहन बागान जैसे शीर्ष क्लबों को अपना अभ्यास सत्र रोकना पड़ा है।

'हमारी हताशा पर ईमानदारी पर गौर करें'

यह देश में हमारे खेल को संचालित करने वाले सभी लोगों से एक अपील है कि वे फुटबॉल सत्र को शुरू करने के लिए जो भी संभव हो वह करें। भारत को प्रतिस्पर्धी फुटबॉल की आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। खिलाड़ियों ने बयान में कहा जहां तक हमारा सवाल है तो हम प्रतिबद्ध हैं, पेशेवर हैं और जैसे ही हमें बताया जाएगा हम तुरंत खेलने के लिए तैयार हैं। हम इस शानदार खेल को संचालित करने वाले लोगों से बस यही चाहते हैं कि वह हमारी हताशा पर ईमानदारी से गौर करें। हम पिछले एक लंबे समय से खुद को अंधेरी सुरंग में पा रहे हैं और हमें तत्काल रोशनी दिखाने की जरूरत है।